जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 116 प्रभात जालोर, शनिवार 2 अगस्त, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

'चाहे आप रिटायर हो जाएं या घर बैठ जाएं, हम आपको बख्शेंगे नहीं'

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग के अधिकारियों को सार्वजनिक धमकी दी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1, अगस्त। एक तीखे बयान में, जिसने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है, विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए कहा है कि वह भाजपा के लिए वोट चुरा रहा है।

इसे देशद्रोह करार देते हुए, राहुल गांधी ने संसद भवन के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस द्वारा की गई जांच और सामने आए खुलासे एक "परमाणु बम" की तरह फटेंगे और इन धमाकों के असर में चुनाव आयोग कहीं भी दिखाई नहीं देगा।

इसी के साथ, उन्होंने स्पष्ट और कड़े शब्दों में यह चेतावनी जारी की कि चुनाव आयोग में ऊपर से लेकर नीचे तक जो भी भाजपा के लिए वोट चोरी में शामिल पाया जाएगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा, क्योंकि यह देश के खिलाफ राष्ट्रद्रोह के समान है। उन्होंने कहा, "आप कहीं भी हों, सेवानिवृत्त हों या न हों, हम आपको ढूंढ निकालेंगे।"

- राहुल ने कहा, आपने मतदाता सूचियों से नाम काटने का अगर काम किया है तो वह देशद्रोह के समान है और इसे माफ नहीं किया जा सकता।
- राहुल ने इस संदर्भ में आगे कहा कि "वोटों की चोरी" को पकड़ने में चुनाव आयोग ने हमारे साथ सहयोग नहीं किया, अतः हमने हमारे साधनों से गत छः महीने में जाँच की है, वोटों की चोरी के प्रकरण की तथा जो जानकारी हमें मिली है, वह विस्फोटक है, "एटम बम" की तरह, और वह धमाका चुनाव आयोग को खत्म कर देगा।
- राहुल ने कहा कि यह विस्फोटक जानकारी पूरी तरह संजोकर, एक सप्ताह में अपनी कर्नाटक यात्रा के दौरान उजागर करेंगे।
- चुनाव आयोग ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, राहुल गांधी के आरोप आधारहीन व गैरजिम्मेदाराना हैं। अतः चुनाव आयोग के अधिकारी राहुल गांधी के वक्तव्य को तवज्जो नहीं दें तथा जायज़ व पारदर्शी तरीके से अपना काम करते रहें।

विपक्ष के नेता ने कहा कि उनकी पार्टी को शुरू में मध्य प्रदेश में संदेह हुआ था, और महाराष्ट्र में यह और पुख्ता हो गया, जहाँ कुछ महीनों के भीतर एक करोड़ नए मतदाता जोड़े गए।

उन्होंने कहा, "चूंकि चुनाव आयोग ने हमारा समर्थन या सहयोग नहीं किया, इसलिए हमने खुद के स्तर पर जाँच की। जो हमें मिला, वह एक परमाणु बम की तरह है; एक बार जब यह फट जाएगा, तो चुनाव आयोग कहीं भी दिखाई नहीं देगा।"

गांधी ने कहा कि पार्टी ने गहराई और बारीकी से जाँच की। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी को पूरे विस्तृत विवरण तक पहुँचने में लगभग छह महीने लगे, और निष्कर्षों का खुलासा बहुत जल्द किया जाएगा। उन्होंने कहा, पूरे देश को पता चल जाएगा कि चुनाव आयोग किस तरह भाजपा के पक्ष में वोटों का हेरफेर कर रहा है।

इस तरह के तीखे हमले के बाद, बचाव की मुद्रा में आए चुनाव आयोग के पास प्रतिक्रिया देने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

चुनाव आयोग ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए आरोपों को "आधारहीन" और "गैर-जिम्मेदाराना" कहकर खारिज कर दिया। आयोग ने एक बयान में कहा, "दैनिक धमकियों और आधारहीन आरोपों के बावजूद, आयोग सभी चुनाव

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'एसटी वर्ग की बेटियों को समान अधिकार से वंचित रखना अनुचित'

जयपुर, 1 अगस्त। राजस्थान हाईकोर्ट ने एसटी वर्ग की महिला के पैतृक संपत्ति में अधिकार से जुड़े महत्वपूर्ण मामले में कहा है कि आजादी के सात दशक बाद भी एसटी समुदाय की बेटियों को समान अधिकारों से वंचित करना अनुचित है। ऐसे में यह जरूरी है कि भारत सरकार हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 2(2) के प्रावधानों की समीक्षा करे

- हाई कोर्ट ने केन्द्र सरकार से, जरुरत हो तो कानून में संशोधन करने को कहा।

और यदि जरूरत हो तो प्रावधानों में संशोधन करे। अदालत ने आशा जताई है कि केन्द्र सरकार इस मामले में विचार करेगी और सुप्रीम कोर्ट की ओर से कमला नेती के मामले में निर्देश के आधार पर उचित निर्णय लेगी। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने ये आदेश मन्त्री देवी की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिये। वहीं, अदालत ने याचिकाकर्ता से जुड़े मामले में प्रतिवादी पक्ष की ओर से सीपीसी के आदेश 7 नियम 11 के तहत पेश अर्जी को खारिज करते हुए एसडीओ को निर्देश दिए हैं कि वे दो साल में लंबित वाद का निस्तारण करें।

अदालत ने कहा कि भारतीय संविधान के प्रावधान स्पष्ट रूप से दर्शाते

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अन्य देशों को अब अमेरिका की महँगाई का भार वहन करना पड़ेगा'

ट्रंप का दावा काफी गलत साबित हुआ टैरिफ बढ़ाने के बारे में

-अंजन रॉय-
-अमेरिका में राष्ट्रदूत के प्रतिनिधि-

वॉशिंगटन, 1 अगस्त। अमेरिका में 1 अगस्त का दिन है, और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के नए शुल्क प्रभावी हो रहे हैं, ऐसे में अमेरिकी अर्थव्यवस्था एक नई सच्चाई से हतप्रभ नज़र आ रहा है।

शेयरों में व्यापक गिरावट आई है और नए आंकड़े बताते हैं कि अर्थव्यवस्था धीमी हो रही है।

अभी जारी किए गए जुलाई के आंकड़ों से पता चलता है कि अमेरिका में केवल 73,000 नई नौकरियां जोड़ी गईं, जो अब तक की सबसे कम हैं। नई नौकरियों का सृजन, जो अर्थव्यवस्था की गति का एक प्रमुख पैमाना है, कुछ हद तक धीमा हो रहा था और अब इसके परिणाम सामने आ रहे हैं।

अमेरिका आमूलचूल परिवर्तन की नई वास्तविकता के प्रति जाग रहा है। एक मुक्त अर्थव्यवस्था और मुक्त व्यापार का गढ़ रहा अमेरिका अब एक संरक्षणवादी (प्रोटैक्शनिस्ट) अर्थव्यवस्था की ओर रुख कर रहा है। इसने न केवल अमेरिका के करीबी सहयोगियों को निराश किया है, बल्कि आम अमेरिकियों को भी निराश कर रहा है।

डॉनल्ड ट्रम्प के इस दावे, कि अन्य देशों को इसकी कीमत चुकानी होगी, के विपरीत यह एहसास हो रहा है कि अमेरिका के लोगों को उन कई उत्पादों के लिए अधिक भुगतान करना होगा, जिनकी उन्हें आदत है। बेशक, इस मार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अमेरिकावासियों को अब महँगी पड़ने लगीं वो वस्तुएँ, जो वो सदा से आसानी से सस्ते दामों में खरीदने के आदी हो गये थे।
- उदाहरण के लिए, फ्रांस व जर्मनी की वाइन्स व स्विटज़रलैंड की लग्ज़री घड़ियाँ।
- अमेरिका की इकॉनमी भी "स्लोडाउन" के दौर में फंसती जा रही है। उदाहरण के लिए, जुलाई माह के आंकड़ों के अनुसार, केवल 73,000 नये रोजगार के अवसर उपलब्ध हुए हैं, जो कई दशकों में सबसे कम है।
- भारत में निर्मित सामान लगभग गायब ही हो जाएगा, अमेरिका के मार्केट में। क्योंकि 25 प्रतिशत का टैरिफ व ऊपर से रूस से ऑयल खरीदने के कारण लगी पेनल्टी के कारण भारत का माल अन्य देशों की तुलना में महँगा हो जायेगा।

सोमवार, बुधवार व गुरुवार को "इन्टर्न्स एंट्री" वर्जित होगी सुप्रीम कोर्ट में

सुप्रीम कोर्ट में यह नई व्यवस्था, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के आग्रह पर की गई है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कानून के इन्टर्न्स को सोमवार, मंगलवार और शुक्रवार को कोर्टरूम में प्रवेश से रोक दिया है, जो कि विविध मामलों की सुनवाई के दिन होते हैं।

यह कदम सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अनुरोध के बाद उठाया गया है।

एक विज्ञप्ति में कहा गया, "सक्षम अधिकारियों ने विविध प्रकार के केसों की सुनवाई के दिनों में, यानी सोमवार, मंगलवार और शुक्रवार को कानून के इन्टर्न्स के कोर्टरूम के अंदर प्रवेश को प्रतिबंधित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन द्वारा किए गए अनुरोध को स्वीकार कर लिया है।"

कानून के इन्टर्न्स को नियमित सुनवाई के दिनों, यानी बुधवार और गुरुवार को कोर्ट परिसर और गलियारों में जाने की अनुमति होगी।

बार एसोसिएशन ने पहले भी कोर्ट को एक पत्र लिखकर कानून के इन्टर्न्स पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध किया था, जिसमें कोर्ट के अंदर भीड़भाड़ का हवाला दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने कहा था, "यह देखा गया है कि सोमवार, मंगलवार और शुक्रवार को कोर्टरूम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- वरिष्ठ व प्रैक्टिसिंग वकीलों की शिकायत थी कि "इन्टर्न्स" की भारी भीड़ के कारण वकीलों को एक कोर्ट से दूसरे कोर्ट जाने में भी दिक्कत हो रही थी।
- साथ ही इन प्रशिक्षु इन्टर्न्स की उपस्थिति के कारण न्यायालय में सभी सीटें भर जाती थीं तथा इन्टर्न्स आग्रह करने के बाद भी इन सीटों को खाली करने को तैयार नहीं होते थे तथा प्रैक्टिसिंग वकीलों को काफी समय खड़ा रहना पड़ता था।

अरूण चतुर्वेदी राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष बने

अरूण चतुर्वेदी

जयपुर। प्रदेश में निकाय चुनाव से पहले भजनलाल सरकार ने बड़ी राजनीतिक नियुक्ति की है। भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष और पूर्व कैबिनेट मंत्री अरुण चतुर्वेदी को राज्य वित्त आयोग का अध्यक्ष बनाया है।

- आने वाले दिनों में और राजनैतिक नियुक्तियाँ होने की संभावना है।

अब माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में जल्द ही और राजनैतिक नियुक्तियां होने की संभावना है। इसमें प्रदेश भाजपा के कई बड़े नेताओं के नाम शामिल होने की संभावना है।

9 सितम्बर को उपराष्ट्रपति का चुनाव होगा

चुनाव आयोग द्वारा घोषित चुनाव कार्यक्रम के अनुसार, उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए 21 अगस्त तक पर्चा दाखिल किया जा सकेगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1, अगस्त। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को घोषणा की कि उपराष्ट्रपति पद का चुनाव 9 सितंबर को होगा और परिणाम भी उसी दिन घोषित कर दिया जाएगा।

यह चुनाव उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा पिछले महीने अचानक इस्तीफा देने के कारण जरूरी हो गया है। इस चुनाव की अधिसूचना 7 अगस्त को जारी की जाएगी और नामांकन भरने की अंतिम तारीख 21 अगस्त होगी।

भारत के उपराष्ट्रपति का चुनाव एक निर्वाचक मंडल (इलैक्टोरल कॉलेज) द्वारा किया जाता है, जिसमें राज्यसभा के सभी निर्वाचित और मनोनीत सदस्य तथा लोकसभा के सभी निर्वाचित सदस्य शामिल होते हैं।

धनखड़ ने 21 जुलाई को अपने कार्यकाल के समाप्त होने से लगभग दो साल पहले इस्तीफा दे दिया। उनका कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था। उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर इस्तीफा दिया, लेकिन सूत्रों का कहना है कि केन्द्र सरकार, जिसका वे कभी

- चुनाव आयोग के अनुसार, चुनाव में राज्यसभा व लोकसभा के सभी सदस्य मतदान कर सकेंगे, तथा एनडीए के दोनों सदनों में 422 सदस्य हैं तथा चुनाव जीतने के लिए 391 वोट की ही आवश्यकता है।
- अतः एनडीए के उम्मीदवार का जीतना लगभग तय ही माना जा रहा है।

मजबूती के साथ बचाव किया करते थे, के साथ उनके रिश्तों में तनाव आने के साथ ही, दोनों के बीच परस्पर विश्वास भी समाप्त हो गया था।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 68 की धारा 2 के अनुसार, यदि उपराष्ट्रपति पद, उपराष्ट्रपति की मृत्यु, इस्तीफा, हटाए जाने या किसी अन्य कारण से रिक्त हो जाये, तो उस पद को "यथाशीघ्र" भरने के लिए चुनाव कराना आवश्यक है। नए निर्वाचित व्यक्ति को कार्यभार संभालने की तिथि से पूरे पाँच साल का कार्यकाल मिलेगा।

इस चुनाव में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले नैशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) को स्पष्ट बढ़त हासिल है।

लोकसभा की कुल 543 में से एक सीट (बसीरहाट, पश्चिम बंगाल) खाली है, जबकि राज्यसभा की 245 सीटों में से पाँच रिक्त हैं। राज्यसभा की 5 रिक्त सीटों में से चार सीटें जम्मू-कश्मीर से और एक पंजाब से है। पंजाब की सीट आम आदमी पार्टी के संजीव अरोड़ा के इस्तीफे से खाली हुई, जो हाल ही में उपचुनाव में विधानसभा के लिए चुन लिये गये गए।

दोनों सदनों की कुल प्रभावी सदस्य संख्या 782 है और यदि सभी सदस्य मतदान करें, तो बहुमत पाने के लिये 391 वोटों की जरूरत होगी।

लोकसभा में एनडीए के पास 542 में से 293 सदस्यों का समर्थन है। राज्यसभा (प्रभावी संख्या 240) में एनडीए के पास 129 सदस्यों का समर्थन है, यह मानते हुये कि सभी मनोनीत सदस्य एनडीए उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करेंगे।

इस प्रकार, सत्तारूढ़ गठबंधन के पास कुल मिलाकर 422 सांसदों का समर्थन है।

एसआई भर्ती पेपर लीक : सरकार 4 अगस्त को पक्ष रखेगी

जयपुर, 1 अगस्त। राजस्थान हाईकोर्ट में एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में याचिकाकर्ता पक्ष की बहस पूरी हो गई है। अदालत ने मामले की सुनवाई 4 अगस्त को रखी है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने ये आदेश कैलाश चन्द व अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। आगामी सुनवाई पर राज्य सरकार की ओर से अपना पक्ष रखा जाएगा।

सुनवाई के दौरान, याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आरपी सिंह और अधिवक्ता हरेन्द्र नील ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने भर्ती को रद्द करने की गुहार करते हुए याचिका दायर की है। याचिका में यह प्रार्थना नहीं है कि भर्ती को लेकर राज्य सरकार कोई निर्णय ले। ऐसे में राज्य सरकार की ओर से भर्ती रद्द नहीं करने का निर्णय लेने के आधार पर ही याचिका सारहीन नहीं हो जाती है। इसके अलावा, संविधान के अनुच्छेद 226 में हाईकोर्ट को व्यापक शक्तियां प्राप्त है और वह याचिका में की गई प्रार्थना से भी आगे बढ़कर फैसला दे सकता है। एसओजी की रिपोर्ट मिलने के स्त्रोत नहीं बताने की राज्य सरकार की आपत्ति पर याचिकाकर्ता ने कहा कि यह महत्वपूर्ण नहीं है कि दस्तावेज कहां से मिले, वे सही हैं या नहीं, यह महत्व रखता है। यदि दस्तावेज सही हैं तो हाईकोर्ट को जनहित में उन पर संज्ञान लेना चाहिए। याचिकाकर्ता की ओर से बहस पूरी करने के बाद, अदालती समय पूरा होने पर अदालत ने मामले की सुनवाई 4 अगस्त को तय की है।

- याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता ने अपनी बहस पूरी की।

छात्रसंघ चुनाव- राज्य सरकार 10 दिन में जवाब देगी

जयपुर, 1 अगस्त। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान विश्वविद्यालय के छात्रसंघ चुनाव नहीं कराने के मामले में राज्य सरकार को जवाब पेश करने के लिए दस दिन का समय दिया है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश छात्र जय राव की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान, महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद अदालत में पेश हुए। उन्होंने मामले में जवाब पेश करने के लिए अदालत से दस दिन का समय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हाई कोर्ट में राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता ने समय माँगा।

1974 से चला आ रहा, 75 बीघा जमीन की अवाप्ति का मामला अब निपटा

अदालत ने जे.एल.एन. मार्ग पर स्थित उक्त भूमि पर मूल पक्षकार के वंशजों का दावा खारिज किया और कहा कि राज्य सरकार ही भूमि का मालिकाना हक रखती है

जयपुर, (कासं)। राजस्थान हाई कोर्ट में झालाना डूंगरी में स्थित एम.एन.आई.टी. के पास स्थित 75 बीघा 15 बिस्वा जमीन के राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण से सम्बन्धित 50 वर्ष से भी अधिक पुराने विवादित मामले में फैसला सुनाया है। मामले में न्यायाधीश अशोक कुमार जैन की अदालत में उक्त भूमि पर मालिकाना हक जता रहे पक्षकार, जो स्व. त्रिलोकी नाथ साहनी के वंशज है, उनका दावा अदालत ने खारिज कर दिया है। उल्लेखनीय है कि टी. एन. साहनी के वंशज भूमि अवाप्ति के लिए राज्य सरकार से 91 लाख रुपये से भी अधिक के मुआवजा मांग रहे है। अदालत ने अपने फैसले में कहा है कि राज्य सरकार स्वतंत्र है किसी भी व्यक्ति के खिलाफ अपराधी कार्यवाही जारी करने के लिए, जो इस भूमि की अवाप्ति की प्रक्रिया में आड़े आता है।

इस मामले के संक्षिप्त तथ्यों के अनुसार वर्ष 1955 में, बृजमोहन, जो स्व. रूपनारायण नामक व्यक्ति के नाबालिग बेटे थे, उनके अभिभावक ने, जे.एल.एन. मार्ग के समीप झालाना डूंगर में करीब 188 बीघा 8 बिस्वा जमीन को त्रिलोकी नाथ साहनी को 4 रु. प्रति बीघा पर किराये पर दी थी।

इस मामले के जिरह के दौरान अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह ने अदालत को बताया कि बृजमोहन के निधन के बाद 1, नवम्बर, 1958 को सरकार ने सार्वजनिक कार्यों के लिए ले लिया। अतिरिक्त महाधिवक्ता का कहना है कि इस मामले में मूल पक्षकार त्रिलोकी नाथ साहनी ने 1960 में राजस्व के विभाग के सेटलमेंट अधिकारी के समक्ष उक्त भूमि के सवाईचक घोषित किये जाने के खिलाफ आवेदन दायर किया। अतिरिक्त महाधिवक्ता ने कहा कि तहसीलदार ने त्रिलोकीनाथ को घूसपैठिए नहीं मानते हुए, और माफीदार के पट्टे के साथ एक उक्त जमीन पर किरायेदार घोषित कर दिया, हालांकि अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने तहसीलदार के आदेश को राज्य सरकार के अपील पर खारिज कर दिया था, और अपीलेट अदालतों ने भी कलेक्टर के आदेश को सही माना।

विज्ञान शाह ने अदालत को बताया कि वर्ष 1979 में हाईकोर्ट की एक खण्डपीठ ने आदेश पारित करें जिसके तहत सरकार को आदेश दिये गये थे, कि त्रिलोकीनाथ जिस भूमि के कब्जे में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- मूल पक्षकार के वंशजों को 1990 में सिविल जज ने राहत देते हुए आदेश दिये थे कि राज्य सरकार उक्त भूमि अवाप्त किये जाने की एवज में पक्षकारों को प्रति बीघा 40,000 रुपये तथा 30 प्रतिशत क्षतिपूर्ति और 15 प्रतिशत की दर से ब्याज का भुगतान करे।
- अब हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की अपील पर उक्त आदेश को रद्द कर दिया और यह भी आदेश दिए हैं कि यदि उक्त भूमि को अवाप्त करने और कब्जा लेने की प्रक्रिया में कोई आड़े आता है तो राज्य सरकार उस व्यक्ति विशेष के खिलाफ अपराधिक कार्यवाही शुरू कर सकती है।

विचार बिन्दु

एकता का किला सबसे सुरक्षित होता है। न वह टूटता है और न उसमें रहने वाला कभी दुःखी होता है। –अज्ञात

हम देश के नागरिक यह स्वीकार नहीं करेंगे कि विदेशी फर्जी मतदाता, भारत के भाग्य विधाता बनें (भाग-2)

पूर्व में दिनांक 25 जुलाई 2025 के राष्ट्रदूत के अंक में उपरोक्त शीर्षक से एक सम्पादकीय लेख प्रकाशित हुआ। वर्तमान् लेख उस लेख का दूसरा भाग है।

पूर्व के लेख में लेखक ने यह स्पष्ट करने का प्रयत्न किया है कि विशेष सघन निरीक्षण की कार्यवाही में चुनाव आयोग ने यह पाया है कि बिहार की ड्राफ्ट इलेक्ट्रोरल रोल में 66 लाख मतदाताओं ने 22 लाख वे लोग हैं जो मृतक हैं, 36 लाख वे हैं जो अन्य स्थायी स्थानों पर शिफ्ट हो चुके हैं अथवा जिसका कोई अता पता नहीं है। एक लाख ऐसे लोग हैं, जिन्होंने अन्तिम तिथि तक अपने फार्म भरकर वापिस नहीं किये गये हैं। हाँ इनकी वास्तविक संख्या का पता 1 अगस्त 2025 के बाद स्क्रूटनी समाप्ति पर पता चलेगा। यह भी सच है कि वास्तविक (ठाहल्हा) मतदाता के नाम 1 अगस्त 2025 से 1 सितम्बर 2025 के मध्य, जोड़े भी जा सकते हैं। 7 लाख मतदाता जो Multiple Places पर पंजीकृत हैं, उन्हें केवल एक स्थान पर रखा जावेगा।

ये रिट् याचिकायें कई व्यक्तियों अथवा संस्थाओं आदि ने सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत की हैं जो जेरकार हैं। मुख्य याचिका एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिवव रिफोर्म की है जिसमें प्रशान्त भूषण सीनियर एडवोकेट पैरवी कर रहे हैं। देश के सभी यशस्वी एडवोकेट इन याचिकाओं में विभिन्न याचिकाओं में पैरवी कर रहे हैं जिनमें मुख्य सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल भी एक हैं। चुनाव आयोग की ओर से पैरवी करने वालों में सीनियर एडवोकेट राकेश द्विवेदी हैं।

जवाब व बहस के दौरन चुनाव आयोग ने माननीय सुप्रीम कोर्ट के समक्ष स्पष्ट किया है कि बिहार राज्य की मतदाता सूची का विशेष सघन निरीक्षण की प्रक्रिया जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 21(3) में दिये गये अधिकारों के अन्तर्गत् की जा रही है जो प्रक्रिया विधि सम्मत है। दिनांक 28 जुलाई 2025 की कार्यवाही के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के समय कहा कि अधार कार्ड व ईपीआईसी कार्ड पुनरीक्षण के समय देखे जा सकते हैं, क्योंकि इनके बाबत यह धारणा बनाने का अधिकार है कि वे सही हैं। दिनांक 28 जुलाई 2025 को खण्डपीठ ने स्थगन आदेश देने से इन्कार कर दिया। इसका अर्थ था कि चुनाव आयोग 1 अगस्त 2025 तक अपनी ड्राफ्ट Electoral Roll अपनी यथोनिश्चित तारीख तक प्रकाशित कर सकते हैं।

दिनांक 28 जुलाई 2025 की केस की तारीख दिनांक 29 जुलाई, 2025 को कुछ देर सुनवाई के बाद स्थगित कर दी गई, क्योंकि खण्डपीठ के सदस्य जस्टिस सूर्यकान्त उस दिन एक अन्य प्रशासनिक कार्य में व्यस्त थे। खण्डपीठ के दूसरे न्यायाधीश जॉयमाल्या बागची हैं। दिनांक 28.07.2025 को सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में मसोदा (ड्राफ्ट) मतदाता सूची के प्रकाशन पर रोक लगाने से मना कर दिया। कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया कि वह चुनाव आयोग की विशेष सघन पुनरीक्षण प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर एक बार में अन्तिम निर्णय करेगा।

दिनांक 28.07.2025 की सुनवाई के दौरान खण्डपीठ ने दो मुख्य सुझाव दिये वे इस प्रकार हैं:-

(1) जस्टिस सूर्यकान्त ने सुझाव दिया कि व्यापक रूप से निष्कासन के बजाय व्यापक रूप से समावेश की दिशा में काम होना चाहिये।

(2) खण्डपीठ ने चुनाव आयोग को यह निर्देश दिया कि वह बिहार में पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत् आधार व वोटर आई स्वीकार करना जारी रखें। कोर्ट ने कहा जहां तक राशन कार्ड की बात है वे आसानी से नकली बनाये जा सकते हैं। यह भी कहा गया कि कोई भी डोक्यूमेण्ट फर्जी बनाया जा सकता है।

दिनांक 29 जुलाई, 2025 की बहस भी बहुत रोचक रही।

एडीआर के एडवोकेट ने चुनाव आयोग के एडवोकेट के उस स्टेटमेण्ट की ओर खण्डपीठ का ध्यान आकर्षित किया कि जब 65 लाख मतदाताओं ने जब फार्म ही नहीं भरा, क्योंकि वे या तो स्वर्गवासी हो गये अथवा कहीं चले गये तो क्या उन तथाकथित लोगों को पुनः अपना नाम लिस्ट में दाखिल कराने के हेतु कार्यवाही करनी होगी। खण्डपीठ के न्यायाधीश सूर्यकान्त ने कहा कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है अतः उसकी कार्यशैली कानूनानुसार ही होनी चाहिये और यदि ऐसा नहीं हुआ तो "We are here, we will hear you" keânkeâj Assured किया। यदि तथाकथित मतदाताओं का Mass Exclusion हुआ तो हम उचित कार्यवाही करेंगे। न्यायाधीश बागची ने कहा 15 जीवित व्यक्तियों को जिन्हें मृतक बताया है, उन्हें कोर्ट में पेश करेंगे तो हम विचार करेंगे। चुनाव आयोग के सीनियर एडवोकेट राकेश स्थिति को स्पष्ट करते हुये कहा कि ड्राफ्ट लिस्ट में कोई संशोधन होता है तो मतदाताओं आपत्ति दाखिल करने का और सक्षम अधिकारी को उसे निर्णित करने का अधिकार है।

यह सच है कि चुनाव आयोग को नागरिकता के निर्णय का अधिकार नहीं है और न वह स्वंय यह मानता है, किन्तु उसे यह देखना आवश्यक है कि जिस व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में है, वह भारत का नागरिक है या नहीं और वह वही डोक्यूमेन्ट मांग रहा है जो नागरिकता के लिये आवश्यक है।

खण्डपीठ ने सुनवाई के बाद 12-13 अगस्त 2025 की तारीख अन्तिम सुनवाई के लिये नियत कर दी।

इस प्रकार इस प्रसंग में दिनांक 12-13 अगस्त 2025 को बहस होगी। इन दिनों दोनों पक्षों के सीनियर एडवोकेट्स ने जो बहस की, जो आपत्तियाँ उठाईं तथा जो विशेष आपत्तियाँ रिट् याचिकाओं तथा चुनाव आयोग ने उठाई हैं, हम यदि मंथन करें तो निम्नलिखित Issues पर बहस हो सकती है:-

(1) चूंकि संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार मतदान का अधिकार केवल भारत के नागरिक को प्राप्त है और जो व्यक्ति संविधान के अनुच्छेद 5(क) के अनुवार भारत में जन्मा था, (ख) जिसके माता-पिता में से कोई भारत में जन्मा था या (ग) भारत के राज्य क्षेत्र में अधिवासी है तथा जो प्रारम्भ से ठीक पहले कम से कम पांच वर्ष तक भारत के राज्य क्षेत्र में साधारण तौर से निवासी रहा है, भारत का नागरिक होगा और अनुच्छेद 6 से 11 के अनुसार जिसने भारत की नागरिकता प्राप्त की है, वही व्यक्ति मतदान कर सकता है। इस प्रकार नेपाल, बांग्लादेश, म्यांमार के लोग जो वहां के निवासी हैं मतदान के अधिकारी नहीं हैं। इस आधार पर उनके डोमीसाइल सर्टिफिकेट, आधार कार्ड व राशन कार्ड जो उन्होंने प्राप्त किये हैं वे फर्जी हैं।

(2) सुप्रीम कोर्ट अथवा हाईकोर्ट में वही व्यक्ति रिट् याचिका दायर कर सकता है जो भारत का नागरिक है और जिसे संविधान के चेप्टर -III के अधिकार हैं जो याचिकायें सुप्रीम कोर्ट में दायर की हैं पीआईएल हैं और ऐसे व्यक्तियों की ओर से हैं जो देश के नागरिक नहीं हैं अथवा जीवित ही नहीं हैं अथवा अन्य राज्यों में चले गये हैं यानी इनका सम्बन्ध चेप्टर -III के अधिकारों से नहीं है।

(3) चूंकि संविधान के अनुच्छेद 324 के अनुसार चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है, जिसे Electoral Roll के बाबत अधीक्षण निर्देशन और नियंत्रण के पूर्ण अधिकार प्राप्त हैं अतः ऐसी संस्था के विरूद्ध रिट् याचिकायें जो आधार याचिकाओं में दिये हैं, उनके बाबत हस्तक्षेप का अधिकार नहीं है, क्योंकि Electoral का विषय जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के अनुसार है।

(4) चुनाव आयोग ने इस विषय को काफी गंभीर माना है। उसका मानना है कि यदि उसके अधिकारियों ने विशेष सघन निरीक्षण की कार्यवाही में नाम मतदाता सूची से हटा दिया है वह नागरिक मतदाता है, उसे जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 व नियमों के अनुसार अपील का अधिकार है।

(5) आधार कार्ड व राशनकार्ड आदि पब्लिक डोक्यूमेन्टस हैं तो भी ये नागरिकता साबित करने के हेतु सारभूत व रेलेवेन्ट नहीं है।

(6) बंगाल, राजस्थान आदि राज्यों में भी चुनाव होने जा रहे हैं अतः यह वाद विषय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जनहित में शीघ्राति निर्णित होना आवश्यक है। विषय गम्भीर है अतः इस केस को संवैधानिक पीठ द्वारा निर्णित किये जाने के बाबत भी विचार होना आवश्यक है।

(7) यह सच है कि चुनाव आयोग को नागरिकता के निर्णय का अधिकार नहीं है और न वह स्वंय यह मानता है, किन्तु उसे यह देखना आवश्यक है कि जिस व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में है, वह भारत का नागरिक है या नहीं और वह वही डोक्यूमेन्ट मांग रहा है जो नागरिकता के लिये आवश्यक है।

दिनांक 01.08.2025 को चुनाव आयोग ने बिहार की मतदाता पुनरीक्षण अभियान की पहली ड्राफ्ट लिस्ट जारी की है। इसे अपने अधिकारिक वेबसाइट पर सांय 3 बजे अपलोड किया गया है। सभी राजनीतिक पार्टियों को इसकी कॉपी भेजी गई है। इस लिस्ट में नये नाम जोड़े गये हैं। लोगों के नाम काटे भी गये हैं। 20 लाख से अधिक के नाम काटे गये हैं, जिन्हें मृत होना पाया गया है।

चुनाव आयोग ने सूचित किया है कि सभी ऐसे लोग अथवा उसने परिवार जन, जिनके नाम नहीं हैं वे फार्म भरकर बीएलओ अथवा समक्ष अधिकारी को भेज दें, कानूनानुसार सुनवाई कर जाँच की जावेगी और यदि उन्हें मतदान का अधिकारी पाया गया तो उनके नाम जोड दिये जावेंगे। 1 सितम्बर 2025 तक संशोधन कराने का अवसर दिया है। 8 लाख ऐसे मतदाता हैं, जिनके नाम दो जगह पर हैं, उन्हें एक जगह वोटे देने का अधिकार होगा। कई ऐसे लोग हैं, जो अपना गांव (स्थान) छोडकर चले गये हैं। कई लाख ऐसे हैं जो बांग्लादेश व म्यांमार के नागरिक हैं। जाँच का काम जारी है।

सत्यमेव जयते!

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द् जैन,
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

टैरिफ़ का जाल क्या भारत का निर्यात संकट वास्तविक है

सुनील दत्त गोयल

जब डोनाल्ड ट्रम्प ने 'राष्ट्रीय आपातकाल' का हवाला देते हुए भारतीय निर्यात पर 25-26 प्रतिशत टैरिफ लगाया, तो प्रतिक्रिया तेज़ थी: बाज़ारों में अफरा-तफरी मच गई, निर्यातकों ने राहत की माँग की, और टिप्पणीकारों ने भारत को हाशिये पर बता दिया। लेकिन टैरिफ अस्तित्व का ख़तरा नहीं हैं। भारत की अर्थव्यवस्था-जो 80 प्रतिशत घरेलू माँग पर निर्भर है-सालाना निर्यात घाटे में 7 अरब डॉलर का नुकसान झेल सकती है। असली ख़तरा इस बात में है कि भारत इस पर कैसी प्रतिक्रिया देता है। अगर वह दबाव में ढिलाई बरतता है, तो इसके परिणाम व्यापार से कहीं आगे तक जाएँगे। ऑटोमोबाइल और ऑटो पार्ट्स ($21 अरब निर्यात, 27 प्रतिशत अमेरिका को) को 4-5 प्रतिशत मार्जिन का नुकसान हो रहा है।

अगर हीरे पर छूट खत्म हो जाती है, तो रत्न और आभूषण ($8.5 अरब निर्यात) को अपना 30 प्रतिशत अमेरिकी बाज़ार हिस्सा खोने का ख़तरा है। कपड़ा उद्योग को टैरिफ़-लाभ वाले वियतनाम और बांग्लादेश से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है, जिससे गुजरात और तमिलनाडु में रोज़गार ख़तरे में हैं।

कृषि और मत्स्य पालन पर 56 प्रतिशत तक टैरिफ लग सकते हैं। फिर भी, ये नुकसान, चाहे कितने भी कष्टदायक क्यों न हों, भारत को कमज़ोर नहीं करते। दवाइयों को छूट दी गई है। इलेक्ट्रॉनिक्स पर टैरिफ 'मेक इन इंडिया' को और भी तेज़ कर सकते हैं। भारत की अमेरिका पर निर्यात निर्भरता जीडीपी का केवल 2.2 प्रतिशत है-वियतनाम के 25 प्रतिशत की तुलना में नगण्य।

अगर भारत विरोध करता है, तो वह 2026 के अमेरिकी मध्यावधि चुनावों तक बातचीत को आगे बढ़ा सकता है, यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के बाज़ारों में विविधता ला सकता है, और रूसी तेल का प्रवाह जारी रख सकता है। लेकिन अगर वह पीछे हटता है, तो उसे संरचनात्मक पराजय का खतरा है। अगर भारत पीछे हटता है तो क्या होगा

कृषि क्षेत्र में आत्मसमर्पण:

टैरिफ में कटौती के लिए, भारत पर अपने डेयरी बाज़ार को अमेरिकी कृषि व्यवसाय के लिए खोलने या जीएमओ फसलों को स्वीकार करने के लिए दबाव डाला जा सकता है। इससे ग्रामीण किसान-भारत का सबसे बड़ा मतदाता समूह-बर्बाद हो जाएँगे और राजनीतिक अशांति फैल जाएगी। एक बार अनुमति मिल जाने के बाद, ऐसी पहुँच को वापस लेना असंभव है।

प्रौद्योगिकी पर निर्भरता:

अमेरिकी प्रौद्योगिकी तक पहुँच से जुड़े समझौते के साथ कुछ शर्तें भी जुड़ी हो सकती हैं-रूसी रक्षा खरीद पर प्रतिबंध या स्वदेशी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और अर्धचालक कार्यक्रमों पर सीमाएँ। इससे भारत वाशिंगटन की आपूर्ति श्रृंखलाओं में बंद हो जाएगा, जिससे उसकी रणनीतिक स्वायत्तता कमज़ोर हो जाएगी।

रूसी ऊर्जा प्रतिबंध:

अमेरिकी दबाव में, भारत को रूस से रियायती तेल खरीद में कटौती करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है, जिससे घरेलू ऊर्जा लागत बढ़ेगी और मुद्रास्फीति से बचाव का एक बड़ा कवच भी खत्म हो जाएगा। इससे उस रणनीतिक साझेदारी को भी नुकसान पहुँचेगा जिसने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत को बढ़त दिलाई थी।

और माँगों की मिसाल:

जैसे ही भारत किसी एक क्षेत्र में रियायत देगा, अमेरिका और माँगों पर ज़ोर देगा-जैसे डिजिटल करों में कटौती, जेनेरिक दवाओं पर बौद्धिक संपदा रियायतें, और रक्षा खरीद में पुनर्गठन-जिससे भारत की नीतिगत गुंजाइश कम हो जाएगी।

निवेशक पलायन:

यह कथित आत्मसमर्पण उन निवेशकों को डराएगा जो भारत के स्वतंत्र आर्थिक रुख को महत्व देते हैं। चीन के विकल्प के रूप में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आकर्षित करने के बजाय, भारत को अमेरिकी व्यापार नीति के विस्तार के रूप में देखे जाने का जोखिम है। संक्षेप में, अभी पलक झपकाना टैरिफ को एक बातचीत योग्य अड़चन से एक स्थायी रणनीतिक लगाम में बदल देगा।

भारत के पास अभी भी उत्तोलन क्यों है

प्रतिद्वंद्वी देशों की तुलना में कम टैरिफ दर: भारत की 26 प्रतिशत दर अभी भी चीन के 54 प्रतिशत या वियतनाम के 46 प्रतिशत की तुलना में कम दंडात्मक है।

विविध बाजार: यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के मुक्त व्यापार समझौते व्यापार, विशेष रूप से दवा और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र को पुनर्निर्देशित कर सकते हैं।

ऊर्जा कवच: रूस की तेल बचत-जो सालाना अरबों डॉलर की है-भारत को अपनी ताकत से बातचीत करने का समय देती है।

अमेरिका में कानूनी अराजकता: एक संघीय न्यायालय ने पहले ही ट्रम्प की टैरिफ घोषणा को गैरकानूनी माना है, हालाँकि अपील लंबित रहने तक प्रवर्तन जारी है। यह अनिश्चितता प्रतीक्षा और निगरानी की रणनीति का पक्षधर है।

रणनीतिक खेल

भारत को चाहिए: कृषि रियायतों को हर कीमत पर अस्वीकार करें।

मध्यावधि राजनीति के उत्तोलन को बदलने तक अमेरिकी वार्ता को लंबा खींचें।

यूरोपीय संघ के मुक्त व्यापार समझौते में तेजी लाएँ, गैर-अमेरिकी बाजारों का निर्माण करें। रूसी रक्षा और ऊर्जा संबंधों को दोगुना करें, स्वायत्तता को मज़बूत करें। कपड़ा, आभूषण और ऑटो पार्ट्स क्षेत्र के एमएसएमई को ऋण और कर राहत देकर घरेलू निर्यातकों को मज़बूत करें।

निष्कर्ष: झिझक की कीमत

खतरा ट्रंप के टैरिफ़ नहीं हैं-बल्कि भारत द्वारा उनसे बचने के लिए अपनी स्वायत्तता का त्याग करना है। अगर नई दिल्ली दृढ़ रहती है, तो टैरिफ़ पर बातचीत कम हो जाएगी, बाज़ार विविधीकृत होंगे, और अमेरिकी दबाव कम होगा। लेकिन अगर वह डेयरी, जीएमओ फ़सलों या रूस के मामले में झिझकती है-तो वह न सिर्फ़ यह व्यापार युद्ध हारेगी। बल्कि अगले युद्ध से लड़ने की अपनी क्षमता भी खो देगी। यह टैरिफ़ का मामला नहीं है। यह संप्रभुता का मामला है।

-रोटेरियन सुनील दत्त गोयल, महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री।

शिक्षक बने पर्यावरण प्रहरी: बूंदी के मंडावरा के सरकारी स्कूल में नवाचार से सूरत बदली

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, मंडावरा के शिक्षकों ने अपने प्रयास और जन भागीदारी से एक ऊबड़-खाबड़ टीले को सुरम्य और हरे-भरे मरु उद्यान में बदल दिया है

अनुप्रिया

विद्यालय में अभियान से पूर्व की फोटो।

अभियान के बाद की फोटो, जिससे स्पष्ट पता चलता है कि जन भागीदारी और जुनून ने कैसे इस अभियान को पूर्ण सफल बनाया है।

जब राष्ट्र निर्माताओं का संकल्प और जुनून सरकार की प्रतिबद्धता और जवाबदेहिता से मिलता है तो सुशासन की छाया में बंजर जमीन भी हरियाली की चादर ओढ़ लेती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के हरियालो राजस्थान की प्रतिबद्धता को बूंदी जिले के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, मंडावरा के कर्मयोगी शिक्षकों ने धरातल पर साकार कर दिया हैं। इन शिक्षकों ने अपने भागीरथी प्रयास और जन-भागीदारी की शक्ति से एक ऊबड़-खाबड़ टीले को सुरम्य और हरे-भरे मरुद्यान में बदल दिया है, जो आज पूरे क्षेत्र के लिए एक प्रेरणा-पुंज बन गया हैं।

संकल्प से सृजन की यात्रा-

भेरूपुरा बरड़ पंचायत के गाँव मंडावरा स्थित यह विद्यालय कुछ वर्ष पूर्व तक एक साधारण टीले पर बना था। प्रधानाचार्य किशन लाल मीणा और शिक्षक गोपाल मीणा की दूरदर्शी सोच ने इस चुनौती को अवसर में बदलने का बीड़ा उठाया और एक सुनियोजित योजना के साथ इस ज्ञान के मंदिर का कायाकल्प शुरू हुआ। मिट्टी डालकर भूमि को समतल किया गया, पक्की दीवारें बनाकर परिसर को सीढ़ीनुमा स्वरूप दिया और फिर शुरू हुआ हरियाली का मिशन।

नवाचार और सहभागिता का संगम-इस हरित क्रांति में केवल शिक्षक ही नहीं बल्कि विद्यार्थी और ग्रामवासी भी सक्रिय भागीदार बनें। विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का भाव जगाने के लिए 'पौधे गोद लेने' की अनूठी परंपरा शुरू की गई, जहाँ हर विद्यार्थी अपने गोद लिए पौधे की सुरक्षा करता है, उसे पानी देता है। विद्यालय में एक बीज बैंक स्थापित किया गया है जो न केवल स्कूल की जरूरतों को पूरा करता है बल्कि ग्रामीणों और आस-पास के अन्य विद्यालयों को भी निःशुल्क पौधे उपलब्ध करवाकर पर्यावरण संरक्षण की मुहिम को विस्तार दे रहा हैं। ग्रामवासी स्वेच्छा से पौधों की देखभाल और सिंचाई की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। वर्तमान में विद्यालय परिसर में अपराजिता, पारिजात और मधु कामिनी जैसे सुगंधित फूलों के साथ-साथ अनेक फलदार और छायादार वृक्ष लहलहा रहे हैं, जो हर किसी को आकर्षित करते हैं।

सिर्फ हरियाली नहीं, समग्र विकास का मॉडल-जब शिक्षकों ने अपना समय और श्रम दिया तो गांव का माहौल बदल गया। सामुदायिक भागीदारी ने नया आकार लिया, पौधारोपण और रखरखाव में स्थानीय आवश्यकता और भौगोलिक मापदंड के हिसाब से नीति बनाई गई, फिजिकल ऑडिट शुरू हुई, पारदर्शिता मानक मूल्य बन गया। आर्थिक सहयोग के एक-एक पैसे का हिसाब रखा जाने लगा जिससे भागीदारों को उत्साह मिला।

स्थानीय समुदाय में इस बगीचे और विद्यालय के प्रति स्वामित्व और जिम्मेदारी की भावना बढ़ी जिससे शैक्षणिक गतिविधियों में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ।

पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ यह विद्यालय शैक्षिक और भौतिक विकास के हर मानदंड पर खरा उतरता है। बंदरों से बचाव के लिए वायर फेंसिंग, स्वच्छ पेयजल के लिए आरओ और वाटर कूलर, निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे, आधुनिक कंप्यूटर लैब, डिजिटल क्लासरूम, समृद्ध पुस्तकालय और दूधिया रोशनी में वॉलीबॉल खेलने की सुविधा वाला खेल मैदान इसे एक आदर्श विद्यालय बनाते हैं।

अनुप्रिया, पीआरओ, बूंदी।

बीकानेर में 11 जर्जर स्कूल दूसरे स्कूल में शिफ्ट होंगे

बीकानेर में शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन की टीम ने स्कूलों का सर्वे किया

बीकानेर, (निसं)। झालावाड़ स्कूल हादसे के बाद जर्जर और जीर्ण-शीर्ण सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था के तहत सुरक्षित भवन तलाशे जा रहे हैं। बीकानेर जिले में 11 स्कूलों के विद्यार्थियों की पढ़ाई अब पास के ही दूसरे स्कूलों में होगी।

झालावाड़ स्कूल हादसे के बाद शिक्षा विभाग की ओर से राज्यभर में जर्जर स्कूलों का सर्वे करवाया जा रहा है। बीकानेर में भी शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन की टीम ने अनेक स्कूलों का सर्वे किया है। सर्वे में 11 स्कूल ऐसे सामने आए हैं जहां स्कूल भवन स्थिति खराब है। ऐसे में वैकल्पिक व्यवस्था के तहत इन स्कूलों को पास के स्कूल में शिफ्ट किया जा रहा है। मुक्ता प्रसाद स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भीम नगर को मुक्ता प्रसाद इंग्लिश मीडियम स्कूल में शिफ्ट किया गया है। यहां अब एक भवन में तीन स्कूलों का संचालन हो रहा है।

पहली पारी में सुबह 7 से 12.30 महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल मुक्ता प्रसाद के 350 विद्यार्थियों की कक्षाएं लगाई जा रही हैं। जबकि सेकंड पारी में स्कूल के पांच कमरों में दोपहर 12.30 से 6 बजे तक भीम नगर स्कूल के 250 तथा चार कमरों में राउप्रावि वार्ड नंबर 17 के 137 बच्चों की कक्षाएं लग रही है। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पवनपुरी दक्षिण विस्तार में भी राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय अंबेडकर कॉलोनी और राउप्रावि पवनपुरी को शिफ्ट किया जाएगा। बीकानेर जिले में करीब 32 सरकारी स्कूल किराए की बिल्डिंग में चल रहे हैं। किराए के भवनों में शिक्षा विभाग की ओर से मरम्मत के लिए बजट नहीं दिया जाता है। इसलिए इन स्कूलों की मरम्मत पिछले तीन-चार साल से नहीं हुई है। राउप्रावि कोरियों का बस नंबर स्कूल जर्जर है। इसके लिए भी शिक्षा विभाग नए भवन की तलाश कर रहा है। वहीं इन स्कूलों के मालिक को जर्जर भवनों की रिपेयरिंग के लिए कहा गया है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 2 अगस्त, 2025

सावन मास, शुक्ल पक्ष, नवमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, विशाखा नक्षत्र प्रातः 6:35 तक, शुक्ल योग रविवार प्रातः 6:24 तक, बवकरण सायं 7:24 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 11:53 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-तुला, मंगल-कन्या, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग रात्रि 4:08 तक है। आज अश्वत्थ मारूती पूजन है। आज अष्टमी तिथि में वृद्धि हुई है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ 7:35 से 9:14 तक, चर 12:33 से 2:12 तक, लाभ-अमृत 2:12 से 5:31 तक।

राहूकालः 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:55, सूर्यास्त 7:10

मेष

परिवार में व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

वृष

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति एवं व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क

घर-परिवार में सुख-सुविधाओं पर धन खर्च होगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। आज आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

वृश्चिक

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी।

धनु

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आज धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

सार-समाचार

नाले बिखरे, लोग परेशान

पाली, (नि.सं.)। नगर निगम द्वारा बारिश के दौरान नालों की सफाई 8 जून से शहर में शुरू की थी, अहिंसा सर्किल से शमशान घाट तक नाले खोलकर सफाई अभियान चलाया था, जहां नाले सही थे वहां लोगों ने वापस उन पर पत्थर रखकर ढक दिए। इसी क्रम में रोटरी क्लब के ठीक सामने मालवीय लोहार समाज भवन के बाहर दोनों तरफ नालों की खुदाई के दौरान नाला पूरी तरह से तोड़कर बिखेर दिया गया, जिससे समाज भवन और दुकानदार अपनी दुकानों में भी मुश्किल से जा पा रहे थे। यहां पर करीब 10 फुट गहरा नाला है, जिसमें पिछले दिनों हुई बारिश से वीडी नगर का पानी करीब एक सप्ताह तक लगातार बहता रहा। जिससे उसका पानी मकान के नीवो में उतर गया। नाला कचरे से अभी भी भरा हुआ है। करीब 40 साल पुराना नाला होने से बिखर गए हैं। नगर निगम द्वारा 2 महीने में इसकी और कोई नहीं ली गई, ना ही कोई नगर निगम का कोई अधिकारी पहुंचा। नालों का पुन निर्माण करना जरूरी हो गया है। समाज भवन के कार्यवाहक अध्यक्ष ताराचंद मालवीय का कहना है कि इस टूटे हुए नालों के कारण समाज भवन की नीवों में पानी जा रहा है। परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैं दुकानदार कैलाश मालवीय,रवि कुमार, वासुदेव हेमंत का कहना है कि उनकी ग्राहकी ठप हो गई है। नगर निगम शीघ्र नाले ठीक करवाए, जिससे राहत पाएं, अभी बारिश और बाकी है।

डिजिटल साक्षरता की जानकारी दी

पाली, (नि.सं.)। हेल्प एज इंडिया की और से शुक्रवार को पार्श्वनाथ उम्मेद कॉलेज में वरिष्ठ नागरिक सेवा समिति फालना खुडाला के पदाधिकारियो के लिए डिजिटल साक्षरता कार्यशाला का आयोजन किया गया। वरिष्ठ नागरिक सेवा समिति फालना के अध्यक्ष गोपाल सिंह चौहान ने बताया कि कार्यशाला में लता सांखला और क्षिप्रा जोशी के द्वारा हेल्प एज इंडिया संस्था के बारे में जानकारी दी गई। बताया गया कि हेल्प एज इंडिया पिछले 48 वर्षों से विभिन्न प्रोजेक्ट के द्वारा पूरे भारत में बुजुर्गों के लिए काम कर रहा है। उन्होंने बताया के कैसें इस बदलते 'हुए समय में हमारे बुजुर्ग कदम से कदम मिलाकर चल सकते हैं। कार्यशाला मे इमर्जेन्सी संपर्क सहेजें, फोन स्टोरेज को मैनेज करने के बारे मे जानकारी दी गई। इस मौके पर सचिव कैलाश जोशी, उपाध्यक्ष मान सिंह देवड़ा, संगठन मंत्री जसवंत सिंह, प्रवक्ता चंपालाल भाटी, सुरेश चंद्र अठावाल कन्हैयालाल शर्मा, अमित मेहता,कमल श्रीमाली,नैन सिंह पंवार,नारायण सिंह राजपुरोहित,राम प्रसाद गुर्जर,मांगीलाल वैष्णव,मांगीलाल सुथार,खुशी राम, प्रताप राठौड़,सुखसिंह खंगारोत,मनोहर सिंह,सुमेरसिंह मेड़तिया, नारायण लाल,बाबूलाल माली आदि वरिष्ठ नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन कैलाश बी जोशी ने किया

दो दिवसीय सावन महोत्सव आज से

जोधपुर, (कासं)।श्री समस्त पीपा क्षत्रिय समाज, विद्यानगर, जोधपुर के तत्वावधान में दो दिवसीय सावन महोत्सव दो एवं तीन अगस्त को विद्यानगर स्थित समाज भवन में आयोजित किया जाएगा। दो दिवसीय सावन महोत्सव को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। सावन महोत्सव को लेकर महिलाओं में भारी उत्साह छाया हुआ है। अध्यक्ष पार्षद भीमराज राखेचा ने बताया कि दो दिवसीय सावन महोत्सव का शुभारंभ दो अगस्त को होगा। कार्यक्रम में मिस एंड मिसेस प्रतियोगिता में मिस एवं मिसेज वर्ग की छात्रा ,महिलाएं प्रतियोगिताओं में भाग ले सकेगी। सचिव प्रकाश पवार एडवोकेट ने बताया कि सावन महोत्सव में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। जिसमें दोपहर 02 से 03 बजे मेहन्दी,दोपहर 03 से 04 बजे म्युजिकल चैयर, सांय 04 से 05 बजे फैन्सी ड्रेस (बाल वर्ग 14 वर्ष तक) 5 से 06 बजे तक रहेगी। दूसरे दिन 3 अगस्त, रविवार को श्रीमती सावन (रेप वॉक) दोपहर 01 से 03 बजे तक, मिस एवं मिसेज वर्ग लहरिया वेशभूषा थीम पर होगा। नृत्य प्रतियोगिता (मिस व मिसेज वर्ग) दोपहर 03 से 05 बजे तक रहेगी। प्रतियोगिता का समापन समारोह 3 अगस्त को शाम 5 बजे होगा।

शादी के बाद माल लेकर दुल्हन फरार

जोधपुर, (कासं)। शहर के लूणी क्षेत्र में एक युवक की पत्नी शादी के तीन चार दिन बाद फरार हो गई। काफी दिनों तक वह नहीं लौटी। युवक ने शादी कराने वाले लोगों से संपर्क किया तो उन लोगों ने भी टालमटोल जवाब दिया । उससे शादी के नाम पर 3.85 लाख रूपए और आभूषण ऐंठ लिए गए। पीड़ित ने कोर्ट में इस्तगासे द्वारा अब कुछ लोगों को नामजद कर रिपोर्ट दी है। फरार दुल्हन का भी पता लगाया जा रहा है। लूणी पुलिस थाने में विजेंद्र नाम के युवक की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसकी शादी नहीं होने पर उसके ही समाज के कुछ लोगों पप्पू भारती, अमर भारती, भंवरी देवी और राकेश आदि ने मिलकर उसकी शादी बाद में एक युवती से कराई थी। शादी अप्रेल माह में कराई गई, मगर उसकी पत्नी शादी के तीन चार दिन बाद ही फरार हो गई। उसने शादी खर्च के नाम पर और बिचौलियों को तकरीबन 3.85 लाख रूपए दिए थे। उसकी पत्नी फरार होने पर उनसे संपर्क किया तो वे टालमटोल जवाब देने लगे। उसकी पत्नी अब वापिस नहीं लौटी है। इस पर उसने कोर्ट में इस्तगासे के द्वारा नामजद लोगों पर धोखाधड़ी पूर्वक रकम ऐंठने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दी है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की धूम रही

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेटस एसोसियेशन, जोधपुर के तत्वावधान में महिला अधिवक्ता सावन महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यकम की मुख्य संयोजक पुस्तकालय सचिव कांता राजपुरोहित एवं सह-संयोजक एडवोकेट मधु बूब ने बताया कि एसोसियेशन की महिला सदस्य अधिवक्ताओं का सावन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन रेड स्टोन रिर्सोट फार्म, मथानिया बाईपास रोड पर सुबह 11 बजे से सांय 7 बजे तक आयोजित किया गया। कार्यक्रम मे विशिष्ठ अतिथि के रूप में नगर निगम उत्तर के महापोर श्रीमती कुंति देवडा उपस्थित रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसोसियेशन के अध्यक्ष रतनाराम ठोलिया ने की। कार्यकम में महिला अधिवक्ताओं द्वारा सावन महोत्सव के तहत विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी । सभी महिला अधिवक्ता लहरियाँ परिधानों में कार्यक्रम में सम्मिलित हुई। कार्यकम का संचालन डिम्पल माहेश्वरी ने किया। महोत्सव में अनेक महिला अधिवक्ताओं ने भाग लिया।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां शुरू

पाली, (नि.सं.)। कलैक्टर एल.एन.मंत्री एवं जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक के निर्देशानुसार स्वतंत्रता दिवस के सफल आयोजन को लेकर तैयारिया शुरू कर दी गई। शुक्रवार को शहर के हाउसिंग बोर्ड स्थित सेठ मुरलीधर जमनादास वारदान वाले राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में राजकीय व निजि विद्यालयो के विधार्थियो ने सामूहिक व्यायाम प्रदर्शन किया। संस्था प्रधान शान्ति चौहान ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस के सफल आयोजन को लेकर उच्च अधिकारियो के निर्देश पर कार्यक्रम की तैयारियो शुरू कर दी गई है। जिसमे शारीरिक शिक्षिका सुमित्रा शर्मा द्वारा विद्यार्थियो को ड्रम पर सामूहिक व्यायाम प्रदर्शन का अभ्यास करवाया गया। व्याख्याता जूंजाराम पटेल, चन्द्र प्रकाश अगनानी, मीठालाल चांवरिया, जया करमचंदानी, दर्शना शेखावत, भगवान दास बाबानी, रेखा हाटडिया, सोना सिंधी, स्नेहा चौधरी, मंजूलता बालोटिया, सरोज सैन, संजय कुमार सैन आदि मौजूद रहे।

शिक्षण संस्थान के पास, हुक्का बार पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। बासनी सरस्वती नगर शॉपिंग सेंटर के पास एक टॉवर पर पुलिस ने रेड दी। जहां अवैध रूप से हुक्का बार का संचालन किया जा रहा था। इस हुक्का बार के पास में स्कूल है। संचालक को गिरफ्तार कर केस दर्ज किया गया। बाद में उसका जमानत पर छोड़ दिया गया। भगत की कोठी पुलिस ने बताया कि मुखबिरी सूचना मिली कि सरस्वती नगर शॉपिंग सेंटर स्थित एक टॉवर में अवैध रूप से हुक्का बार का संचालन किया जा रहा है। इस पर थानाधिकारी राजीव भादू आदि वहां पहुंचे। तब वहां भगवानसिंह पुत्र किशनसिंह नाम का शख्स मिला। पुलिस ने तलाशी में वहां से 11 फ्लेवर, 14 पाइप, 11 हुक्कें और 6 चिलम को जब्त किया गया। संचालक भीलवाड़ा निवासी भगवानसिंह के खिलाफ केस दर्ज कर गिरफ्तार किया गया। बाद में उसे थाने में जमानत लेकर छोड़ दिया गया।

आचार्य को जिलाध्यक्ष से खुशी

सायला, (निसं)। अखिल भारतीय आचार्य ब्राह्मण सेवा संघ के जालोर जिलाध्यक्ष पद पर रमेश आचार्य को नियुक्त करने पर समाज बंधुओ व शुभचिंतकों ने खुशी जताते हुए बधाई दी है। संघ के प्रदेशाध्यक्ष देवकिशन ने शुक्रवार को रमेश आचार्य को जिलाध्यक्ष पद पर मनोनित किया है। आचार्य पूर्व में भी समाज के संगठन में विभिन्न पदों की जिम्मेदारी निभा चुके है। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष ने प्रदेश कार्यकारिणी का आभार जताते हुए संघ हित में कार्य करने की बात कही।

जोधपुर में संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह आयोजित

जोधपुर, (कासं)। जिला स्तरीय संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह शुक्रवार को संसदीय कार्य विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल के मुख्य आतिथ्य में मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित हुआ।

पटेल ने कहा हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र के समावेशी विकास और क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करने की दिशा में 'आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम' का आगाज़ किया है। यह ऐतिहासिक और दूरदर्शी पहल है। उन्होंने कहा संपूर्णता अभियान केवल योजनाओं के क्रियान्वयन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आशा, आत्मनिर्भरता और समावेशी प्रगति की नई सोच का परिचायक है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा इस कार्यक्रम के तहत देशभर के 112 आकांक्षी जिलों और 500 आकांक्षी ब्लॉकों का चयन किया गया है, जिनमें राजस्थान के 5 जिले और 27 ब्लॉक भी शामिल हैं। उन्होंने कहा यह हमारे लिए गर्व की बात है कि राजस्थान इस अभियान का सक्रिय भागीदार बन रहा है और शेरगढ़ ने पश्चिमी जोन में प्रथम स्थान प्राप्त कर राजस्थान का मान बढ़ाया है।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने केन्द्र की एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट्स योजना की तर्ज पर प्रदेश में सबसे पिछड़े 35 ब्लॉक्स में विकास को गति देने के लिए गुरु गोलवलकर एस्पिरेशनल ब्लॉक्स डेवलपमेंट स्कीम का शुभारंभ किया है और योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए इस वर्ष 75 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है।

जिला कलैक्टर अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा कि आर्थिक एवं सामाजिक इंडिकेटर्स में पिछड़े जिलों को विकास की धारा में जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आशान्वित जिला कार्यक्रम का शुभारंभ किया था। उन्होंने इस कार्यक्रम की सफलता को देखते हुए एस्पिरेशनल ब्लॉक कार्यक्रम प्रारंभ किया है। जिला कलक्टर ने कहा नीति आयोग की डेल्टा रैंकिंग में शेरगढ़ ब्लॉक देशभर में 18 वें और जोन- में प्रथम स्थान पर रहा। उन्होंने कहा इस उपलब्धि के लिए शेरगढ़ ब्लॉक को 1 करोड़ 50 लाख रूपये की प्रोत्साहन राशि भी मिली है।

28 अधिकारियों व कार्मिकों का सम्मान

कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रताप सिंह, उपनिदेशक (आईसीडीएस) ओमप्रकाश चौधरी, मुख्य आयोजना अधिकारी मोहनराम पंवार, बीसीएमओ शेरगढ़ डॉ भंवर चौधरी, सीडीपीओ विशनाराम सहित 28 कार्मिकों व फ्रंट लाइन वर्कर्स का सम्मान किया गया।

कथावाचक मामला, बिना अनुमति भीड़ जमा करने पर पुलिस ने दिया नोटिस

जालोर, (कासं)। जालोर में कथावाचक अभयदास का मामला अभी तक शांत नही हो पाया है। प्रशासन द्वारा अनुमति देने के बाद इंकार करने के उपरान्त जालोर में ही रहकर घर घर ढाल ढमाको के साथ भिक्षा ले रहे है। गुरुवार रात्रि को कथावाचक द्वारा एक भक्त के घर बिना अनुमति अधिक संख्या में भीड एकत्रित कर सम्बोधन देने पर मकान मालिक को पुलिस ने नोटिस जारी किया। वही कथावाचक के मांस व मदिरा का सेवन करने वाले के घर भोजन करना भी चर्चा का विषय बना हुआ है। वहीं कथा वाचक अभयदास ने देर शाम कलश यात्रा निकाली तथा बिशन सिंह राजपुरोहित के घर से नानी बाई का मायरा कथा शुरू की। पुलिस व प्रशासन से बिना अनुमति लिये शुक्रवार देर शाम कथावाचक ने एक भक्त बिशनसिंह के घर ही कथा शुरू की ।वहीं घर के बाहर काफी भीड एकत्रित हो गई। कथावाचक की जिद पुलिस व प्रशासन के लिए सर दर्द बना हुआ है।

कथावाचक भगतसिंह स्टेडियम के पास ही अपने एक भक्त बिशनसिंह राजपुरोहित के घर निवास कर घर घर भिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। कथावाचक अभयदास शुक्रवार को एफसीआई गोदाम क्षेत्र में भिक्षा लेने पहुंचे। वहां उनका स्वागत सत्कार किया गया तथा भिक्षा लेने के दौरान उनके आगे आगे ढोल ढमाकों की गूंज के चलते लोगों का जमावड़ा एकत्रित होने लगा। कथावाचक ने भिक्षा लेकर उसी रोटी को अपने भक्तों को प्रसाद के रुप में दिया। भिक्षा लेते समय लोगों ने फल फ्रूट आदि भी दिये। गुरुवार रात्रि को बिना प्रशासनिक अनुमति के कथावाचक द्वारा एक भक्त बिशनसिंह राजुपरोहित के घर पर ही माईक आदि लगाकर काफी संख्या में भीड एकत्रित कर कीर्तन करने पर पुलिस थाना जालोर ने मकान मालिक को नोटिस जारी किया। पुलिस थाना जालोर ने नोटिस बिशन सिंह पुत्र लक्ष्मण सिंह राजपुरोहित, तेजपाल सिंह, महिपाल सिंह, पुरण उर्फ बंटी पुष्पादेवी निवासीगण भगत सिंह स्टेडियम के पास कालका कॉलोनी वाली गली को दिया। नोटिस मे बताया कि 31 जुलाई को रात्री के समय आपके घर पर एवं घर के आगे युवाचार्य अभयदास महाराज द्वारा महिलाओं एवं पुरूषों की भीड़ जमा की गई एवं साउण्ड सिस्टम भी लगाया गया। इस प्रकार के आयोजन की किसी प्रकार की कोई अनुमति प्राप्त नहीं की है एवं न ही किसी प्रकार का कोई आवेदन किया है। बिना किसी अनुमति के इस तरह की भीड़ जमा करने पर किसी प्रकार की अप्रिय घटना घटित हुई, भगदड होने एवं वर्षा का मौसम होने से कोई घटना होती है तो इसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी आपकी होगी। राजस्थान सरकार के गृह में उल्लेखित शर्तो की पालना किये बिना इस प्रकार के आयोजन करते हो एवं कानून व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न होती है तो आपके खिलाफ विधि सम्मत कार्यवाही की जावेगी।

वहीं भगतसिंह स्टेडियम में कथा के लिए लगाये गये टेंट व अन्य सामान नही हटाने पर नगरपरिषद ने उक्त सामान सीज किया। वही भगतसिंह स्टेडियम में 2 अगस्त को राजस्थान सरकार के लोकल टू वोकल कार्यक्रम की प्रदर्शन का आयोजन होगा।

कथावाचक के मांस व मदिरा का सेवन करने वाले के घर भोजन नही करने का प्रण उस समय टूट गया। जब गुरुवार को कथावाचक ने सुबह मांस व मदिरा का व्यापार करने वाले के घर भोजन किया। वही जिस घर में भोजन किया, शाम को उसके परिवार के एक सदस्य को पुलिस ने अवैध मदिरा व मांस का व्यापार करने के आरोप में गिरफ्तार किया।

कथावाचक के मांस व मदिरा को सेवन करने वाले के घर भोजन करना भी चर्चा का विषय बना रहा।

विश्व स्तनपान सप्ताह शुरू

जालोर, (कासं)। मातृ एवम शिशु स्वास्थ्य केंद्र में संचालित सीएमएलसी जालोर में दिप प्रज्जवलीत कर विश्व स्तनपान सप्ताह का शुभारंभ किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सीएमएलसी प्रभारी डॉ. मुकेश चौधरी ने बताया कि विश्व भर में विश्व स्तनपान सप्ताह 1 अगस्त से 7 अगस्त तक मनाया जाता है।

इसमें विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर प्रसूताओं और धात्री महिलाओं को स्तनपान का बढावा देने, छोटे बच्चो और शिशुओं को बीमारियों और कुपोषण से बचाव के लिए जागरूकता बढाते हुए शिशु मृत्युदर में कमी लाने का प्रयास किया जाता है।

इसी संदर्भ में सप्ताह के प्रथम दिन प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ वेदप्रकाश मीणा, उपनियंत्रक डॉ कमलेश मीणा, एमसीएच प्रभारी डॉ नैनमल परमार द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ स्तनपान सप्ताह का शुभारंभ किया गया। उन्होंने बताया कि इस बार की थीम इन्वेस्ट इन ब्रेस्टफीडिंग, इन्वेस्ट इन द फ्यूचर गतिविधियों पर जोर दिया गया है।

उन्होंने स्तनपान के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि मां का पहला गाढा दूध शिशु के लिये बहुत लाभदायक होता है, जिससे एंटीबॉडी प्राप्त होती है जो रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रदान करती है, स्तनपान करने वाले शिशुओं में एलर्जी, दमा एग्जीमा आदि रोगो की समस्या कम होती है। स्तनपान करने वाले शिशुओं की आंखो की रोशनी अच्छी होती है साथ बच्चों में निमोनिया डायरिया आदि रोग होने की संभावना कम होती है।

सीएमएलसी प्रभारी डॉ चौधरी में बताया कि स्तनपान सप्ताह के दौरान विभिन्न गतविधियों का आयोजन कर चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ, आशा सहयोगिनी, आंगनवाडी कार्यकर्ताओं के कार्यशाला का आयोजन कर स्तनपान की महत्वता के बारे में जानकारी दी जाएगी।

मदर मिल्क बैंक प्रबंधक नीतू गर्ग ने बताया कि जालोर में वर्ष 2०18 में स्तनपान को बढावा देने के साथ शिशु मृत्युदर में कमी लाने हेतु मदर मिल्क बैंक की स्थापना की गई जिनका कार्य एवं योगदान सराहनीय रहा है।

सीएमएलसी में अब तक 6 लाख 1 हजार 705 एमएल दूध एकत्रित किया गया एवम 19746 यूनिट बनाई गई। 2721 नवजात शिशुओं को 18836 यूनिट उपलब्ध करवाया गया। साथ ही माताओं की स्तनपान संबंधित समस्याओं का निवारण कर स्तनपान करवाने के लिए प्रेरित किया गया।

इस दौरान डॉ प्रकाश विश्नोई, डॉ प्रवीण कुमार, डॉ राकेश मेवाडा, डॉ. अभिषेक पटेल, डॉ बाबूलाल, नर्सिंग अधीक्षक पुष्पेंद्र भारती, सीएमएलसी स्टाफ ऊषा खेदड, ऊषा सोलंकी समेत कई जन मौजूद थे।

अवैध शराब सहित एक गिरपतार

जालोर, (कासं)। जालोर कोतवाली एवं जिला स्पेशल की संयुक्त टीम ने शुक्रवार को नॉन वेज होटल आपणी ढाणी सरस्वती नगर जालोर में हार्डकोर अपराधी दिलीप वैष्णव के कब्जे से अवैध 25 बीयर की बोतल बरामद कर अभियुक्त के विरूद्व आबकारी एक्ट का प्रकरण दर्ज किया।

जालोर कोतवाली थानाधिकारी अरविन्द कुमार के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने मुखबीर की सूचना के आधार पर थाना हल्का क्षेत्र के रतनपुरा पुलिया से एफसीआई की तरफ जाने वाले रास्ते पर सरस्वती नगर में स्थित नॉन वेज होटल (आपणी ढाणी) में अवैध रूप से शराब विक्रय की सूचना पर अभियुक्त दिलीप वैष्णव पुत्र बद्रीदास वैष्णव निवासी कॉलका कोलोनी जालोर के कब्जे से अवैध रूप से 25 बीयर (ट्रबो स्ट्रोंग) को जब्त कर नियमानुसार आरोपी दिलीप वैष्णव को गिरफ्तार किया गया।

विवाहिता का शव फंदे से लटका मिला, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

सायला, (निसं)। सायला पुलिस थानाक्षेत्र के मेंगलवा ग्राम में एक कृषि बेरे पर गुरुवार दोपहर को विवाहिता के मृत्यु मामले में विवाहिता के परिजनों ने हत्या कर शव को लटकाने का आरोप लगाया है। इस संबंध में मृतका के भाई धनाराम पुत्र होतीराम मेघवाल निवासी देताकला ने पति सहित सात जनों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

जानकारी के अनुसार हविया देवी पत्नी कमलेश कुमार निवासी मेंगलवा का गुरुवार को रस्सी से रहवासी मकान में शव लटकता हुआ मिला था। जिसकी सूचना पर सायला पुलिस ने घटना स्थल का मौका मुआयना कर मृतका के पीहर पक्ष के देताकला से आने के बाद शव को देर शाम को नीचे उतारकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सायला लाया था। शुक्रवार को मृतका के पीहर पक्ष सहित ग्रामीणों ने हत्या का आरोप लगाते हुए दोषियों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। साथ ही गिरफ्तारी नही होने तक पोस्टमार्टम नही करवाने की मांग रखी।

पुलिस उपअधीक्षक गौतम जैन ने सायला थाने के बाहर परिजनों से समझाइश करते हुए मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया।

दोपहर तक पोस्टमार्टम नही कराने की मांग पर अडे रहे। बाद में पुलिस प्रशासन की ओर से मुकदमे के आधार पर जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार करने की बात कही। जिसके बाद शव का मेडिकल बोर्ड द्वारा शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंपा गया।

मामले की जांच जालोर सीओ गौतम जैन कर रहे हैं।

आदिवासी दिवस को सूखा दिवस घोषित करने की मांग

रेवदर, (निसं)। सिरोही जिले में रेवदर मंडल कांग्रेस कमेटी मंडार अंबेडकर सेवा समिति मंडार समस्त आदिवासी भील समाज मंडार मंडल कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मफतलाल बुनकर के नेतृत्व में मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार को उप तहसीलदार मंडार के नाम ज्ञापन देकर 9 अगस्त आदिवासी दिवस को सूखा दिवस घोषित करने की मांग की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मंडार मंडल अध्यक्ष बुनकर ने बताया कि 9 अगस्त 2025 को विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्र में विश्व आदिवासी दिवस बडे धूमधाम से मनाया जाएगा।

कार्यक्रम में दूरदराज गांव ढाणी कस्बे से सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण जन महिला पुरुष आदिवासी रैली व सभा स्थल में शामिल होंगे। आदिवासी दिवस पर लोगों में अपने संस्कृति के प्रति उत्साह है।

आदिवासी समाज के लोग टैक्सी गाडी मोटरसाइकिल टेंपो वाहन के माध्यम से विश्व आदिवासी दिवस पर आयोजित रैली और विश्व आदिवासी कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। जिससे हम सभी आदिवासी भाइयों बहनों माता युवा साथियों जनप्रतिनिधि सेवानिवृत अधिकारियों कर्मचारियों आमजन आदि के हितों को ध्यान में रखते हुए 9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस को सूखा दिवस घोषित कर जिले की समस्त देसी अंग्रेजी शराब की दुकान बंद करने की मांग करते हैं।

इस अवसर पर कांग्रेस की जिला उपाध्यक्ष सवा राम चौधरी, कांग्रेस जिला महासचिव जबराराम राणा, निंबज भील समाज 9 परगना के अध्यक्ष मफाराम भील, जेतावाडा मंडल अध्यक्ष अजवाराम भील, अशोक कुमार, हमीराराम, अनाराम, चुनाराम, धनाराम राणा, जयंतीलाल भाट समेत दर्जन ऑन आदिवासी समाज के लोग व कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विहिप की बैठक आयोजित

पाली, (नि.सं.)। विश्व हिंदू परिषद् (विहिप) की जिला बैठक शुक्रवार को मिल गेट स्थित हंस निर्वाण सरस्वती निकेतन मैं सम्पन्न हुई।

बैठक का आगाज प्रांत प्रचार प्रसार प्रमुख अमित पारासर,जिला अध्यक्ष नरेंद्र माछर,जिला मंत्री बाबूलाल कुमावत,बजरंग दल प्रांत सुरक्षा प्रमुख अनिल चौहान, ने भारत माता राम दरबार के समक्ष दीपप्रज्वलन कर बेठक का आगाज किया। बैठक को सम्बोधित करते हुए अमित पारासर ने बताया की सँगठन की कार्यप्रणाली ऊपर से निचे तक चलती है पहले केंद्रीय बैठक, फिर प्रांत बैठक, अब जिला बैठक चल रही वर्तमान परिस्थितियों के कार्य केंद्र से लेकर,प्रान्त, जिला,खण्ड तक सँगठन कार्यं को पहचाना है।

आगामी 6 माह के कार्य क्या क्या सँगठन को करना है कैसे करना है आगामी कार्यक्रमों की चर्चा की गई जिसमें आगामी 9 अगस्त को दुर्गावाहिनी की बहनों के द्वारा रक्षाबंधन कार्यक्रम,14,15 अगस्त को कार्यकर्ता सम्मेलन करना,अखण्ड भारत कार्यक्रम करना,16 अगस्त को जन्माष्टमी कार्यक्रम करना, व विहिप स्थापना दिवस मनाना है।

विश्नोई आज बाड़मेर दौरे पर

बाड़मेर, (नि.सं.)। उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के. विश्नोई शनिवार को बाड़मेर जिले के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान राज्य मंत्री विश्नोई डीएफएमटी की बैठक एवं विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

विश्नोई जिला मुख्यालय पर कलेक्ट्रेट कांफ्रेस हॉल में शनिवार को प्रातः 11 बजे डिस्ट्रिक मिनरल फाउंडेशन ट्रस्ट बाड़मेर की गवर्निंग काउंसिल की बैठक में शामिल होंगे। इसके उपरांत दोपहर 3 बजे बाड़मेर से प्रस्थान कर सांय 4 बजे गुड़ामालानी पहुंचेंगे।

नोटिस तारीख पेशी
अज अदालत श्रीमान उपखण्ड अधिकारी महोदय मुकाम सायला
जबरसिंह बनाम अर्जुनसिंह वगैरा
मुकदमा नम्बर
MA 37/24 धारा 75 LR Act.
1. अर्जुनसिंह पुत्र जूहाराराम
2. काली पुत्री जूहाराराम
3. रसाल पुत्री जूहाराराम
4. सरो पुत्री जूहाराराम
5. भेराराम पुत्र फुआजी जाति पुरोहित निवासी पांथेडी
6. पटवारी हल्का पांथेडी
7. संरपच ग्रा.प.पांथेडी
कौम पुरोहित साकिन पांथेडी तहसील सायला जिला जालोर हाजा इतला दी जाती हैं कि मुकदमें मुन्दज की पेशी वास्ते जवाब व पैरवी हेतु तारीख 21 माह 08 सन् 2025 मुकर्रर की गई हैं ।
तारीख 29 माह 07 सन् 2025
मोहर
सहायक कलेक्टर (एसडीओ) सायला

रामदेवरा मेले की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा हुई

पोकरण /रामदेवरा, (निसं)। पश्चिमी राजस्थान का सुविख्यात बाबा रामदेवरा मेला आगामी भादवा शुक्ल पक्ष की द्वितीया 25 अगस्त से प्रांरभ होगा। मेला व्यवस्थाओं की अंतिम तैयारियों को लेकर शुक्रवार को संभागीय आयुक्त जोधपुर डॉ. प्रतिभा सिंह ने मेला व्यवस्थाओं से जुड़े विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियो एवं बाबा रामदेव मंदिर समिति के पदाधिकारियो के साथ बैठक लेकर विस्तृत समीक्षा की।

उन्हाने संपूर्ण मेला व्यवस्थाओ को चाक-चोबंध बनाए रखने पर विशेष बल दिया। संभागीय आयुक्त ने सभी विभागीय अधिकारियो को उन्हे सोंपी गयी व्यवस्थाओं को पूर्ण जिम्मेदारी एवं गंभीरता के साथ निभाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बाबा की पावन धरा पर आने वाले लाखो श्रद्वालूओ को किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत न हो इस बात का हमें पूरा -पूरा विशेष ध्यान रखना होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि श्रद्वालुगण यंहा से सुनहरी स्मृतियों एवं यादगार पलों को संजो कर ले जाए, इस मनोभाव से हम सभी को समन्वित प्रयास करने होंगे। इस अवसर पर संभागीय आयुक्त ने कहा कि मेला व्यवस्थाओं से संबंधित अधिकारियों को सोंपे गये कार्यो एवं दायित्वों को पूरी गंभीरता व तत्परता से सम्पादित कर मेलार्थियों के लिए बेहतर व्यवस्थाएं जुटाएं। उन्होंने कहा कि मेले के दौरान ग्राम पंचायत एवं मन्दिर समिति का विशेष दायित्व रहता है इसलिए वे पूरे मेले में सफाई व्यवस्था को बेहतर ढंग से दुरुस्त रखे। वहीं, रामसरोवर तालाब पर सुरक्षा एवं लाईट व्यवस्था के पुख्ता प्रबन्ध करे, ताकि किसी अप्रिय घटना घटित न हो। साथ ही उन्होने विद्युत विभाग के अधिकारियों को बिजली के ढीले तारो को ठीक करने एवं मेला अवधि तक विद्युत व्यवस्था को सुचारू रखने निर्देश प्रदान किए। साथ ही उन्होंने कहा कि संबंधित विभागीय अधिकारी इस बात का विशेष ध्यान रखें कि बरसाती पानी से लबालब भरे रामसरोवर तालाब पर किसी भी प्रकार की कोई डूबने की घटना ना हो, इसके लिये प्रत्येक समय पर्याप्त मात्रा में कुशल तैराकों की व्यवस्था किया जाना सुनिश्चित करे। उन्हाने पवित्र रामसरोवर तालाब पर महिलाओ के लिए टेंट एवं अन्य सुरक्षा के बेहतर प्रबंध करने के निर्देश दिए। उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को मेले में आने वाले श्रद्वालुओ की आवागमन सुविधाओ को मध्यनजर रखते हुए क्षतिग्रस्त सडकों की तत्काल समय रहते आवश्यक मरम्मत करवाने की सख्त हिदायद दी। उन्होंने जलदाय विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे बाबा रामसापीर की समाधी के दर्शन करने के लिए आने वाले श्रृद्धालुओं के लिए स्वच्छ पीने के मीठे पानी की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित कर लें।

उन्होंने निर्देश दिये कि विभाग मेले के दौरान टूंटी लगे हुए ार्याप्त पेयजल टैंकरों की व्यवस्था के साथ मुख्य मार्गो पर अधिकाधिक सार्वजनिक नल लगाने की व्यवस्था करें।

उन्होंने चिकित्सा विभाग के अधिकारी को स्वास्थ्य सेवाओं के बेहतरीन संचालन के लिए मेला ड्यूटी पर लगाए जाने वालें चिकित्सा स्टॉफ की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने मेले के दौरान निःशुल्क जांच एवं निःशुल्क दवा योजना का लाभ श्रद्धालुओं को मिलें, इसके लिए दवाईयो की पर्याप्त उपलबध्ता एवं खाद्य प्रदार्थ के सेम्पल जांच के लिए खाद्य निरीक्षक मय टीम की उचित व्यवस्था क सुनिश्चित करें। उन्होंने मेले में अधिकाधिक स्वास्थ्य चौकियां स्थापित करने एवं पर्याप्त एम्बूलेंस की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने परिवहन विभाग के अधिकारी को निर्देश दिये कि मेलें के दौरान अवैध वाहन एवं ओवरलोडिंग वाहनों पर कडी निगरानी रखें। साथ ही उन्होंने वाहन चेकिंग व्यवस्था को सुदृढ बनाने पर जोर दिया। उन्होंने रोडवेज के अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेलार्थियों के आवागमन को देखते हुए अतिरिक्त बसों की व्यवस्था रखे। साथ ही पोकरण से रामदेवरा के बीच शटल बसों की पुख्ता व्यवस्था रखें। इस दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को मेलार्थियों की सुरक्षा की दृष्टि से रिफ्लेक्टर, रेडियम सहित सुरक्षात्मक उपायों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सकें। जिला कलैक्टर प्रताप सिंह ने संभागीय को अब तक मेला व्यवस्थाओं की तैयारियों को लेकर विभिन्न विभागों द्वारा की गई तैयारियों के संबंध में विस्तार से अवगत करवाया।

बैठक में जिला पुलिस अधीक्षक अभिषेक शिवहरे, अतिरिक्त जिला कलक्टर परसाराम सैनी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद रश्मिरानी, रामदेवरा सरपंच समंदर सिंह तंवर, बाबा रामदेव मेला समिति के पदाधिकारी, व्यापार मण्डल के प्रतिनिधि सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

काव्य कलश की गोष्ठी में साहित्य के कई रंग झलके

जोधपुर, (कासं)। साहित्यिक धरातल पर सतत क्रियाशील संस्था "काव्य-कलश" की नियमित मासिक काव्य-गोष्ठी संस्था के पावटा सी रोड स्थित कार्यालय पर संपन्न हुई। जिसमें नगर के 19 नामचीन कवियों, कवियित्रियों एवं शायरों ने लगभग तीन घंटे से अधिक समय तक अपनी रचनाओं का पठक एवं गायन किया।

संस्था सचिव श्याम गुप्ता शान्त ने बताया कि गोष्ठी की अध्यक्षता जाने-माने साहित्यकार एडवोकेट एन. डी. निंबावत ने की। गोष्ठी का आगाज कवियित्री श्रीमती नीलम व्यास स्वयंसिद्धा ने सरस्वती-वंदना से किया।तत्पश्चात् राखी पुरोहित, पहली बार पधारे शायर अब्दुल रहीम सांखला, डीके पुरोहित, ओमप्रकाश गोयल ने अपने -अपने नायाब नगमे पेश किए। संस्था के उपाध्यक्ष अशफ़ाक अहमद फौजदार ने अपनी गज़ल-"उनकी तो मुझपे मेहरबानी बहुत है.." सुनाकर खूब तालियां बटोरी। श्याम गुप्ता शान्त ने बोतल-बयालीसा सुनाकर महफिल की फिज़ा बदल दी। नामवर शायर रजा मोहम्मद खान की दोनों गजलें पुरअसर रही। कला-मर्मज्ञ प्रमोद वैष्णव की कविताओं का रेंज सदा की तरह शिखर पर रहा, उनकी कविता की पंक्तियां- मनीप्लांट की तरह होता है दिल लगाना.." बेमिसाल थी। नवीन पंछी की लघु कविता- "पानी है वहां, इसी आस में समंदर तक गई प्यास.." का असर देर तक बना रहा।

प्रदीप शर्मा ने कविता की रूह में पर्यावरण का पेड़ लगाकर उसे हरा-भरा कर दिया। विदुषी कवियित्री डॉ. तृप्ति गोस्वामी काव्यांशी ने "जनहरण घनाक्षरी छंद" में शिव-महिमा प्रस्तुत की। शायर असरार आहिल ने सबका मन मोह लिया।

सार्वजनिक सूचना
CRSP Capital Pvt. Ltd.
सभी सम्मानित ग्राहकों, हितधारकों और स्थानीय निवासियों को सूचित किया जाता है कि हमारी शाखा आबू रोड, बालेसर, गंगापुर और जोधपुर को दिनांक 1 नवम्बर 2025 से ब्रांच ऑपरेशन का कार्य बंद किया जा रहा है। हम इस परिवर्तन के माध्यम से अपनी सेवाओं को और अधिक सुलभ, सुगम और आधुनिक बनाना चाहते हैं ताकि आपको अधिकतम सुविधाएं प्रदान की जा सकें।
शाखा का पत्ता: **आबू रोड**-दुकान संख्या 207, प्रथम तल, ओपेरासिटी मॉल, आबू रोड, 307026 **बालेसर**-ईडा मार्केट, पुराना स्टेशन रोड, बालेसर 342023 **गंगापुर**-दुकान संख्या: 4, नेहरू नगर, रायपुर रोड, गंगापुर, भीलवाड़ा 311801 **जोधपुर**-प्रथम तल, बालाजी पेंट्स के ऊपर, खसरा नंबर 161, बायसा की बोराड़ी, माता का थान रोड, मगरा पूंजला, जोधपुर 342304
हम आपको आश्वस्त करते हैं कि आपको हमारी सेवाएं अन्य शाखाओं के माध्यम से सामान्य रूप से उपलब्ध रहेंगी। किसी भी जानकारी के लिए संपर्क करें।
समर्क के लिए:
दफ्तर हेल्पलाइन नंबर-0294-2580000 ईमेल crspcapital@gmail.com
मुख्यालय का पता: 12 सी, चौथी मंजिल, पैसिफिक अमन बिल्डिंग, मधुबन, उदयपुर, राजस्थान-313001
धन्यवाद
CRSP Capital Pvt. Ltd.

कार्यालय ग्राम पंचायत नारणावास पंचायत समिति, जालोर
क्रमांक/ग्रापं/मनरेगा/2025-26/73 दिनांक: 01/08/2025
ई-निविदा सूचना संख्या 02/2025-26
पंचायत समिति जालोर के अधीनस्थ ग्राम पंचायत नारणावास के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 की अवधि के दौरान महात्मा गांधी नरेगा योजना एवं ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की अन्य योजनाओ में कराये जाने वाले कार्यो के लिए निर्माण सामगी एवं उपकरणो की आपूर्ति हेतु राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता नियम 2013 (आदिनांक संशोधित) के अनुसार राजस्थान पंचायत राज नियम 1996 के तहत वस्तु एवं सेवाकर (GST) अधिनियम 2017 के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी द्वारा पंजीकत अनुभवी एंव इच्छुक विर्निमाता (ओ) / विक्रेता (ओ) / फर्मो /संवेदको / आपूर्तिकताओ से जो किसी भी राजकीय संस्थान / उपक्रमों से बोली लगाने से विवर्जित /ब्लेक लिस्टेड नही हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा संबंधी समस्त विस्तत विवरण कार्यालय नोटिस बोर्ड तथा www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर अवलोकन की जाकर डाउनलोड कर www.eproc.rajasthan.gov.in. ई-निविदा ऑनलाईन अपलोड की जा सकती है।
NIB No. - ZJR2526A0428
UBN No. - ZJR2526GLOB00699
सरपंच/ प्रशासक, ग्राम पंचायत नारणावास, पंचायत समिति जालोर
ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत नारणावास, पंचायत समिति जालोर

अनूपगढ़ में साढ़े पांच इंच बरसात होने से घरों में दरारें आईं, कई जगह जलभराव

एसडीएम, तहसीलदार और एसएचओ क्षेत्र में सुरक्षा के बंदोबस्त में जुटे

- बरसात के कारण वार्ड 29 में एक घर मे दरार आई और गांव 71 जीबी में एक घर की दीवार गिर गई

अनूपगढ़, (निसं)। शहर और ग्रामीण क्षेत्र में रात करीब दो बजे से लगातार तेज बरसात का दौर जारी है। रात से हो रही बरसात के बाद अब तक करीब 140 एमएम (साढ़े पांच इंच) बरसात शहर में हो चुकी है, जिस कारण शहर की गलियों में पानी भर गया है।

बरसात के कारण वार्ड 29 में एक घर में दरार आ गई और वही गांव 71 जीबी में एक घर की दीवार गिर गई। बाजार में 2 दुकानों के छज्जे भी गिर गए। एसडीएम सुरेश राव, तहसीलदार श्रीवर्धन शर्मा और एसएचओ ईश्वर जांगिड़ सुबह से ही क्षेत्र में सुरक्षा के बंदोबस्त में जुटे हुए हैं। एसएचओ ईश्वर जांगिड़ के द्वारा आमजन से घरों में रहने की अपील की जा रही है। एसडीएम सुरेश राव ने आमजन से सावधानी बरतने की अपील की है। शहर के प्राचीन गढ़ की एक बुर्जी भरभराकर गिर गई। सारा मलबा सड़क पर आ गिरा। मिस्त्री मार्केट में दो दुकानों के छज्जे गिर गए। 33 ए के पास के ए वितरिका में कटाव आ गया। स्थिति यह है कि वार्ड नंबर 11 में एक खाली प्लाट की दीवारें ढह गई तो वहीं वार्ड नंबर 29 में एक घर के कमरों में दरारें आ गई तथा छत से पानी टपकने लगा। इस पर वार्ड नंबर 29 के पार्षद मुराद खान ने तुरंत घर खाली करवाकर मकान मालिक के परिवार को अन्य जगहों पर शिफ्ट किया।

मुराद खान ने बताया कि पुन्नू खान पुत्र बप्पा खान निवासी वार्ड नंबर 29 अपने परिवार के साथ दो कमरों के मकान में रहता है। अत्यधिक बरसात होने के कारण उसके मकान में दरारें आ गई है जिस कारण एक बार के लिए उन्हें अपना घर छोड़ना पड़ा है।

शहर में लगातार हो रही बरसात के बाद पुलिस थाना रोड, गौरव पथ, वेयरहाउस रोड, प्रेम नगर, वार्ड नंबर 24, वार्ड नंबर 17, वार्ड नंबर 27, वार्ड नंबर 21 सहित विभिन्न वार्डों की गलियों में पानी गया है। नगर पालिका प्रशासन पानी निकासी की व्यवस्था में जुटा हुआ है।

कृषि विभाग के सहायक निदेशक (कृषि विस्तार) जसवंत सिंह बराड़ ने बताया कि इतनी बारिश धान की फसल को छोड़कर सभी फसलों के लिए अब नुकसानदायक है। रात करीब एक बजे से लगातार हो रही बरसात के बाद जिला कलेक्टर डॉक्टर मंजू ने आपातकालीन स्थिति को देखते हुए स्कूलों में आंगनबाड़ियों में आज का अवकाश घोषित किया है। इस बीच स्कूल स्टाफ स्कूल में मौजूद रहेगा। थानाधिकारी ईश्वर प्रसाद जांगिड़ द्वारा भी शहरवासियों से अपील की जा रही है कि कोई भी व्यक्ति अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकले तथा सुरक्षित स्थान पर ही रहे।

सवाई माधोपुर शहर में विभिन्न क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न

प्रशासन ने भारी बारिश से प्रभावित नागरिकों को राहत सामग्री पहुंचाई

- भोजन, पेयजल एवं सफाई व्यवस्था के लिए विशेष टीमें तैनात, कंट्रोल रूम स्थापित

सवाई माधोपुर, (निसं)। हाल ही में सवाई माधोपुर शहर में हुई भारी वर्षा के कारण विभिन्न क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है, जिससे आमजन के दैनिक जीवन पर व्यापक प्रभाव पड़ा है। जिला कलेक्टर काना राम के निर्देशानुसार नगर परिषद सवाई माधोपुर द्वारा प्रभावित नागरिकों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

नगर परिषद आयुक्त नरसी मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि पुराने शहर की कई कॉलोनियों-जैसे अंसारी मोहल्ला, मिर्जा मोहल्ला, ब्रह्मपुरी, कुम्हार मोहल्ला, रैगर मोहल्ला एवं गुरुद्वारे के पास में जलभराव के चलते आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति को देखते हुए नगर परिषद द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में प्रातः एवं सायं काल जल टैंकरों के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके साथ ही, आज नगर परिषद की टीम एवं पार्षदों के सहयोग से उक्त क्षेत्रों में लगभग 1000 भोजन पैकेटों का वितरण किया गया।

आयुक्त ने बताया कि सभी प्रभावित बस्तियों में सफाई व्यवस्था के लिए सफाईकर्मियों की विशेष टीम लगाई गई है, जो लगातार सफाई कार्य में जुटी हुई है। नगर परिषद द्वारा यह राहत कार्य आगामी दिनों में भी सतत रूप से जारी रखा जाएगा। साथ ही, आयुक्त ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी को राहत से संबंधित सहायता की आवश्यकता हो, तो वह नगर परिषद के कंट्रोल रूम पर संपर्क करें।

तालाब के पानी में बहे बालक का शव पाइप में फंसा मिला

पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंपा

टोंक, (निसं)। टोडारायसिंह उपखण्ड क्षेत्र के गोलेड़ा गांव के तालाब के ओवरफ्लो पानी की रपट पर साथियों के साथ नहाते समय बहे 13 वर्षीय बालक का शव नौ घंटे बाद गुरुवार रात को घटनास्थल से कुछ दूरी पर छोटी पुलिया के नीचे सीमेंट के पाइप में फंसा मिला। रेस्क्यू कर रही एसडीआरएफ की टीम ने शव पुलिस को सौंप दिया, बाद में पुलिस ने शुक्रवार को बालक के शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर उसे परिजनों को सौंप दिया।

टोड़ारायसिंह तहसीलदार राहुल पारीक ने बताया कि गोलेड़ा निवासी अर्पित शर्मा पुत्र दौलत शर्मा जो गुरुवार दोपहर को गांव के तालाब की चल रही चादर के पानी में नहा रहा था, जहां उसका सन्तुलन बिगड़ने से वह पानी के बहाव में बह गया। बाद में उसके साथ नहा रहे बच्चों के चिल्लाने पर ग्रामीण वहां आये तथा बच्चों के बताए अनुसार उसकी तलाश करना शुरु की। बाद में पुलिस और उसके परिजनों को भी सूचना दी। कुछ देर बाद परिजन व पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौके पर ही एसडीआरएफ की टीम बुलाकर बालक की तलाश शुरू की, टीम ने बीती रात को ही घटना स्थल के पास नाले की पुलिया के नीचे पाइप में फंसे बच्चे के शव को निकाला।

हिरण का शिकार करने वाला गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। वन विभाग की टीम ने 27 जुलाई की शाम को कानासर की रोही में गोली मारकर दो हिरणों का शिकार करने के एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया। सात साल पहले बदरासर की रोही में दो हिरण और खरगोश का शिकार करने के मामले में अभियुक्त को गिरफ्तार किया तो उससे पूछताछ में कानासर की रोही में शिकार करने वाले नामजद हो गए।

वन विभाग के रेंजर महावीर रुहिल ने बताया कि रविवार की शाम को कानासर की रोही में दो चिंकारा हिरणों का गोली मारकर शिकार किया गया था। मौके से मृत हिरण बरामद हुए, लेकिन शिकारी फरार हो गए थे। पूर्व में 24 मई, 18 को 19 जेएमडी बदरासर की रोही में दो मादा हिरण और खरगोश का शिकार किया गया था जिसमें 10 अभियुक्त नामजद थे। तीन को गिरफ्तार किया गया और सात फरार थे। उनमें से बदरासर कावनी निवासी लखाराम को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई। उसने कानासर की रोही में शिकार करने वाले जसवंत का नाम भी उगल दिया। वन विभाग की टीम ने जसवंत को गिरफ्तार कर एक दिन के रिमांड पर लिया है। उसके साथी की तलाश की जा रही है। पुराने मामले में गिरफ्तार लखाराम को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

पैंथर ने मवेशियों का शिकार किया

मसूदा, (निसं)। मसूदा क्षेत्र के उत्तमी ग्राम में एक बार फिर पैंथर ने मवेशियों का शिकार किया। करीब एक दर्जन मवेशियों को निवाला बना दिया। बीती रात कस्बे वासियों द्वारा एक खेत में पैंथर के शावक देखे गए, जिसकी सूचना वन विभाग के अधिकारियों को दी। मौके पर अधिकारी द्वारा शावक की फोटो देखकर जंगली बिल्ली के बच्चे बता कर इतिश्री कर ली, लेकिन जब रात को उन्हीं शावक की मादा द्वारा मवेशियों को शिकार किया गया तो ग्रामीणों में रोष व्याप्त हो गया। सरपंच प्रतिनिधि लाला काठात ने बताया कि इन शावकों की सूचना विभाग को रात को ही दे दी गई थी।

Municipal Council Dholpur

No. – 1969-71 Date- 31.07.2025

Notice Inviting Tender (E-12)

N.I.T. is invited on behalf of Governor of Rajasthan by Municipal Council Dholpur for Pani nikasi work from Registered Contractor the amount of work is 28 lacs and UBN No. are has under.

UBN No- DLB2526SLOB13135

For detail visit www.sppp.rajathan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in

Commissioner
Municipal Council Dholpur

Raj.Samwad/C/25/7378

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

(राजस्थान सरकार का उपक्रम) कॉर्पोरेट कार्यालय, 04, मीरा मार्ग, उदयपुर- 313001(राज.)
फोन नम्बर: (0294)2428768/2428763-67, फैक्स: (0294)2428768,2428739

ई-निविदा सूचना दिनांक :- 01/08/2025

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
ई-निविदा संख्या 06 / 2025-26 UBN No. MML2526SLRC00072	GSFC के वडोदरा स्थित प्लांट से झामरकोटड़ा खदान, उदयपुर तक फास्फोरिक एसिड की आपूर्ति हेतु। अनुमानित मात्रा – 2000 MT, धरोहर राशि (रु. में) 48,000 /–, निविदा प्रपत्र मूल्य (रु. में) 1180 /–

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com, www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in अथवा प्रबंधक (एमएम) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/25/7336 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

Office of the Medical Superintendent

RUHS Hospital of Medical Sciences, Jaipur
Sector-11, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Tonk Road, Jaipur -302033(Raj.)
दूरभाष: 0141-2795577, Email: supdt.hms@ruhsraj.org, ruhshmstore@ruhsraj.org

No. :- F. ( ) RUHS HMS/Store/2025-26/7501 Date :- 31/07/2025

Notice Inviting e-Bids

Single Stage Two envelope Online bids (e-bids) are invited up to 02.00 pm of 28-08-2025 for Supply and Installation of Various Equipment/Items at Dept. of Ophthalmology, RUHS Hospital of Medical Sciences, Jaipur. (Total Est. Cost Rs. 6,17,00,000.00). Details may be seen in the Bidding Documents at the Website sppp.raj.nic.in, or eproc.rajasthan.gov.in. UBN : CMS2526GLOB00064-68, 71-72, 75-77, CMS2526GSOB00069-70, 73-74

Medical Superintendent,
Raj.Samwad/C/25/7349 RUHS Hospital of Medical Sciences, Jaipur

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर

टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001
दुरभाष स. 0294-2421255, 2420013, Helpline no. 0294-2426262 वेबसाइट www.udaipurmc.org

क्रमांक : निविजा / 2025–26 / ई –18 दिनांक :– 29.07.2025

(ई-भुगतान) बोली आमन्त्रण सूचना संख्या – ई 18/2025–26

नगर निगम कार्यालय उदयपुर द्वारा विभिन्न विकास कार्यो हेतु कुल राशि रु0 27.72 लाख के कुल 02 कार्यो हेतु इच्छुक निविदादाताओं से निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई–प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया के तहत निविदा आमंत्रित की जाती है निविदा के कार्यो की प्रारम्भ तिथि 30.07.2025 एवं अंतिम तिथि 11.08.2025 तथा निविदा खुलने की तिथी 12.08.2025 रहेगी निविदा से संबंधित अन्य समस्त विवरण इंटरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है। UBN No. UNP2526WSOB00061

राज.संवाद / सी / 25 / 7299 अधीक्षण अभियन्ता, नगर निगम, उदयपुर

कार्यालय नगर निगम जोधपुर दक्षिण

(नगर निगम भवन, पोलोटेक्निक कॉलेज परिसर, रेजीडेन्सी रोड, जोधपुर)
(ceo_nnj@rediffmail.com Tel: 0291-2651464)

क्रमांकः– 11336 दिनांकः– 31.07.2025

निविदा सूचना

UB NO. DLB2526SSOB13182

नगर निगम जोधपुर दक्षिण में दस वुड चीपर थ्री व्हीलर मशीन आपूर्ति करने हेतु विनिर्माता / अधिकृत विक्रेता / रजिस्टर्ड फर्मों से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत शर्तें www.lsg.rajasthan.gov.in/mcjs एवं www.sppp.rajasthan.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

आयुक्त
राज.संवाद / सी / 25 / 7316 नगर निगम जोधपुर दक्षिण

कार्यालय नगर पालिका मण्डल नापासर(बीकानेर)

E-mail:- eonagarpalikanapasar@gmail.com

क्रमांकः–न.पा.ना.पा / निर्माण / 2025–26 / 709 दिनांक 28.07.2025

ई- निविदा–सूचना सं0 17/निर्माण/2025–26

नगर पालिका नापासर की ओर से विभिन्न कार्यो (कुल 01 कार्य) के लिये केन्द्र व राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों में "ऐऐ", "ऐ" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं नगर निगम में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट Web site www.SPPP.raj.nic.in से व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा की कुल लागत 17.90 लाख
UBN Number :- DLB2526WSOB13070

राज.संवाद / सी / 25 / 7334 अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड-मण्डरायल

क्रमांक-360-375 दिनांक-18.07.2025

ई-निविदा सूचना संख्या-05/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विभिन्न कार्यो के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एए, ए, बी, सी व डी श्रेणी एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि के पंजीकृत संवेदकों जो कि राज्य सरकार के एए व ए श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदाओं से संबंधित विवरण वेबसाईट eproc.rajasthan.gov.in & www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

NIB CODE : PWD2526A2074, UBN NO. (1) PWD2526WSOB07484 (2) PWD2526WSOB07488, (3) PWD2526WSOB07490

(समय सिंह मीना) अधिशाषी अभियन्ता
DIPR/C/10365/2025 सा.नि.वि. खण्ड मण्डारायल

महिला से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

अलवर, (निसं)। अलवर शहर के एनईबी थाना पुलिस ने लोन दिलाने के नाम पर एक विवाहिता से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी 27 वर्षीय हुकुम सिंह है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार फरवरी 2025 में आरोपी ने

- फाइनेंस कंपनी का अफसर बनकर रेप किया था

खुद को फाइनेंस कंपनी में अधिकारी बताते हुए पीड़िता से संपर्क किया और उसे लोन दिलवाने का झांसा दिया। पीड़िता ने भी भरोसा कर लिया। इसके बाद महिला आरोपी के जाल में फंसती गई। अधिक पैसा लोन दिलाने का झांसा देकर महिला से रेप किया। जब लोन नहीं मिला तो घटना के बाद पीड़िता ने साहस जुटाकर एनईबी थाने में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज करते ही आरोपी की तलाश शुरू की। अब उसे अरेस्ट कर लिया। रेप व लोन का झांसा दिलाने से जुड़े सबूत भी पुलिस ने जुटाए हैं। इस मामले में गहनता से जांच हो रही है।

थाना प्रभारी ने मामले की पूरी जानकारी अलवर एसपी को भी दी है। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने गुरुवार को आरोपी हुकुम सिंह को गिरफ्तार कर लिया। शुक्रवार को उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया।

स्कूल के जर्जर कमरों को प्रशासन ने ध्वस्त करवाया

महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, भंवर कलां गेट के जर्जर कमरों को धवस्त किया।

- एसडीएम की सूझबूझ से समय रहते बची बड़ी दुर्घटना, छात्रों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन सख्त
- तोड़े गए कक्षों की हालत देखकर यह स्पष्ट हुआ कि वे पूरी तरह मिट्टी और पत्थर से निर्मित थे और बरसात के पानी से दीवारें गीली हो चुकी थीं

भीलवाड़ा, (निसं)। झालावाड़ जिले में हाल ही में एक स्कूल की छत गिरने की घटना के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है। सरकार के निर्देशानुसार राज्य के सभी राजकीय एवं गैर राजकीय स्कूलों का सघन निरीक्षण किया जा रहा है ताकि बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा सके।

इसी क्रम में सोमवार को जहाजपुर उपखंड अधिकारी राजकेश मीणा ने महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, भंवर कलां गेट का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान कुछ कक्षों की हालत अत्यंत जर्जर पाई गई, जिस पर तत्काल प्रभाव से उन कमरों को बंद करने तथा अत्यधिक क्षतिग्रस्त कक्षों को गिराने के आदेश दिए गए थे। शुक्रवार को प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए विद्यालय के जर्जर कक्षों पर बुलडोजर चलवाया। तोड़े गए कक्षों की हालत देखकर यह स्पष्ट हुआ कि वे पूरी तरह मिट्टी और पत्थर से निर्मित थे और बरसात के पानी के कारण उनकी दीवारें पूरी तरह गीली हो चुकी थीं। समय रहते यदि इन्हें नहीं गिराया जाता, तो किसी भी समय दीवारें या छत गिरने से बड़ा हादसा हो सकता था। विद्यालय में शिक्षारत छात्रों एवं स्टाफ की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह कार्रवाई एहतियातन और आवश्यक मानी जा रही है। उपखंड अधिकारी ने बताया कि ऐसे सभी स्कूल भवनों की जांच जारी है और जहां भी खतरे की स्थिति दिखेगी, वहां बिना देरी के कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की तत्परता से संभावित हादसा टल गया, और एक बार फिर यह सिद्ध हुआ कि सतर्कता और समय पर लिया गया निर्णय, जान-माल की बड़ी क्षति से बचा सकता है।

अलवर के बड़े अस्पताल सहित करीब बीस चिकित्सा भवन जर्जर हालत में

अलवर, (निसं)। अलवर के बड़े अस्पताल सहित करीब बीस चिकित्सा भवन जर्जर हालत में है। यहां भी कोई बड़ी घटना घट सकती है। अस्पताल के वार्ड टपक रहे है। प्रशासन को बच्चों के अलावा मरीजों और स्कूल स्टाफ की सुध लेनी चाहिए।

भारी बारिश की चेतावनी को देखते हुए जिला कलेक्टर आर्तिका शुक्ला ने कक्षा एक से 12 तक के बच्चों की लगातार तीन दिन से छुट्टी कर रखी है, लेकिन स्कूल स्टाफ को स्कूल में आना होगा। अब सवाल यह उठता है कि यह भारी बारिश में अवकाश का प्रावधान झालावाड़ हादसे के बाद हुआ है। प्रशासन को भय है कि अलवर जिले में करीब दो सौ से ज्यादा जर्जर स्कूल भवन है। कहीं अलवर में भी झालावाड़ जैसी पुनवृती ना हो जाए इसी को मद्देनजर रखते हुए बच्चों की तीन दिन से लगातार जिला कलेक्टर के आदेश पर अवकाश जारी कर दिए गए। वहीं अलवर जिला अस्पताल के महिला वार्ड की छत टपक रही है। मरीजों के बेडों को इधर से उधर खींचकर उन्हें पानी से बचाने का प्रयास किया जा रहा है। यह प्रयास पिछले साल से किए जा रहे हैं।

वार्ड प्रभारी ने बताया कि उन्हें अनेकों बार अस्पताल प्रशासन को लिखित में दे रखा है लेकिन जिला प्रशासन ने आज तक इस समस्या को नजरअंदाज किया हुआ है। हो सकता है कि अस्पताल प्रशासन किसी हादसे का इंतजार कर रहा हैं।

जिले में 20 चिकित्सा केंद्र जर्जर भवन में संचालित हो रहे हैं। सीएमएचओ कार्यालय भवन भी जर्जर है। करीब एक साल से डिप्टी सीएमएचओ व आरसीएचओ कार्यालय के नए भवन में अस्थायी रूप से सीएमएचओ कार्यालय का संचालन किया जा रहा है।

जिले में 2 पीएचसी, 3 सीएचसी और 15 उप स्वास्थ्य केन्द्र (सब सेंटर) जर्जर भवन में संचालित हैं। इसमें बहतुकलां व चांदोली पीएचसी एवं उमरैण, गोविंदगढ़ व लक्ष्मणगढ़ सीएचसी भवन के हालात खराब हैं। इसके अलावा खेरली सैय्यद, गोठड़ा, रतनगढ़, खेड़ी, नंगली बंजरीका, खोह, बगड़-तिराहा, रामपुरा, परवेणी, उकेर, भूड़ा, घाटला, झारखेड़ा, देसूला व भजीट सब सेंटर के भवन भी जर्जर हालत में हैं। कभी भी हादसा हो सकता है।

जिला अस्पताल परिसर में संचालित जीएनएमटीसी व एएनएमटीसी का भवन भी जर्जर अवस्था में हैं। यहां कमरों का प्लास्टर झड़ने के साथ ही छज्जे गिराऊ हालत में हैं। करीब एक साल पहले शिशु अस्पताल की गैलरी से प्लास्टर उखड़कर गिरा था, जिसे अभी तक सही नहीं किया जा सका है और वार्ड में मरमत कार्य हो सका है। अस्पताल के छज्जे भी गिराऊ हालत में है, जिसके कारण कभी भी फिर से कोई हादसा हो सकता है। पिछले साल भी शिशु अस्पताल में प्लास्टर गिरने से महिला सहित कुछ लोग घायल हो गए थे। हालांकि अभी जिला अस्पताल में मरम्मत कार्य चल रहा है, लेकिन संबंधित विभाग द्वारा कार्य की गुणवत्ता पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। अस्पताल में बने छज्जों की ढाल भी सही नहीं है। इसके कारण छत का पानी नीचे गिरने की जगह उसका दीवारों में रिसाव हो रहा है।

जिले में 107 चिकित्सा संस्थान ऐसे हैं, जिनको खुद विभाग ने मरमत योग्य माना है। ये चिकित्सा संस्थान बारिश के दौरान स्टाफ और मरीजों के लिए आफत बने हुए हैं। कहीं छत से पानी का रिसाव होने से सीलन हो रही है, तो कहीं चूना झड़ कर गिर रहा है। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार खेरली ब्लॉक में 27, मालाखेड़ा में 8, थानागाजी में 17, रामगढ़ में 27, रैणी में 8, उमरैण में 11, गोविंदगढ़ व लक्ष्मणगढ़ ब्लॉक में 4-4 चिकित्सा संस्थान मरमत योग्य हैं। उप स्वास्थ्य केन्द्रों की हालत ज्यादा खराब है। अलवर शहर का पहाड़गंज यूपीएचसी भी इसमें शामिल है।

कार्यालय नगर पालिका मण्डल फुलेरा, जिला-जयपुर

क्रमांक / न.पा.फु. / नि.शा / 2025–26 / 992 दिनांक : 31.07.2025

-: निविदा सूचना :-

नगर पालिका फुलेरा की और से नियमानुसार विभिन्न कार्य हेतू करवाये जाने हेतु निविदा आमंत्रित की गई है। उक्त निविदा सूचना से सम्बन्धित समस्त शर्ते एवं विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in/ पर NIB Code- DLB2526A4140 द्वारा देखी जा सकती है। तथा उक्त कार्यो के UBN Number – DLB2526WSOB13140, DLB2526WSOB13141 है।

राज.संवाद / सी / 25 / 7347 अधिशाषी अधिकारी

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIVISION DHOLPUR

File No. 1056-67 Date: 22.07.2025

Notice Inviting Bid

NOB CODE: PWD2526A2158 and UBN is: PWD2526WSOB07801
NOB CODE: PWD2526A2158 and UBN is: PWD2526WSOB07803

Bids For NIT No. 03/2025-26 Mise. Work of PWD Division Dholpur of subject matter(s) of Procurement are Invited from interested bidders date 24.07.2025 11.00 AM to Date 04.08.2025 upto 6.00 PM. Other particulars of the id may be visited on the procurement portel (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppps.raj.nic.in) of the state; and PWD departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 60.00 Lacs.

(Naresh Chand Meena)
Executive Engineer
DIPR/C/10609/2025 PWD Division Dholpur

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चँवली परियोजना नहर खण्ड, झालावाड़

क्रमांक-निविदा/2025-26/1372-85 दिनांक- 24.07.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 05/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न हस्ताक्षरकर्ता द्वारा नवीन पंजीकरण नियमों के अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से Tree Plantation in mission Hariyalo Rajasthan कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसकी अनुमानित कुल लागत राशि रू. 66.90 लाख है। निविदा निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से http://www.eproc.rajasthan.gov.in की वेबसाईट से डाउनलोड एवं अपलोड की जावेगी। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण विभाग की वेबसाईट http://www.waterresources.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर भी देखा जा सकता है। निविदा दिनांक 25.07.2025 प्रात 9.30 बजे से दिनांक 04.08.2025 सायं 06.00 बजे तक से http://www.eproc.rajasthan.gov.in से Upload की जा सकती है/देखी जा सकती है।

NIB CODE: WRD2526A0278, UBN is WRD: WRD2526WSOB00753

(वीरेन्द्र सिंह) अधिशाषी अभियन्ता
DIPR/C/10776/2025 चँवली परियोजना नहर खण्ड झालावाड

कार्यालय नगर पालिका, बालेसर सत्ता (जोधपुर) राज.

Municipal Board, Balesar Satta (Jodhpur) Rajasthan e-mail:- eombbalesar2022@gmail.com

क्रमांकः– न.पा.बाले.सत्ता / स्टोर / 2025–26 / 648 दिनांकः– 24.07.2025

ई–टेण्डरिंग निविदा सूचना (2025–26)

(NIB NO.- DLB2526A3901)

नगरपालिका बालेसर सत्ता की ओर से नगरपालिका बालेसर सत्ता एवं राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया अनुसार सफाई श्रमिक व स्वास्थ्य निरीक्षक आपूर्ति कार्य की ऑनलाईन निविदा आंमत्रित की जाती है। जिसकी अनुमानित लागत 24.90 लाख रू. की निविदा ऑनलाईन जारी की दिनांक एंव निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajashtan.gov.in एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।

प्रशासक अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका बालेसर सत्ता नगरपालिका बालेसर सत्ता
राज.संवाद / सी / 25 / 7328

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No. :- F-2(01)Acct/Contract/2025-26/111 - 113 Date : 30/07/2025

ई-निविदा सूचना संख्या : 29/2025-26

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई–टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :–

निविदा कार्यो की कुल लागत	रूपये 1552.17 लाख (02 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड / अपलोड करने की अवधि	01.08.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 28.08.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	01.08.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 28.08.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	29.08.2025 को प्रातः 11:00 बजे (तकनिकी बिड)

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No. : ITU2526WLOB00196, ITU2526WLOB00197

अधिशाषी अभियन्ता - प्रथम
राज.संवाद/सी/25/7342 उदयपुर विकास प्राधिकरण

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा अभि विभाग, खण्ड कोलायत

क्रमांक-1244 दिनांक-24.07.2025

Notice Inviting Bid: 16-26/2025-26

Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 05.08.2025 at 14.00 hours. Other particulars of bid may be visited on the procurement portal www.sppp.rajasthan.nic.in & "http://eproc.rajasthan.gov.in" of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 300.70 lacs and maximum value of single work in this procurement is 29.92 lac.

NIT NO.	16	17	18	19
UBN NO.	PHE2526WSOB 04930	PHE2526WSOB 04931	PHE2526WSOB 04933	PHE2526WSOB 04934
NIT NO.	20	21	22	23
	PHE2526WSOB 04935	PHE2526WSOB 04936	PHE2526WSOB 04937	PHE2526WSOB 04938
NIT NO.	24	25	26	
	PHE2526WSOB 04939	PHE2526WSOB 04940	PHE2526WSOB 04941	

जल सीमित है, इसकी बचत करें।

(धर्मेन्द्र कुमावत)
अधिशाषी अभियंता
DIPR/C/10553/2025 जन स्वा. अभि. विभाग, खण्ड कोलायत

राजस्थान सरकार

निदेशालय आयुर्वेद विभाग, राजस्थान, अजमेर

क्रमांक-प.2/आ.मि./कॉटन बैण्डेज उपा./2025-26/ दिनांक-21.07.2025

ई-बोली विज्ञप्ति वर्ष 2025-26

(विभागीय चिकित्सालय/औषधालयों हेतु कॉटन, बैण्डेज का क्रय)

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विभागीय चिकित्सालय/औषधालयों के उपयोगार्थ कॉटन, बेण्डेज की विभागीय रसायनशालों पर आपूर्ति हेतु राजस्थान में स्थित पंजीकृत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उधम विकास अधिनियम 2006 की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन अधिकृत ईकाइयों वाले इच्छुक बोलीदाताओं से क्रय की कुल अनुमानित राशि रू. 150.00 लाख रू. ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कॉटन, बेण्डेज के क्रय हेतु फॉर्म डाउनलोड प्रारंभ करने की दिनांक 21.07.2025 सायं 6.00 बजे से एवं स्वीकार करने की अंतिम तिथि 13.08.2025 प्रात 11.00 बजे रखी गई है।

बोली से सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in, https://dipr.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in एवं विभागीय वेबसाईट पर भी देखी जा सकती है।

Job wise Cotton, Bendez UBN NO.- AYU2526GLOB00261

DIPR/C/10607/2025 निदेशक

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जल संसाधन खण्ड द्वितीय, धौलपुर

E-mail:- ee2wrddlp@gmail.com, Add- Irrigation Colony G.T. Road Dholpur-328001

क्रमांक-/निविदा/2025-26/782 दिनांक-25.07.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 01/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न हस्ताक्षरकर्ता द्वारा नवीन पंजीकरण नियमों के अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से Mission Hariyalo rajasthan के अंतर्गत Plantation work हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसकी अनुमानित कुल लागत राशि रू. 64.12 लाख है। निविदा निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से http://www.eproc.rajasthan.gov.in की वेबसाईट से डाउनलोड एवं अपलोड की जावेगी। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण विभाग की वेबसाईट http://www.waterresources.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर भी देखा जा सकता है। निविदा दिनांक 26.07.2025 प्रात 9.30 बजे से दिनांक 05.08.2025 सायं 05.00 बजे तक से http://www.eproc.rajasthan.gov.in से Upload की जा सकती है/देखी जा सकती है।

NIB CODE : WRD2526A0290, UBN is WRD : WRD2526WSOB00773

(मनोज कुमार कुशवाह)
अधिशाषी अभियंता
DIPR/C/10869/2025 जल संसाधन खण्ड द्वितीय, धौलपुर

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण, राजस्थान

राजीव गांधी भवन, दशहरा मैदान, सी.ए.डी. सर्किल–कोटा
email :nnksouth@gmail.com, websites : www.urban,rajasthan.gov.in/nnks, Ph.: 0744-2502142

क्रमांक :–ननिको / दक्षिण / निर्माण / 2025 / 596–610 दिनांक :– 31.07.2025

ई–निविदा सूचना संख्या : 30/2025–26

नगर निगम कोटा (उत्तर / दक्षिण) द्वारा विभिन्न अभियान्त्रिकी विभागों "A" एवं "AA" श्रेणी एवं नगर निगम कोटा (उत्तर / दक्षिण) में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निम्नांकित कार्यो हेतु कुल राशि 43.58 लाख रूपये की ऑनलाईन निविदायें दिनांक 01.08.2025 से दिनांक 11.08.2025 तक आमन्त्रित की जाती हैं। टेन्डर बेचे जाने, प्राप्त करने की तिथि व निविदा की शर्तें इत्यादि नगर निगम की वेबसाईट www.urban.rajasthan.gov.in/nnks http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत (लाखों में)
1	नगर निगम कोटा दक्षिण के वार्ड नं. 08 बन्धा में पूर्व निर्मित सार्वजनिक सामुदायिक भवन का विस्तार कार्य।	10.00
2	न्यू मेडिकल कॉलेज परिसर में सार्वजनिक शौचालय निर्माण कार्य।	33.58

NIB Code No. DLB2526A4144
UBN No. DLB2526WSOB13147 UBN No. DLB2526WSOB13149

अधिशाषी अभियन्ता
राज.संवाद / सी / 25 / 7311 नगर निगम कोटा दक्षिण

आवासन मंत्रालय के सचिव ने वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट का निरीक्षण किया

सचिव श्रीनिवास ने लांगड़ियावास में स्थित प्लांट का दौरा किया

जयपुर। केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव कातिकिथाला श्रीनिवास ने शुक्रवार को जयपुर जिले के जमवारामगढ़ के ग्राम लांगड़ियावास में स्थित ठोस अपशिष्ट आधारित वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट का दौरा किया। यह प्लांट राजस्थान सरकार की स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के अंतर्गत एक प्रमुख पहल है, जिसे जिंदल अर्बन वेस्ट मैनेजमेंट (जयपुर) लिमिटेड द्वारा सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल में संचालित किया जा रहा है।

- **श्रीनिवास ने प्लांट प्रमुख से प्लांट की कार्य प्रणाली, उपयोग लाई जा रही तकनीकों, अपशिष्ट से ऊर्जा निर्माण प्रक्रिया,पर्यावरणीय लाभों पर विस्तृत जानकारी ली**

सचिव कातिकिथाला श्रीनिवास (बीच में) ने जयपुर जिले के जमवारामगढ़ के ग्राम लांगड़ियावास में स्थित ठोस अपशिष्ट आधारित वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट का दौरा किया।

स्वच्छ भारत मिशन शहरी के निदेशक जुइकर प्रतीक चंद्रशेखर एवं आयुक्त, नगर निगम जयपुर (हेरिटेज) डॉ. निधि पटेल ने श्रीनिवास को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से चलाए जा रहे कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर स्वायत्त शासन विभाग व निगम के वरिष्ठ अधिकारी एवं अभियंता भी उपस्थित रहे।

श्रीनिवास ने प्लांट प्रमुख से प्लांट की कार्यप्रणाली, उपयोग लाई जा रही नवीनतम तकनीकों, अपशिष्ट से ऊर्जा निर्माण प्रक्रिया एवं पर्यावरणीय लाभों पर विस्तृत जानकारी ली। इसके पश्चात उन्होंने संपूर्ण प्लांट का भ्रमण कर इसकी कार्यप्रणाली का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।

इस अवसर पर श्रीनिवास ने स्वायत्त शासन विभाग, नगर निगम, जयपुर एवं जिंदल समूह के संयुक्त प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह प्लांट इस बात का उत्कृष्ट उदाहरण है कि किस प्रकार सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र मिलकर शहरी चुनौतियों का सतत् समाधान प्रस्तुत कर सकते हैं।

यह संयंत्र न केवल ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में सहायक है बल्कि नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन एवं स्वच्छ पर्यावरण सुनिश्चित करने की दिशा में भी एक अहम योगदान दे रहा है।

फरवरी, 2025 से संचालित इस प्लांट में प्रतिदिन 1000 मीट्रिक टन ठोस कचरे का प्रसंस्करण कर प्रतिदिन 12 मेगावाट-घंटा का विद्युत उत्पादन किया जाता है जिस से लगभग 2.5 करोड़ रूपए की आय नगर निगम को होती है ।

एसआई भर्ती रद्द की मांग को लेकर चल रहे धरने के 100 दिन पूरे

जयपुर । राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सुप्रीमों व नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने जयपुर स्थित शहीद स्मारक पर चल रहे धरने को लेकर कहा कि आज धरने को 100 दिन पूरे हो गए,मगर सरकार अपने दायित्व के प्रति संवेदनशील नहीं है,उन्होंने कहा पुलिस उप निरीक्षक भर्ती को रद्द करवाने तथा राजस्थान लोक सेवा आयोग के पुनर्गठन की मांग को लेकर उन्होंने बड़ी रैली की व लोक सभा में भी मामला उठाया।

उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक रूप से आज 100 दिन आंदोलन के पूरे होने पर धरने पर बैठे युवाओं तथा राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के पदाधिकारियों ने भारत के तिरंगे के प्रतीक कलर के गुब्बारे लगाकर सरकार को संदेश दिया कि हम संविधान की भावना का सम्मान करते हुए अपना आंदोलन कर रहे है ।

दिन भर रुक रुक कर छितराई हुई बारिश का दौर चला। अजमेर रोड पर आई तेज बारिश के बाद लगा लंबा जाम।

प्रधानमंत्री किसानों को जारी करेंगे पीएम-किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को वाराणसी (उत्तरप्रदेश) से देशभर के किसानों को पीएम-किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त जारी करेंगे। मोदी 9.7 करोड़ से अधिक किसानों को 20 हजार 500 करोड़ रुपये से अधिक की राशि डीबीटी के माध्यम से जारी करेंगे। इस आयोजन से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बांसवाड़ा में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय किसान सम्मान समारोह के जरिए जुड़ेंगे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में किसान भी उपस्थित रहेंगे। शर्मा राज्य स्तरीय समारोह में कृषि विभाग की पॉलीहाउस, सौर ऊर्जा पंप संयंत्र, गोवर्धन जैविक उर्वरक योजना, तारबंदी और प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के तहत लाभार्थी किसानों को अनुदान राशि के प्रतीकात्मक चेक वितरण करेंगे।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति में बांसवाड़ा में आयोजित होगा राज्य स्तरीय किसान सम्मान समारोह**
- **किसानों को सम्मान और सुरक्षा देने के लिए पीएम-किसान जैसी योजना एक मील का पत्थर है : सांसद मदन राठौड़**

पीएम किसान सम्मान निधि योजना को लेकर राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने पात्र परिवार और लाभार्थियों से संबंधित प्रश्न लगाया था, जिसके जवाब में कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भूमिधारक किसानों की वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए फरवरी 2019 में पीएम किसान सम्मान निधि योजना को शुरू किया था। योजना के तहत अब तक 19 किश्तों में 3.69 लाख करोड़ से अधिक की धनराशि वितरित की है। पहली किश्त में जहां देशभर के 3 करोड़ 16 लाख 21 हजार से अधिक लाभार्थियों के खाते में 6324 करोड़ रुपए हस्तांतरित किए गए थे, वहीं 19वीं किश्त के रूप में 10 करोड़ 6 लाख 85 हजार से अधिक लाभार्थियों के खाते में 23500 करोड़ रुपए हस्तांतरित किए।

राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रयास है कि कोई भी पात्र किसान इस योजना से वंचित न रहे, इसके लिए राज्य सरकारों के साथ मिलकर सैचुरेशन ड्राइव चलाया जा रहा है। 2023 में जहां भारत संकल्प यात्रा के दौरान 1 करोड़ से अधिक किसानों को पीएम किसान योजना में शामिल किया गया था, इसके बाद नई सरकार की 100 दिनों की पहल के तहत लगभग 25 लाख और पात्र किसान परिवारों को इसमें जोड़ा गया। इसके बाद सितंबर 2024 से विशेष अभियान चलाकर फिर से वंचित पात्र परिवारों को योजनों में शामिल करने का प्रयास किया गया।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

जयपुर। ट्रेन की चपेट में ओन एक युवक की मौत हो गई। रेलवे ट्रैक पर युवक का शव मिलने पर जीआरपी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया और मोर्चरी में रखवाया। पुलिस जांच में सामने आया कि ट्रेन की टक्कर से युवक उछलकर दूर जाकर गिरा। जिससे चेहरा बिगड़ने के चलते उसकी पहचान नहीं हो सकी। पुलिस मृतक की पहचान के प्रयास कर रही है। पुलिस ने बताया कि धानक्या रेलवे स्टेशन के पास स्थित रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। ड्यूटी स्टेशन मास्टर ने लाश मिलने की सूचना जीआरपी थाना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने सबूत जुटाए। पुलिस मृतक की पहचान के प्रयास किए, लेकिन शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी भिजवाया। पुलिस प्रथम दृष्टया जांच में सामने आया कि ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत हुई है।

जन जागरूकता अभियान में यातायात नियमों की जानकारी दी

जयपुर। राजधानी जयपुर में पुलिस उपायुक्त यातायात सुमित मेहरडा के निर्देशन में यातायात पुलिस जयपुर की ओर से यातायात नियमों का प्रचार-प्रसार करने के लिए सड़क सुरक्षा से संबंधित कार्यक्रम आयोजित कर हर वर्ग तक यातायात जन जागरूकता लाने का प्रयास किया जा रहा है।

- **पुलिस निरीक्षक प्रवीण कुमार एवं उनकी टीम ने विद्यार्थियों एवं बाल वाहिनी वाहन चालकों को यातायात संकेतकों से अवगत कराया**

इस कड़ी में शुक्रवार को यातायात शिक्षा टीम द्वारा केपीएस उड़ान स्कूल विद्याधर नगर एवं टीवीबी गर्ल्स पब्लिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल अम्बाबाड़ी पर यातायात जन जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें यातायात शिक्षा टीम के पुलिस निरीक्षक प्रवीण कुमार एवं उनकी टीम ने विद्यार्थियों एवं बाल वाहिनी वाहन चालकों को यातायात संकेतकों से अवगत कराया और यातायात नियमों जैसे वाहन चलाते समय सीट बेल्ट एवं हैलमेट का उपयोग करने, तेज गति से वाहन नहीं चलाने, वाहन को निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही खड़ा करने, अनावश्यक हॉर्न का उपयोग नहीं करने, नशें में वाहन नही चलाने आदि के बारे में समझाईश की गई सड़क दुर्घटना के समय अच्छा मददगार बनने तथा मुख्यमंत्री आयुष्मान जीवन रक्षा योजना के बारे में अवगत कराया गया। स्कूलों में ट्रैफिक क्लब बनाकर विद्यार्थियों को ट्रैफिक वालंटियर की तरह भी यातायात का व्यावहारिक प्रशिक्षण की कार्यप्रणाली की समझ के लिए ट्रैफिक पॉइंट पर यातायात पुलिसकर्मियों के साथ कुछ समय के लिए नियोजन के लिए प्रेरित किया गया।

डॉक्टर से चालीस लाख रुपये की रंगदारी मांगी

जयपुर। करणी विहार थाना इलाके में एक डॉक्टर से चालीस लाख रुपये की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। घर के मेन गेट पर धमकी भरा लेटर एक लिफाफे में रखकर फेंका गया। लेटर में लिखा कि ज्यादा होशियारी दिखाई तो अच्छा नहीं होगा। इस संबंध में पीड़ित डॉक्टर ने थाने में मामला दर्ज करवाया। वहीं पुलिस टीम की ओर से मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है।

- **अंधेरे का फायदा उठाकर अज्ञात बदमाश उसके घर के बाहर आए और घर के मेन गेट के ऊपर से एक लिफाफे में धमकी भरा लेटर फेंक कर चले गए**
- **लेटर में लिखा कि ज्यादा होशियारी दिखाई तो अच्छा नहीं होगा**

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि करणी विहार के रहने वाले एक डॉक्टर ने मामला दर्ज करवाया है कि वह चित्रकूट इलाके में प्राइवेट क्लिनिक चलाते हैं। गत दो दिन पहले रात में अंधेरे का फायदा उठाकर अज्ञात बदमाश उसके घर के बाहर आए और घर के मेन गेट के ऊपर से एक लिफाफे में धमकी भरा लेटर फेंक कर चले गए। अगले दिन अपनी बेटी को स्कूल छोड़ने के लिए घर से निकल रहे थे। मेन गेट के पास उनको लिफाफा पड़ा दिखाई दिया। लिफाफा खोलकर देखने पर उसमें धमकी भरा लेटर मिला। धमकी भरा लेटर इंग्लिश में लिखा हुआ था कि ज्यादा होशियारी दिखाई तो अच्छा नहीं होगा। चुपचाप चालीस लाख रुपए दे देना। लेटर के जरिए धमकी देकर चालीस लाख रुपए की रंगदारी मांगी गई थी। पीड़ित डॉक्टर की ओर से धमकी भरा लेटर मिलने के बारे में पुलिस को सूचना दी। पुलिस की ओर से मामले को गंभीरता से लेकर जांच की जा रही है। पुलिस टीमों की ओर से पीड़ित डॉक्टर के घर के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगालने में जुटी है।

अनुसूचित जाति के प्रबुद्धजनों के साथ सामाजिक न्याय मंत्री ने बैठक ली

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री 3अविनाश गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार अनुसूचित जाति के उत्थान के लिए कृत-संकल्पित है। सरकार की मंशा है कि सामाजिक न्याय की सभी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों को मिल सके।

- **'अनुसूचित जाति के उत्थान के लिए राज्य सरकार कृत-संकल्पित'**
- **गहलोत बुधवार को अनुसूचित जाति के प्रबुद्ध नागरिकों-प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर अनुसूचित जाति कल्याण से सम्बन्धित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की**

गहलोत बुधवार को अनुसूचित जाति के प्रबुद्ध नागरिकों-प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर अनुसूचित जाति कल्याण से सम्बन्धित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रभावी नेतृत्व में समाज के अनुसूचित जाति वर्ग के कल्याण के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। अनुसूचित जाति वर्ग का उत्थान राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यालय अम्बेडकर भवन के सभागार में हुई बैठक में अनुसूचित जाति वर्ग के विकास की संकल्पना दशा और दिशा पर विस्तार से मंथन हुआ। बैठक में छात्रवृत्ति प्रक्रिया में सुधार, आक्षेपों का तुरंत निस्तारण, छात्रवृत्ति के लिए तय आय सीमा को बढ़ाने, छात्रवृत्ति राशि बढ़ाने, छात्रावासों के आधुनिकीकरण, अंबेडकर भवनों में पुस्तकालय खोलने, पंचतीर्थ योजना में खासकर युवाओं को शामिल करने, छात्रावासों में भोजन व्यवस्था बेहतर करने, छात्रावासों की मॉनिटरिंग करने, नए छात्रावास खोलने सहित अन्य विषय संस्थाओं द्वारा उठाए गए।

निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव आशीष मोदी ने कहा कि विभाग द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग को सभी योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। समाज के प्रबुद्धजनों से प्राप्त सुझावों पर अमल कर योजनाओं में आवश्यक सुधार किए जाएंगे।

इससे पहले प्रबुद्धजनों ने सामाजिक न्याय मंत्री का साफा पहनाकर स्वागत भी किया। बैठक में निजी सचिव रोहित पटेल, अतिरिक्त निदेशक सुंडाराम मीना, अशोक जांगिड़ सहित अंबेडकर मेमोरियल सोसाइटी के अध्यक्ष जसवंत संपतराम, राष्ट्रीय मेघवाल समाज संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बीएल भाटी, एससी-एसटी आरक्षण मंच के प्रदेश मंत्री प्रकाश कुमार मेघवाल, अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसाइटी के सलाहकार डॉ एस के मोहनपुरिया सहित अखिल भारतीय खटीक समाज, अंबेडकर शिक्षा साहित्य, राष्ट्रीय शिक्षक संघ अंबेडकर, संपूर्ण भारतीय बैरवा विकास संस्था, अनुसूचित जाति-जनजाति कल्याण समिति, डॉक्टर अंबेडकर अनुसूचित जाति अधिकारी कर्मचारी शिक्षक संघ के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

मरीज को जयपुर लेकर आ रही एंबुलेंस ट्रक में घुसी

जयपुर। कानोता थाना इलाके के जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे-21 पर सांप डसने वाले मरीज को जयपुर लेकर जा रही एंबुलेंस ट्रक में घुस गई। इस हादसे में मरीज और उसकी मां

- **हादसे में मरीज और उसकी मां की मौत हो गई, अन्य दो लोग घायल हैं**

की मौत हो गई। वहीं अन्य दो लोग घायल हैं। जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पुलिस के अनुसार दौसा जिले के मेहंदीपुर बालाजी थाना इलाके के गुर्जर सीमला गांव के दशरथ योगी (21) को गुरुवार देर रात घर में सोते समय सांप ने काट लिया था। मां मुथरी देवी (48) और दो रिश्तेदार मरीज को सीमला से दौसा जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद शुक्रवार सुबह दशरथ को जयपुर एसएमएस अस्पताल लिए रेफर किया गया। जहां एंबुलेंस में उनके साथ दो रिश्तेदार और थे। इस हादसे में एंबुलेंस बुरी तरह क्षितगस्त हो गई। इस हादसे में मरीज दशरथ काफी देर तक तड़पने बाद दम तोड दिया ।

सार-समाचार

अरशद हुसैन बने इवेंट मैनेजर्स डे के ग्लोबल कन्वीनर

जयपुर। जयपुर के लिए यह गर्व का अवसर है, जब इवेंट गुरु के नाम से इवेंट इंडस्ट्री में प्रसिद्ध इवेंट प्रोफेशनल, अरशद हुसैन को एक बार फिर इवेंट मैनेजर्स डे के ग्लोबल कन्वीनर के रूप में अगले 2 साल के लिए निर्विरोध चुना गया। यह उपलब्धि और भी खास इसलिए है क्योंकि यह पहली बार है जब किसी भारतीय को लगातार दो कार्यकाल के लिए यह वैश्विक जिम्मेदारी सौंपी गई है और वह भी गुलाबी नगर जयपुर से। हुसैन ने जब नेतृत्व संभाला था तब इवेंट मैनेजर्स डे का आयोजन सिर्फ 32 देशों तक सीमित था और अब इसका दायरा बढ़कर करीब 70 देशों तक पहुंच चुका है। इस तरह जयपुर से जुड़े एक प्रोफेशनल का नाम आज वैश्विक मंच पर पूरे सम्मान के साथ लिया जा रहा है। इस अंतरराष्ट्रीय कमेटी में 11 देशों के सदस्य शामिल हैं, जिन्होंने सर्वसम्मति से अरशद को पुन: कन्वीनर चुना। इवेंट इंडस्ट्री से जुड़े लोगों ने इस निर्णय को न सिर्फ उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि माना, बल्कि इसे राजस्थान की इवेंट मैनेजमेंट क्षमताओं की वैश्विक पहचान के रूप में देखा जा रहा है। यह इवेंट इंडस्ट्री के लिए एक प्रेरणादायक पल है, जो आने वाली युवा पीढ़ी को भी इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर आगे बढ़ने का हौसला देगा।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की बैठक आज

जयपुर। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती की अध्यक्षता में शनिवार को प्रात: 11 बजे भाजपा प्रदेश कार्यालय, जयपुर में प्रदेश स्तरीय "डॉ. कलाम स्टार्टअप यूथ अवॉर्ड 2.0" प्रदेश बैठक आयोजित की जायेगी, जिसमें मोर्चा के राष्ट्रीय पदाधिकारी, प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, स्थाई आमंत्रित सदस्य, जिलाध्यक्ष एवं जिला महामंत्री उपस्थित रहेंगे बैठक में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ एवं भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी सम्बोधित करेंगे।

राजस्थान को "जैविक खेती राज्य" घोषित करने की मांग

जयपुर। राजस्थान को "जैविक खेती राज्य" घोषित करने की मांग को लेकर एक छात्र द्वारा शुरू किया गया प्रयास अब एक राष्ट्रीय आंदोलन बन चुका है। वर्ष 2022 में जयपुर के 13 वर्षीय छात्र श्रेष्ठ मंगल ने भारत के तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को एक ज्ञापन सौंपा था, जिसमें आग्रह किया गया था कि राजस्थान को जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए आधिकारिक रूप से "जैविक खेती राज्य" का दर्जा दिया जाए। यह पहल भारतीय जैविक किसान उत्पादक संघ के सहयोग से शुरू की गई थी और शुरुआती चरण में इसे 1,000 छात्रों का समर्थन मिला था। लेकिन पिछले तीन वर्षों में यह मुहिम राष्ट्रीय स्तर पर फैल चुकी है और आज 2025 तक, इस ज्ञापन को देशभर से 1,05,107 छात्रों का समर्थन मिल चुका है, जो इस अभियान की गहराई और प्रभाव को दर्शाता है। श्रेष्ठ मंगल ने न केवल राजस्थान के लिए जैविक खेती की मांग की, बल्कि यह भी प्रस्ताव रखा कि कृषि को एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) के अंतर्गत लाकर उसे उद्योग का दर्जा दिया जाए। इसके अतिरिक्त, उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह एक विशेष केंद्रीय बजट और स्पष्ट रोडमैप तैयार करे, जिससे 2030 तक राजस्थान को एक मॉडल जैविक राज्य बनाया जा सके।

संसदीय कार्य मंत्री ने राजकीय महाविद्यालय झंवर के निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण किया

जोधपुर / जयपुर । संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने शुक्रवार को जोधपुर जिले के झंवर में राजकीय महाविद्यालय के निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। दूरस्थ क्षेत्रों में महाविद्यालय से बेटियों के लिए उच्च शिक्षा के खुलेंगे द्वार संसदीय कार्य मंत्री ने कहा यशस्वी मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने बजट में प्रदेशवासियों को जो ऐतिहासिक सौगातें दी है उनकी समयबद्ध धरातल पर क्रियान्विति सुनिश्चित हो रही है।

- **बजट घोषणाओं की समयबद्ध धरातल पर हो रही क्रियान्विति - संसदीय कार्य मंत्री**
- **गत सत्र में ही महाविद्यालय शुरू हो गया और भवन निर्माण कार्य 4.5 करोड़ रुपये की लागत से हो रहा है**

जोगाराम पटेल (बीच में) ने शुक्रवार को झंवर में राजकीय महाविद्यालय के निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

उन्होंने कहा दूरस्थ क्षेत्रों में महाविद्यालय खुलने से प्रदेश भर की बेटियों के लिए उच्च शिक्षा के द्वार खुलेंगे। पटेल ने कहा गत बजट में झंवर में महाविद्यालय की घोषणा हुई थी, गत सत्र में ही महाविद्यालय शुरू हो गया और भवन निर्माण कार्य 4.5 करोड़ रुपये की लागत से हो रहा है। उन्होंने कहा इस बजट में केरू में भी नवीन महाविद्यालय की सौगात मिली है।

बेहतर गुणवत्ता के साथ तय समयावधि में कार्य पूर्ण करें:-पटेल ने राजस्थान शहरी पेयजल सीवरेज एवं अवसंरचना निगम लिमिटेड (रुडसिको) के सहायक अभियंता राजेश व्यास को आवश्यक निर्देश देते हुए कहा भवन निर्माण कार्य को बेहतर गुणवत्ता के साथ तय समयावधि पूर्ण करें।

युवाओं को प्रोत्साहित करने का माध्यम है युवा संसद : देवनानी

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर विधान सभा के सदन में तेरह राज्यों के 168 युवा देश की सुरक्षा से संबंधित अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों पर संवाद करेंगे। विधान सभा में शनिवार को प्रात: 10 बजे इस एक दिवसीय युवा संसद का राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष देवनानी शुभारम्भ करेंगे। समारोह में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और संघ के सचिव संदीप शर्मा भी मौजूद रहेंगे। राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा द्वारा आयोजित इस युवा संसद का राजस्थान विधान सभा के यू-ट्यूब चैनल पर सजीव प्रसारण किया जायेगा।

- **विधानसभा में युवा संसद, राजस्थान विधान सभा में तेरह राज्यों के 168 युवा जुटेंगे**
- **समारोह में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और संघ के सचिव संदीप शर्मा भी मौजूद रहेंगे**
- **विधान सभा सदन में 56 युवा निर्धारित समय में अपनी बात रखेंगे**

देवनानी ने बताया कि देश के दस राज्यों राजस्थान, पश्चिम बंगाल, उत्तराखण्ड, हरियाणा, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, गोवा, कर्नाटक, गुजरात और तीन केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर, चंडीगढ़ व नई दिल्ली के 55 विद्यालयों के कक्षा 9वीं से लेकर 12वीं तक के चयनित 168 युवा छात्र-छात्राएं आतंकवाद और पाक अधिकृत कश्मीर को खाली करवाने के प्रयासों पर संवाद कर अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों के हल का मार्ग खोजने का प्रयास करेंगे।

विधान सभा सदन में 56 युवा निर्धारित समय में अपनी बात रखेंगे। देवनानी ने बताया कि युवा संसद एक ऐसा मंच है जो छात्रों को संसदीय प्रक्रिया और लोकतंत्र में सक्रिय भागीदारी के बारे में सिखाने के लिए आयोजित किया जाता है। यह छात्रों को राष्ट्रीय और स्थानीय मुद्दों पर बहस करने, अपने विचार व्यक्त करने और निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल होने का अवसर प्रदान करता है।

सार-समाचार

कथित बाबाओं ने दो युवकों को ठगा

जोधपुर, (कासं)। शहर के पावटा क्षेत्र में गुरूवार की दोपहर में दो कथित बाबाओं ने युवकों को अपनी ठगी का शिकार बनाते हुए उनकी सोने की अंगूठी, फोन और 25 सौ रूपए ऐंठ कर चले गए। जाते हुए अपने फोन नंबर भी देकर गए। ठगी का अहसास होने के बाद पीड़ित महामंदिर थाने पहुंचा और केस दर्ज करवाया। बताया गया कि ठग बाबा एक कार में सवार होकर आए थे। पुलिस अब मामले में जांच कर रही है। महामंदिर पुलिस ने बताया कि लोहार कॉलोनी पावटा निवासी विष्णु पुत्र मंगलाराम की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि वह गुरूवार की दोपहर में पावटा क्षेत्र में एक पान की दुकान पर बैठा था। उसके साथ में उसका दोस्त भी बैठा हुआ था। तब एक अल्टो कार में दो बाबा सवार होकर आए और उन्हें अपनी बातों में उलझाया। तब एक बाबा ने उसके दोस्त के पहनी चेन का उतरवा कर सात बार सिर से निकाला और बाद में एक रूद्राक्ष उसे दिया गया। फिर बातों में उलझाते गए। रिपोर्ट के अनुसार विष्णु और उसका दोस्त बाबाओं की बातों में इतना फंस गए कि पता ही नहीं चला। बाबाओं ने उनसे सोने की अंगूठी उतरवाने के साथ मोबाइल और 25 सौ रूपए भी धरवा लिए। बाद में कार में सवार होकर निकल गए। जाते हुए बाबाओं ने उन्हें एक मोबाइल नंबर भी दिया। खुद लुटापिटा महसूस होने पर विष्णु महामंदिर थाने पहुंचा। पुलिस ने कथित बाबाओं के खिलाफ केस दर्ज कर अब जांच आरंभ की है। कार भी पता लगाया जा रहा है।

बीएलओ व पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण संपन्न

जालोर, (कासं)। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2025 कार्यक्रम के तहत मतदाता सूचियों को त्रुटिरहित और अद्यतन करने के उद्देश्य से जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) और पर्यवेक्षकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में भारत निर्वाचन विभाग के निर्देशानुसार प्रशिक्षकों द्वारा वोटर लिस्ट को शुद्ध और अद्यतन बनाने के उद्देश्य से बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) व पर्यवेक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। प्रशिक्षण में निर्वाचन आयोग द्वारा जारी नवीनतम दिशा-निर्देशों, मतदाता सूची में संशोधन की प्रक्रिया, और घर-घर सर्वेक्षण के तकनीकी पहलुओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। नाम जोड़ने के लिए फॉर्म 6, नाम हटाने के लिए फॉर्म 7, विवरणों में सुधार के लिए फॉर्म 8, और मतदाता पहचान पत्र को आधार से जोड़ने के लिए फॉर्म 6बी के सही उपयोग का प्रशिक्षण भी दिया गया। इस दौरान बीएलओ को गरुडा एप, बीएलओ रजिस्टर, और दैनिक प्रगति रिपोर्ट के ऑनलाइन संधारण की प्रक्रिया का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। सर्वेक्षण कार्य पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ पूरा करने का प्रशिक्षण दिया गया।

शेखावत पीएम किसान इवेंट में भाग लेंगे

जोधपुर, (कासं)। केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत शनिवार, 2 अगस्त को एक दिवसीय दौरे पर जोधपुर आएंगे। वे यहां विभिन्न सरकारी एवं सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेंगे। केंद्रीय मंत्री शेखावत प्रातः 7.30 बजे जोधपुर रेल द्वारा जोधपुर पहुंचे। रेलवे स्टेशन से 7.40 बजे अजीत कॉलोनी के लिए प्रस्थान करेंगे। इसके पश्चात वे प्रातः 10 बजे कृषि विज्ञान केन्द्र, काजरी जोधपुर में आयोजित पीएम किसान इवेंट में भाग लेंगे। कार्यक्रम उपरांत, वे दोपहर 12.50 बजे प्रतापनगर स्थित श्री महालक्ष्मी गर्ल्स स्कूल में एक स्थानीय कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। निर्धारित कार्यक्रम अनुसार वे रात्रि 8 बजे अजीत कॉलोनी अपने घर पहुंचेंगे तथा रात्रि 8.30 बजे जोधपुर रेलवे स्टेशन से दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

प्रवेश प्रक्रिया जारी, सीटों में बढ़ोतरी

जालोर, (कासं)। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय अंग्रेजी माध्यम शिवाजी नगर जालोर में शिक्षा विभाग के नवीनतम निर्देशानुसार प्रवेश प्रक्रिया जारी है। प्रधानाचार्य मनीष कुमार ने बताया कि नवीनतम प्रवेश निर्देशानुसार विद्यालय में संचालित प्री प्राइमरी कक्षाओं नर्सरी, एलकेजी, एचकेजी में निर्धारित प्रवेश संख्या से 50 प्रतिशत अधिक प्रवेश के लिए अनुमति प्रदान की गई है। प्री प्राइमरी कक्षाओं के अतिरिक्त कक्षा एक से 12 तक अन्य कक्षाओं में भी रिक्त एवं अतिरिक्त सीटों पर भी प्रवेश जारी हैं। कक्षा 11 एवं 12 में विज्ञान एवं कला संकाय संचालित किये जा रहे हैं। प्रवेश के लिए ऑनलाइन एवं ऑफलाइन आवेदन किये जा सकते है। ऑफलाइन आवेदन के लिए विद्यालय में व्यक्तिगत संपर्क कर प्रवेश ले सकते हैं।

सायला से पैदल जत्था रामदेवरा रवाना

सायला, (निसं)। सायला से शुक्रवार सवेरे लोक देवता बाबा रामदेव के दर्शनार्थ श्री कात्यायनी माता नवयुवक मंडल के तत्वावधान में श्रद्धालुओं का पैदल जत्था रामदेवरा के लिए रवाना हुआ। पैदल जत्था पुराना बस स्टैंड स्थित श्री रिद्धि सिद्धि गणपति मंदिर में दर्शन कर पैदल यात्रा की कामना कर बाबा के जयकारों व ढोल-ढमाकों के साथ रवाना हुआ। ग्रामीणों ने जत्थे में शामिल पैदल जातरुओ को शुभकामनाएं देकर रवाना किया। महेन्द्रसिंह चंपावत, उमाराम चौधरी, हीराभारती, मुकेश वैष्णव, ललित माली, चंपालाल जोशी, सुमेरसिंह चौहान, किशनसिंह, मीठालाल, लक्ष्मणसिंह, राजु आचार्य, नरपत आचार्य, धीरज छीपा, कमलेश, कपिल त्रिवेदी, उत्तम लोहार, कार्तिक, अंबालाल, मुकेश आदि मौजूद थे।

शिक्षक संघ राष्ट्रीय की बैठक आयोजित

जालोर, (कासं)। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय जिला जालोर की बैठक 3 अगस्त को आपेश्वर महादेव जी मंदिर परिसर रामसीन में दोपहर 12 बजे जिलाध्यक्ष हीरसिंह राठौड की अध्यक्षता में रखी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला मंत्री कपूर सिंह राजपुरोहित ने बताया कि बैठक में उपशाखा चुनाव के लिए तिथि निर्धारण, 17 अगस्त को जोधपुर में आयोजित होने वाले जयदेव पाठक के जयंती समापन समारोह की रूपरेखा बनाने, आगामी सितंबर माह में होने वाले जिला सम्मेलन एवं शिक्षक समस्याओं के समाधान पर चर्चा की जाएगी। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी दीप सिंह देवल, जिले के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, जिला कार्यकारिणी सदस्य,सभी उपशाखा अध्यक्ष, मंत्री(महिला एवं पुरुष)एवं कोषाध्यक्ष अपेक्षित रहेंगे।

महिला वरिष्ठ प्रबोधक को धमकी दी

रेवदर, (निसं)। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय देवका (जीरावल) में कार्यरत महिला प्रबोधक ने विद्यालय के दो शिक्षक संजय सिंह एवं योगराज गुर्जर पर गंभीर आरोप लगाए। मामले को लेकर महिला ने पुलिस थाना रेवदर में दर्ज करवाई लिखित शिकायत में बताया कि दोनों शिक्षक लगातार महिला को परेशान कर रहे हैं। साथ ही कई बार जान से मारने की धमकियां दे चुके हैं। 30 जुलाई को भी संजय सिंह द्वारा विद्यालय में सार्वजनिक रूप से महिला व उनके बच्चों को जान से मारने की धमकी देने का शिकायत में जिक्र किया। महिला प्रबोधक ने शिकायत में लिखा दोनों अध्यापकों के कारण विद्यालय में माहौल बिगड़ चुका है।

परिवहन विभाग की सेवाएं ऑनलाइन

जालोर, (कासं)। परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग की ओर से नागरिकों के समय की बचत व सुविधा के लिए लाईसेंस एवं वाहनों से संबंधित अधिकांश सेवाएं ऑनलाइन माध्यम से उपलब्ध करवाई जा रही हैं। जिला परिवहन अधिकारी जालोर ओमप्रकाश चौधरी ने बताया कि विभाग द्वारा सभी प्रकार की फीस, कर एवं शुल्क ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से जमा करना अनिवार्य किया गया है। उन्होंने आमजन को सूचित किया है कि विभाग द्वारा उपलब्ध करवाई जा रही सेवाओं का अधिक से अधिक ऑनलाइन उपभोग करें। ऑनलाइन प्रक्रिया की जानकारी के लिए लाईसेंसधारक एवं वाहन स्वामी कार्यालय में उपस्थित होकर संबंधित अनुभाग में सम्पर्क कर मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं।

स्वाधीनता दिवस के लिए बैठक 4 को

जालोर, (कासं)। स्वाधीनता दिवस, 15 अगस्त समारोह मनाने के लिए कार्यक्रम एवं आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए जिला कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे की अध्यक्षता में 4 अगस्तको प्रातः 10.30 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की जाएगी। यह जानकारी अतिरिक्त जिला कलक्टर राजेश मेवाड़ा ने दी।

आसाराम की सुनवाई टली

जोधपुर, (कासं)। गुजरात और राजस्थान में रेप मामलों में आजीवन कारावास की सजा काट रहे 86 साल के आसाराम बापू की तरफ से सजा स्थगन को लेकर पेश राजस्थान हाईकोर्ट में लंबित याचिका पर एक बार फिर सुनवाई टल गई। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने 30 जुलाई को गुजरात मामले में आसाराम बापू की अंतरिम जमानत बढ़ाने की याचिका पर सुनवाई से मना कर दिया।

सरकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करें : डॉ. गावंडे

जालोर, (कासं)। जिला कलैक्टर डॉ प्रदीप के. गावंडे की अध्यक्षता में शुक्रवार को राजेन्द्र नगर स्थित जालोर क्लब में संपूर्णता अभियान, गुरु गोलवलकर आकांक्षी ब्लॉक विकास योजना के अंतर्गत आकांक्षी ब्लॉक आहोर द्वारा उल्लेखनीय प्रदर्शन करने के अवसर पर जिला स्तरीय सम्मान समारोह सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कलैक्टर डॉ प्रदीप के. गावंडे ने कहा कि नीति आयोग, भारत सरकार के निर्देशन में जिले के आकांक्षी ब्लॉक आहोर में संपूर्णता अभियान सफलतापूर्वक संचालित हुआ। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत नागरिकों हेतु पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा, जल, स्वच्छता और आजीविका से संबंधित कार्यों का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन सुनिश्चित किया गया। जिला कलैक्टर ने कार्यक्रम में उपस्थित समस्त अधिकारियों एवं कार्मिकों को केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से पात्र नागरिकों को लाभान्वित करने तथा इन योजनाओं का शत-प्रतिशत सैचुरेशन प्राप्त करने की बात कही।

इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नंदकिशोर राजोरा ने कहा की संपूर्णता अभियान के तहत समस्त विभागीय अधिकारी कार्मिक संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए जन कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से आमजन को लाभान्वित करें तथा राज्य स्तर पर जिले का नाम रोशन करें। मुख्य आयोजना अधिकारी महेश चावला ने बताया की संपूर्णता अभियान, गुरु गोलवलकर आकांक्षा ब्लॉक विकास योजना के तहत आकांक्षी ब्लॉक आहोर ने ''कृषि एवं संबद्ध सेवाएं'' थीम के तहत मृदा स्वास्थ्य कार्ड सृजन संकेतक में शत-प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त किया हैं।

फलस्वरुप किसानों को खेतों की मिट्टी की उर्वरता, पोषक तत्व की स्थिति और संतुलित उर्वरक उपयोग की जानकारी मिली।

कार्यक्रम में संपूर्णता अभियान के तहत उल्लेखनीय कार्य करने वाले कृषक मित्र खीमाराम मेघवाल, बाबूलाल मीणा, राजाराम चौधरी, प्रगतिशील कृषक धन्नाराम, मानवेंद्र सिंह, शांतिलाल सुथार, मंगलाराम, कृषि अनुसंधान अधिकारी भरतभाई चौधरी, सहायक कृषि अधिकारी गजेंद्र गोयल, प्रयोगशाला सहायक आकाश मीणा, वरिष्ठ कृषि पर्यवेक्षक दानाराम गर्ग, रघुनाथ सिंह धायल, कृषि पर्यवेक्षक मोहनलाल यादव, इंदर सिंह, मुकेश कुमार रूंडला, दीपक कुमार खरबास, महेंद्र सिंह यादव, श्याम सिंह, विक्रम कुमार गर्ग, विजयपाल सिंह चौहान, प्रवीण कुमार, पूजा कुमावत को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन वरिष्ठ अध्यापिका निशा एम. ने किया।

इस अवसर पर जालोर विकास अधिकारी प्रदीप मायला, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक रामलाल जाट, महिला एवं बाल विकास विभाग के उप निदेशक अशोक बिश्नोई, जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक शिक्षा मुनेश कुमार मीणा, संगणक दिनेश सिंह राजपुरोहित, विभागीय अधिकारी-कार्मिक, नगर परिषद कार्मिक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहित कई जने उपस्थित रहे।

जालोर जिले में 11 मेडिकल फर्मों के औषधि अनुज्ञापत्र निलंबित

जालोर, (कासं)। औषधि अनुज्ञापन प्राधिकारी एवं सहायक औषधि नियंत्रक जालोर सुनील कुमार मित्तल ने जालोर जिले में विभिन्न मेडिकल फर्मों के निरीक्षण के दौरान अनियमितता पाये जाने पर 11 मेडिकल फर्मों के औषधि अनुज्ञापत्रों को अलग-अलग अवधि के लिए निलंबित किया है।

औषधि अनुज्ञापन प्राधिकारी एवं सहायक औषधि नियंत्रक जालोर सुनील कुमार मित्तल ने बताया कि जालोर जिले में औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 एवं नियमावली 1945 के प्रावधानों के तहत औषधिक नियंत्रण अधिकारी जालोर श्रीमती पुष्पा सोलंकी व सुश्री सुष्मिता नायक द्वारा विभिन्न मेडिकल स्टोर्स का निरीक्षण किया गया जिसमें मेडिकल दुकानों पर रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट व कम्पीटेन्ट व्यक्ति अनुपस्थित पाये जाने, एनडीपीएस घटक युक्त औषधियाँ का विवरण प्रस्तुत नहीं करने,ही शैड्यूल एच-1 रजिस्टर का संधारण करना नहीं होने सहित विभिन्न अनियमितताएँ पाई गई। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान अनियमितता पाये जाने पर लाईसेंसधारको को कारण बताओ नोटिस जारी कर लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने तथा व्यक्तिगत सुनवाई चाहे जाने पर कार्यालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया किन्तु लाईसेंसी द्वारा कोई स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही व्यक्तिगत सुनवाई चाही गई। जो कि औषधिक एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 एवं नियमावली 1945 के नियम 65(2), 65(3), 65(4), 65(6), 65(16) एवं सपङ्कित अधिनियम की धारा 18 (सी) एवं लाईसेंसों की शर्तों का उल्लंघन है। जिस पर मैसर्स महादेव मेडिकल बडगांव को जारी अनुज्ञा पत्र को 4 से 10 अगस्त तक, मैसर्स रतन मेडिकल बडगांव के अनुज्ञा पत्र को 4 से 13 अगस्त तक, मैसर्स जसनाथ मेडिकल स्टोर कारी रोड़, रंगाला, मैसर्स मेडिकेयर स्टोर, बिजरोल-गोलिया, मैसर्स महालक्ष्मी एंटरप्राइजेज भीनमाल, मैसर्स ग्लोबल फार्मा सांचौर व मैसर्स भगवती मेडिकल स्टोर पावली के अनुज्ञा पत्र को 18 से 22 अगस्त तक निलम्बित किया गया है। इसी प्रकार रामदेव मेडिकल स्टोर तवाव व मैसर्स सरस्वती मेडिकल हॉल सांचौर के अनुज्ञान पत्र 18 से 24 अगस्त तक तथा मैसर्स ओमशांति गुरूदेव मेडिकल स्टोर जालोर व मैसर्स सरस्वती मेडिकल स्टोर थूर के अनुज्ञा पत्र को 18 से 27 अगस्त तक निलम्बित किया गया है।

बोकड़ा में शिक्षा विभाग की रात्रि चौपाल लगी

जालोर, (का.सं.)। शिक्षा विभाग की रात्रि चौपाल का आयोजन गुरुवार को बोकडा के स्थानीय विद्यालय में किया।

रात्रि चौपाल भंवरलाल परमार जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक जालौर , किस्तूराराम बामनिया अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी प्रथम जालोर , डॉ रमेश खोरवाल अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी द्वितीय जालोर के आतिथ्य में आयोजित हुई। प्रधानाचार्य राउमावि बोकडा अरविंद कुमार ने बताया कि शिक्षक विनोद कुमार वएसडीएमसी के सदस्यो द्वारा विभागीय योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई और सरकारी विद्यालय में बालकों को अधिक से अधिक नामांकन करवाने के लिए प्रेरित करने के लिए कहा गया। जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक जालौर द्वारा स्टाफ की कमी की समस्या को दूर करते हुए पडोसी विद्यालय से शिक्षण व्यवस्था में स्टाफ लगाने की बात कही गई। पूर्व में भी ग्रामीणों द्वारा प्रार्थना पत्र देने पर पांच शिक्षकों को लगाया गया। इसी प्रकार विद्यालय में हरियालो राजस्थान के तहत वृक्षारोपण की समीक्षा की गई। विभाग की विभिन्न योजनाओं के बारे में संस्था प्रधान द्वारा ग्रामीणों को बताया गया तथा सरकारी विद्यालय में अधिक से अधिक प्रवेश एवं भामाशाहों को जोडकर विद्यालय में विकास की बात कही गई।

इस अवसर पर रामसिंह , विशन सिंह,रमेश कुमार दहिया, देवाराम चौधरी, देवाराम, रताराम , नारायण सिंह, कांतिलाल परमार, आंगनबाडी कार्यकर्ता , पीईईओ विद्यालय कान सिंह बोकडा , जूठा राम चौधरी, ललित कुमार दवे और अन्य कार्मिक भी उपस्थित रहे। रात्रि चौपाल के दौरान विद्यालय मे अभिभावको द्वारा सरकारी विद्यालय की पढ़ाई अच्छी बताई गई।

पाली का जवाई बांध 40.40 फीट

पाली, (निसं)। पाली जिले में अब तक 70 प्रतिशत बारिश हो चुकी है, जिससे जिले के 14 बांध ओवरफ्लो चल रहे हैं। पाली की लाइफ लाइन पश्चिम राजस्थान के सबसे बड़ा बांध जवाई बांध में एक साल का पानी आ चुका है, शुक्रवार सुबह तक 40.40 फीट गेज पहुंच गया था। शिवगंज के साथ पाली जिले के नौ शहर सुमेरपुर, देसूरी, रानी, जैतारण, मारवाड़, जंक्शन, रायपुर, रोहट, सोजत, एवं बाली समेत 985 गांव को पेयजल उपलब्ध करवाता है। कुछ जालोर जिले के गांवों में भी इसकी पेयजल सप्लाई होती है। इसका गेज 61.25 है। देसूरी, सीरीयारी राजपुरा ,बोमादड़ा पिकअप, बनियावास, हेमावास, सिंदरू, सादड़ी बांध, सरदार संमद, ओवरफ्लो चल रहे हैं।

जर्जर को गिराने व क्षतिग्रस्त भवनों की मरम्मत के प्रस्ताव भिजवाने के निर्देश

बाड़मेर, (नि.सं.)। जिला कलैक्टर टीना डाबी के निर्देशानुसार प्रशासनिक अधिकारियों ने शुक्रवार को जिलेभर में बरसात के मौसम को देखते हुए विद्यालयों और सरकारी कार्यालयों का निरीक्षण कर जर्जर एवं क्षतिग्रस्त भवनों का भौतिक सत्यापन किया।

शिव उपखंड अधिकारी यक्ष चौधरी ने आईटीआई शिव का निरीक्षण किया, जिसके लगभग सभी कक्ष जर्जर पाए गए। हालांकि इसमें कक्षाएं आयोजित नहीं हो रही हैं।

गुड़ामालानी उपखंड अधिकारी केशव मीणा ने मालपुरा नौखड़ा स्कूल का प्रार्थना के समय निरीक्षण किया। इस विद्यालय के भवन का निरीक्षण किया साथ ही यहां शैक्षिणक स्तर का भी निरीक्षण किया।

गडरारोड़ उपखंड अधिकारी रामलाल मीना ने स्वतंत्रता सेनानी स्व. देरावरसिंह राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय गडरारोड का निरीक्षण किया। यह भवन जर्जर पाया गया। इस भवन में कक्षाएं आयोजित नहीं करने और अन्य वैकल्पिक स्थानों पर कक्षाओं के संचालन के निर्देश दिए। इसके साथ ही इन्होंने जर्जर आंगनबाड़ी गडरारोड़ का भी निरीक्षण किया। इसके साथ ही उन्होंने राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय समद का पार के जर्जर भवन का निरीक्षण किया गया। इसके साथ ही राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय का झांकली का निरीक्षण किया गया, जिसमें 4 कमरे और एक पानी का टैंक जर्जर पाया गया। इन्होंने राजकीय प्राथमिक विद्यालय नाथूसिंह का वास, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय शहदाद का पार खुर्द, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय द्राभा और राजकीय प्राथमिक विद्यालय खंगारणी के भवनों का निरीक्षण किया गया।

नायब तहसीलदार बाड़मेर द्वितीय सुदेश महला ने सेंट पॉल उच्च माध्यमिक विद्यालय बाड़मेर का निरीक्षण किया। बारिश की वजह से इसके बेसमेंट में पानी भर गया था, जिसे मड पम्प लगाकर खाली करवाया गया।

फागलिया नायब तहसीलदार महेन्द्र कुमार राजपुरोहित ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ठाम पंचायत बाधा का निरीक्षण किया। इसमें 5 कमरे जर्जर पाए गए। इसके बाद में इस भवन को सील करने और डिमोलिस करने के प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने राजकीय प्राथमिक विद्यालय भीलों की बस्ती, ठाम पंचायत गंगासरा, सेड़वा का निरीक्षण किया गया। इसमें 4 कमरे जर्जर अवस्था पाए गए। इन कमरों को तुरंत सील करने के निर्देश दिए गए और इसके डिमोलिस करने के प्रस्ताव करने के निर्देश दिए।

मृत खानाबदोश की नहीं हुई पहचान

जोधपुर, (कासं)। शहर के पुराना हाईकोर्ट रोड टाउन हॉल के सामने रेलवे ट्रेक पर एक व्यक्ति का शव मिला। उसकी पांच दिन बाद भी पहचान नहीं हो पाई। मृतक खाना बदोश बताया जाता है। शव को शिनाख्त के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

उदयमंदिर पुलिस ने बताया कि 26 जुलाई को टाउन हॉल के सामने रेलवे ट्रेक के पास एक व्यक्ति का शव पड़ा मिला था। जिस पर उसे बाद में एमजीएच की मोर्चरी में शिनाख्त के लिए रखवाया गया। मगर उसकी आज पांचवें दिन भी पहचान नहीं हो पाई। मामले को लेकर थाने के हैडकांस्टेबल प्रकाशचंद्र की तरफ से रिपोर्ट दी गई है।

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना की समीक्षा

जालोर, (कासं)। राजस्थान सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना (मां योजना) के प्रभावी संचालन एवं समीक्षा के लिए 1 अगस्त को एमसीएच सेंटर जालोर में बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक की अध्यक्षता प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. वेदप्रकाश मीणा ने की।

इस दौरान उप नियंत्रक जिला अस्पताल डॉ. कमलेश मीणा, उप नियंत्रक एमसीएच सेंटर डॉ. नैनमल परमार, सहित डॉ. मुकेश चौधरी, डॉ. प्रकाश विश्नोई, डॉ. बाबूलाल चौधरी, डॉ. अभिषेक पटेल, डॉ. राकेश मेवाडा, डॉ. प्रवीण सुथार, नर्सिंग अधीक्षक पुष्पेन्द्र भारती, गुलजार अली, चम्पालाल, मनोहरलाल, आमिर खान, गौतम कुमार, किशोर कुमार, मुस्ताक अली सहित संबंधित अधिकारी व स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

बैठक में योजना की प्रगति की समीक्षा की गई एवं संचालन में आ रही चुनौतियों व उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा हुई। अधिकारियों ने इस योजना के जरिये जिले में आमजन को और अधिक सुलभ, सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के संकल्प को दोहराया।

बैठक में प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. वेदप्रकाश मीणा ने कहा कि मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु सभी विभागीय अधिकारियों की सक्रिय भूमिका आवश्यक है। कहा कि हम सबका सामूहिक प्रयास ही योजना को जमीन तक प्रभावी रूप से पहुंचाने में मदद करेगा।

बैठक के दौरान समीक्षा करते हुए प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. वेदप्रकाश मीणा एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मोबाइल वाहन से विधिक सेवा कार्यक्रमों का प्रचार

जालोर, (कासं)। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण से जालोर न्यायक्षेत्र में प्रचार प्रसार के लिए आई मोबाइल वाहन को शुक्रवार को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वाहन को पोक्सो न्यायालय के न्यायाधीश प्रमोद कुमार मलिक ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस दौरान पारिवारिक न्यायालय के न्यायाधीश अमर वर्मा, एससीएसटी न्यायालय के न्यायाधीश परवेज अहमद, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अहसान अहमद, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या 1 राजेंद्रसिंह चारण, न्यायिक मजिस्ट्रेट दिव्या गोदारा, बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अश्विन राजपुरोहित, सचिव प्रवीण भादरू, पुस्तकाध्यक्ष भूपेश राठौड, मुमताजअली, रमेश कुमार सोलंकी, नवीन गहलोत, पारसमल गार्गी, इन्द्रजीत मेघवाल, इंसाफअली, संतोष भारती, न्यायालय प्रबंधक भूपेश व्यास, सहित बार एसोसिएशन के कई पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे। वाहन जालोर जिले में 21 अगस्त तक रहेगा। जालोर में 1 से 5 अगस्त तक रहेगा। इसी प्रकार भीनमाल तालुका में 6 अगस्त से 11 अगस्त तक, रानीवाडा तालुका में 12 से 14 अगस्त, सांचौर तालुका क्षेत्र में 18 से 21 अगस्त तक प्रचार प्रसार के लिए उपलब्ध रहेगा। इस दौरान वाहन के माध्यम से विभिन्न गांवों में जाकर विधिक सेवा प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के बारे में लोगों को जानकारी दी जाएगी एवं विभिन्न योजनाओं के पंपलेट्स, पोस्टर आदि वितरित किए जाएंगे।

किशन कांकरिया के नेत्र दान

पाली, (नि.सं.)। सोजतिया बास, पाली निवासी 55 वर्षीय किशन कुमार कांकरिया पुत्र स्वर्गीय हस्तीमल कांकरिया के निधन के पश्चात् उनके परिजनों ने उनकी दोनों आंखे दान कर दो दृष्टिहीन बन्धुओं को दृष्टि मिलने का रास्ता प्रशस्त कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार किशन कांकरिया के हुए आकस्मिक निधन से परिवार जनों का रो-रो कर बुरा हाल था। जानकारी मिलने पर ऐसे माहौल में भी हिम्मत जुटा कर सामाजिक कार्यकर्ता पदम ललवाणी, अशोक बाफना एवं आई बैंक सोसायटी आफ राजस्थान, पाली चैप्टर के सचिव केवल चंद कवाड़, भंवरलाल सेमलानी ने दिवंगत की धर्मपत्नी श्रीमती लाजवंती, पुत्र दीक्षांत, पुत्रवधू रुशाली, पुत्री दिव्या, दामाद दीक्षित कोठारी, एवं साले मनीष नाहर से दिवंगत के नेत्रदान के लिए निवेदन किया ।

स्वीकृति मिलने पर आई बैंक, पाली चेप्टर अध्यक्ष हुक्मीचंद मेहता ने डा. महेंद्र सिंह चौधरी, डॉक्टर सुनयना हटीला, डॉक्टर नमन राजपुरिया, डॉक्टर सुभाष सैनी एवं सहायक महीपाल राठौड, अशोक घावरी के सहयोग से नेत्रदान प्रक्रिया सम्पन्न करवाई। दिवंगत की दोनों आंखे दान में प्राप्त कर जयपुर भिजवाई गई, जहां दो नेत्रहीन बन्धुओं को कार्निया प्रत्या रोपित कर दृष्टि प्रदान की जायेगी। वहीं लोगों ने शोकाकुल परिवार की और से सेवा भावी कार्य की सराहना की।

ऑपरेशन कर असहनीय पीड़ा व सूनेपन से राहत दी

जोधपुर, (का.सं.)। सफल ऑपरेशन करके मरीज को राहत दी गई।

35 वर्षीय कैलाश चार माह से पैरों में असहनीय पीड़ा और सूनेपन से पीड़ित था जिसके कारण उसकी पेशाब और शौच का कंट्रोल समाप्त होगया था। मरीज को स्पाइन में जटिल स्थान पर गांठ होने की वजह से मरीज का चलना फिरना मुश्किल हो गया था तथा साथ ही मरीज के पैरों में सुन्नपन आ गया था। जिसकी वजह से मैरिज वह मरीज के परिजन बहुत ज्यादा परेशान थे। मरीज ने राजस्थान कई चिकित्सकों से अपना इलाज करने के लिए संपर्क किया परंतु किसी भी प्रकार का लाभ नहीं होने की वजह से मरीज ने कल विनायक का हॉस्पिटल गीता भवन जोधपुर में वरिष्ठ न्यूरो सर्जन को अपना चेकअप करवाया। चेकअप करवाने के बाद मरीज की सारी जांच की गई। जांचों में मरीज के स्पाइनल कॉर्ड में जटिल जगह में बड़ी गांठ होना पाया गया। जिसकी वजह से मरीज का चलना फिरना मुश्किल हो गया था । मरीज और इस परिजन बहुत ज्यादा परेशान थे। वरिष्ठ न्यूरो सर्जन डॉक्टर नगेंद्र शर्मा ने तुरंत ऑपरेशन करने की सलाह दी और आज मरीज का सफल ऑपरेशन कर स्पाइनल कॉर्ड में जटिल जगह स्थित गांठ को पूर्ण रूप से निकाल दिया गया। ऑपरेशन के बाद मरीज एकदम पूर्णतया स्वस्थ है तथा जो मरीज के पैरों में असहनीय पीड़ा में पूर्ण आराम मिल गया और सूनेपन में भी आराम होना शुरू होगया। मरीज व उसके परिजन इस ऑपरेशन से बहुत ही प्रसन्न है । वह परिजन ने विनायक अस्पताल का अस्पताल की पूरी टीम वी डॉक्टर नगेंद्र शर्मा को बहुत-बहुत बधाई दी। विनायक अस्पताल की व्यवस्थापक डॉक्टर कविता शर्मा ने बताया कि विनायक अस्पताल में आज प्रथम सफल न्यूरो सर्जरी का ऑपरेशन हुआ है और भविष्य में भी डॉ. नगेंद्र शर्मा की सेवाएं जारी रहेगी। डॉ. कविता शर्मा ने पूरी टीम और नगेंद्र शर्मा को इस जटिल सर्जरी की सफलता के लिए बधाई दी। ऑपरेशन में एनेस्थेटिस्ट डा सुनैना गोधवानी और पूरी टीम के सदस्यों ने सहयोग किया।

केरू में घर में बैठे युवक पर जानलेवा हमला

जोधपुर, (कासं)। केरू क्षेत्र रामदेव कॉलोनी में एक दलित युवक पर जानलेवा हमला हुआ। गाडि़यों में सवार होकर आए कुछ लोगों ने हमला किया और बीचबचाव करने वाले का अपहरण का प्रयास किया। पीड़ित ने राजीव गांधी नगर थाने में रिपोर्ट दी है।

राजीव गांधी नगर पुलिस ने बताया कि केरू स्थित रामदेव कॉलोनी निवासी एक युवक की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि गुरूवार को दिन में वह अपने घर पर था और उसका दोस्त आया हुआ था। तब 5-6 बोलेरो गाडि़यों में सवार होकर बदमाश आए और उस पर लाठी डंडों से जानलेवा हमला किया। उसके दोस्त ने बीच बचाव का प्रयास किया तो उसका अपहरण का प्रयास किया। उसके दोस्त को जातिसूचक शब्दों से भी अपमानित किया। पड़ौस में रहने वाली एक महिला ने भी बचाव का प्रयास किया तो उससे भी बदतमीजी की गई। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज किया गया है। आंरभिक पड़ताल में पता लगा कि पीड़ित और आरोपियों के बीच किसी बात को लेकर विवाद चल रहा है। जांच एसीपी स्तर के अधिकारी द्वारा की जा रही है।

रेल पटरियां लांघने वालों की खैर नहीं, जुर्माना के साथ होगी जेल

जोधपुर, (कासं)। रेलवे ने जान जोखिम में डालकर पटरी पार करने वाले यात्रियों को रोकने के लिए कड़ा रुख अख्तियार किया है।

हालांकि रेल प्रशासन ने यात्रियों के लिए पटरियों को पार करने के लिए सुरक्षित उपायों के तहत जगह-जगह पर फुट ओवर ब्रिज व अंडर पास बनवा रखे हैं,जिससे लोग आसानी और सुरक्षित तरीके से पटरियां पार कर एक से दूसरे प्लेटफॉर्म पर जा सकते हैं।

इसके बावजूद कुछ लोग नियमों की अवहेलना करते हुए जान जोखिम में डाल कर पटरी पार करने से बाज नहीं आ रहे हैं।

उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर डीआरएम अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि अनाधिकृत रूप से पटरी पार करने वाले लोगों से सख्ती से निबटने के लिए आरपीएफ को निर्देश दिए गए हैं जिससे किसी भी अनहोनी से बचा जा सके।

आरपीएफ को अनाधिकृत रूप से पटरियां पार करने के मामले में भारतीय रेलवे अधिनियम की धारा 147 के तहत कानूनी कार्यवाही करने का अधिकार है जिसके तहत 6 माह की कैद या एक हजार रुपए तक का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। उल्लेखनीय है कि बड़े स्टेशनों पर रेलवे ने सीसीटीवी कैमरे लगवा रखे है जिसकी मदद से आरपीएफ द्वारा पटरी पार करने वाले यात्रियों की पहचान कर समझाइश की जाती है ताकि वह दोबारा ऐसा न करें।

जोधपुर मंडल के आंकड़े

रेलवे सुरक्षा बल ने 2024-2025 वित्त वर्ष के दौरान जोधपुर मंडल पर अभियान चलाकर पटरी पार करने के पकड़े गए कुल 717 मामलों से 83 हजार 300 रुपए का जुर्माना वसूला है जबकि इस वर्ष 1 अप्रेल से 30 जून तक प्रथम तिमाही में इस तरह के 154 मामलों से 17 हजार 500 रुपए का जुर्माना वसूला जा चुका है। ऐसे लोगों के विरुद्ध रेलवे का अभियान और तेज किया जाएगा।

संथारा संलेखना का प्रथम बार विद्युत शवदाह गृह में दाह संस्कार

जोधपुर, (कासं)। एम्स अस्पताल जोधपुर में भर्ती विरेंद्र चौपड़ा के इलाज के चलते अत्यधिक तबीयत खराब होने डॉक्टरों द्वारा परिवारजनों को बताया कि उनका कुछ समय शेष है, जिस पर अंतिम समय से पूर्व परिवाररजनों द्वारा जैन परंपरानुसार संथारा दिलाया गया। आज शुक्रवार 1 अगस्त को अल सुबह उनका अस्पताल में ही निधन हो गया।

संथारा संलेखना पश्चात मृतक का दाह संस्कार बैकुंठी में बैठाकर लकडियों में किया जाता है लेकिन चौपडा के पुत्र प्रवर चोपडा, पत्नी राजकुमारी, पुत्री सुरभि, पारसमल मण्डावत, हुकमीचंद मेहता, महेंद्र कुमार, प्रवीण चपलोत, दीपक जैन आदि ने पर्यावरण सुरक्षा व लकडियां बचाने के उद्देश्य से ओसवाल स्वर्गाश्रम में भामाशाह श्याम कुंभट द्वारा स्थापित विद्युत शवदाह गृह मशीन में दाह संस्कार करवाने का निर्णय लिया। सेवाभावी मुकेश गोदावत व मनीष मेहता से संपर्क किया। जिस पर सुबह 10 बजे मुकेश गोदावत ने संथारा लिए हुए मृतक का जोधपुर में प्रथम बार विद्युत शवदाह गृह में दाह संस्कार कर पर्यावरण संरक्षण की अच्छी पहल की।

हम वतन कोनेरू हम्पी के खिलाफ फिडे महिला विश्व कप फाइनल खेलते समय उन पर किसी भी तरह का दबाव नहीं था क्योंकि उनके पास खोने के लिए कुछ नहीं था।
- दिव्या देशमुख

भारतीय शतरंज खिलाड़ी, महिला विश्वकप जीतने के बाद बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

रिंकू सिंह

भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह को बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत बीएसए पद पर नियुक्ति में उनकी शैक्षिक योग्यता आड़े आ रही है, जिसके चलते उनकी फाइल रोक दी गई है। इस बारे में विभागीय अधिकारियों का कहना है कि आगे जो भी निर्देश होंगे, उस आधार पर कदम उठाए जाएंगे। खेलों के लिए सुविधाओं के विकास और खिलाडियों के प्रोत्साहन को प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। विगत आठ सालों में एक तरफ ग्रामीण स्तर तक स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास हुआ है तो दूसरी तरफ पदक विजेता खिलाडियों को सम्मानजनक पुरस्कार राशि देने के साथ उन्हें सरकारी नौकरी की सुविधा दी जा रही है।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने इस सीरीज में कुल तीन हजार एक सौ अठानवे रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका का रिकॉर्ड तोड़ा है।

सिराज और कृष्णा ने इंग्लैंड को 247 रन पर रोका

हैरी ब्रूक व जायसवाल ने खेली अर्द्धशतकीय पारी, भारत का स्कोर 75/2

लंदन, 1 अगस्त। ओवल टेस्ट का दूसरा दिन भारतीय टीम के नाम रहा। शुक्रवार को दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक टीम इंडिया ने अंठोजों पर 52 रन की बढ़त बना ली है। स्टंप्स तक भारत ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 75 रन बना लिए हैं। यशस्वी जायसवाल 51 और नाइट वॉचमैन आकाश दीप 4 रन के स्कोर पर नाबाद लौटे।

साउथ लंदन स्थित द ओवल मैदान पर चल रहे मैच में इंग्लैंड ने पहली पारी में 23 रन की बढ़त बनाई थी। टीम 247 रन पर ऑलआउट हो गई। ओपनर जैक क्रॉली ने 64, हैरी ब्रूक ने 53 और बेन डकेट ने 43 रन बनाए। भारत से मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा को 4-4 विकेट मिले। एक विकेट आकाश दीप के खाते में आया। क्रिस वोक्स चोट के कारण बैटिंग करने नहीं उतरे। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा की (चार-चार विकेट) की घातक गेंदबाजी के दम पर भारत ने इंग्लैंड को पांचवें और अंतिम टेस्ट के दूसरे दिन शुक्रवार को तीसरे सत्र में 247 के स्कोर पर ढ़ेर कर दिया। हालांकि इंग्लैंड को 23 रनों की मामूली बढ़त हासिल ले ली है।

चायकाल के बाद बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड का आठवां विकेट गस ऐटकिंस (11) के रूप में गिरा। उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा ने आउट किया। 247 के स्कोर पर सिराज ने हैरी ब्रूक को बोल्ड कर इंग्लैंड की पारी का अंत किया। हैरी ब्रूक ने 64 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए 53 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। चोटिल क्रिस वोक्स बल्लेबाजी के लिए नहीं आये। भारत की ओर से मोहम्मद सिराज 16.2 ओवर में 86 रन देकर चार विकेट लिये।

वहीं प्रसिद्ध कृष्णा ने 16 ओवर में 62 रन देकर चार विकेट झटके। एक बल्लेबाज को आकाश दीप ने आउट किया। इससे पहले सुबह के सत्र में भारत को पहली पारी में 224 रन पर समेटने के बाद इंग्लैंड ने बैजबाल अंदाज में तूफानी शुरुआत की। उसके दोनों ओपनरों ने 12.5 ओवरों में 92 रन की शानदार शुरुआत कर डाली। लेकिन दूसरे सत्र में भारत ने छह विकेट लेकर शानदार वापसी की।

आकाश दीप के जोश भरे जश्न ने सबका ध्यान खींचा

लंदन, 1 अगस्त। आकाश दीप के जोश भरे जश्न ने आज द ओवल में रौनक बिखेर दी, जब भारतीय तेज गेंदबाज ने इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट को एक तेज गेंद पर आउट किया और उसके बाद एक ऐसा जश्न मनाया जिसने सबका ध्यान खींचा। यह घटना पांचवें और अंतिम टेस्ट के पहले दिन इंग्लैंड की पारी के 13वें ओवर में हुई। डकेट ने एक साहसी रिवर्स स्कूप की कोशिश की और गेंद किनारे से लगकर विकेटकीपर ध्रुव जुरेल के पास पहुंच गई, जिसके बाद आकाश दीप ने जश्न मनाया, आउट हो रहे बल्लेबाज की ओर बढ़े और उसके सामने ही मुट्ठी बांधी, फिर उसके कंधे पर हाथ रखकर कुछ विदाई शब्द कहे। केएल राहुल ने गेंदबाज को धीरे से दूर खींचकर मामला बिगड़ने से रोका। हालांकि यह जश्न आक्रामक से ज्यादा जोश भरा लग रहा था, लेकिन इसकी तीव्रता के कारण मैच अधिकारियों की नजर इस पर पड़ सकती है। डकेट के 38 गेंदों पर 43 रन बनाकर आउट होने से जैक क्रॉली के साथ उनकी 92 रनों की ओपनिंग साझेदारी टूट गई और इंग्लैंड की सहज शुरुआत में भारत को पहली सफलता मिली। इस सलामी बल्लेबाज़ की पारी में पांच चौके और दो छक्के शामिल थे, जिससे इंग्लैंड ने सिर्फ 13.1 ओवर में 93/1 रन बना लिए।

शार्दुल ठाकुर करेंगे पश्चिम क्षेत्र की कप्तानी

मुम्बई, 1 अगस्त। पश्चिम क्षेत्र चयन समिति ने शुक्रवार को आगामी दलीप ट्रॉफी मैचों के लिए शार्दुल ठाकुर को 15 सदस्यीय टीम का कप्तान नियुक्त किया है। बीकेसी स्थित एमसीए की शरद पवार इंडोर क्रिकेट अकादमी में आज हुई चयन बैठक के बाद शार्दुल ठाकुर को कप्तान बनाये जाने की घोषणा की गई। टीम में मुंबई के सात खिलाड़ी, गुजरात के चार, महाराष्ट्र और सौराष्ट्र के दो-दो खिलाड़ी को जगह दी गई हैं। टीम में ठाकुर के अलावा मुंबई के बड़े नामों में यशस्वी जायसवाल, श्रेयस अय्यर और सरफराज खान शामिल हैं। महाराष्ट्र के रुतुराज गायकवाड़ भी टीम का हिस्सा हैं। अजिंक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा को टीम में जगह नहीं मिली है।

भारतीय टीमों ने लंदन 2026 विश्व टेबल टेनिस चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई किया

कोलकाता, 1 अगस्त। भारत की पुरुष और महिला टेबल टेनिस टीमों ने काठमांडू के राष्ट्रीय टेबल टेनिस केंद्र में आयोजित 2025 दक्षिण एशिया क्षेत्रीय चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन के बाद, लंदन में 2026 विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीटीसी) के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है। प्रत्येक लिंग के लिए केवल 16 प्रतिष्ठित एशियाई कोटा स्थान उपलब्ध होने के कारण, दांव बहुत ऊंचा था। मध्य एशिया, दक्षिण एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया और पश्चिम एशिया के चार क्षेत्रीय चैंपियनों ने डब्ल्यूटीटीसी के लिए सीधे क्वालीफाई किया - जो अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर के सबसे प्रतिष्ठित आयोजनों में से एक है। भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) ने आज कहा, भारतीय टीमों ने अपनी गहराई और दबदबे का प्रदर्शन करते हुए, अपनी जगह पक्की करने में कोई गलती नहीं की। दोनों भारतीय टीमें पांच देशों के राउंड-रॉबिन प्रारूप में अपराजित रहीं, जिससे दक्षिण एशियाई क्षेत्र में उनकी श्रेष्ठता और पुष्ट हुई।

वोक्स टेस्ट के बाकी मैच से बाहर

लंदन, 1 अगस्त। क्रिस वोक्स ओवल में पहले दिन लगाए गए डाइव के दौरान अजीब तरह से जमीन पर गिरने के बाद अपने बाएं कंधे में चोट लगा बैठे जिसके बाद वह बाकी मैच से बाहर हो गए हैं। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने शुक्रवार को दूसरे दिन के खेल से पहले एक बयान में कहा, इस समय, इस चोट के कारण वह आगे टेस्ट मैच में भाग नहीं ले पाएंगे। वोक्स को भारत की पहली पारी के 57वें ओवर में क्षेत्ररक्षण करते समय चोट लगी थी। उन्होंने मिड-ऑफ से गेंद का पीछा किया और डाइव लगाकर गेंद को वापस रस्सियों के अंदर खींच लिया। लेकिन वह अजीब तरह से जमीन पर गिरे और तुरंत ही अपना बायां कंधा पकड़े हुए दिखाई दिए। इंग्लैंड, जो पहले से ही इस मैच में बेन स्टोक्स और जोफ्रा आर्चर की सेवाओं से वंचित है, के पास अब केवल तीन तेज गेंदबाज़ी विकल्प होंगे - जोश टंग, गस एटकिंसन और जेमी ओवरटन। लेकिन उन्होंने भारत को पहली पारी में 224 रन पर समेट दिया। वोक्स, जिन्होंने सभी पांचों टेस्ट मैचों में हिस्सा लिया है, पूरी सीरीज में इंग्लैंड के लिए एक बेहतरीन गेंदबाज़ रहे हैं। उन्होंने 181 ओवर फेंके - दोनों टीमों में किसी और से ज्यादा और 11 विकेट लिए।

आरसीए सीनियर वर्ग फिटनेस स्किल सेशन (यो-यो) शुरू

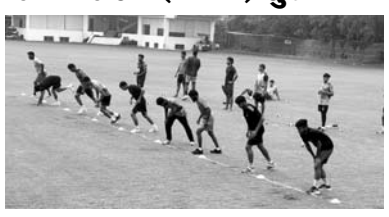

जयपुर 1 अगस्त। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई की आगामी सीनियर राष्ट्रिय क्रिकेट प्रतियोगिता की पूर्व तैयारी के लिए राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा आज से जयपुर में राज्य के सीनियर खिलाडियों (पुरुष) का फिटनेस स्किल सेशन (यो-यो) आयोजित किया जा रहा है। आज पहले दिन लगभग 40 खिलाडियों ने आरसीए द्वारा आयोजित किये जा रहे फिटनेस स्किल सेशन (यो-यो) में आरसीए की सीनियर टीम के फिजियो मगन सिंह, ट्रेनर राम सैनी व आरसीए अंडर 23 टीम के ट्रेनर अखिल गर्ग के निर्देशन में भाग लिया।

प्रशिक्षक बनने के लिए देनी होगी परीक्षा : डॉ. नीरज कुमार पवन

ओलंपिक 2036 के लक्ष्य को लेकर प्रशिक्षकों की नियुक्ति

जयपुर, 1 अगस्त। राजस्थान में पहली बार राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद द्वारा चार नये खेलों को प्रोत्साहन देने का निर्णय लिया गया है। घुड़सवारी, क्याकिंग एण्ड कैनोइंग, योगा और मलखम्भ के खेलों के प्रशिक्षको की भर्ती की जायेगी। इससे पहले कभी भी इन खेलों के प्रशिक्षक परिषद में कार्यरत नहीं थे, लेकिन अब राज्य के विभिन्न स्थानों पर इन खेलों के प्रशिक्षक शीघ्र ही कोचिंग देते नजर आयेगें।

डॉ. नीरज कुमार पवन, शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग, राजस्थान सरकार और अध्यक्ष राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद ने कहा कि इनमें कई खेल ओलम्पिक में शामिल है। इन खेलों के प्रशिक्षको की भर्ती करने से वर्ष 2036 ओलम्पिक खेलों में राजस्थान के खिलाडियों को भी तैयारी का पूर्ण मौका मिलेगा। क्याकिंग एण्ड कैनोइंग का उदयपुर में अच्छा स्कोप जबकि मलखम्भ और योगा तो पूरे भारत में खेले जा रहे है। घुड़सवारी के लिए किसी प्राईवेट क्लब से टाईअप करके खिलाडियों को कोचिंग की सुविधा उपलब्ध करवाई जायेगी।

उन्होने बताया कि विभिन्न खेलों में 140 प्रशिक्षको की नियुक्ति की जायेगी। स्वीकृत पदो मे सर्वाधिक पद 18 एथलेटिक्स के है। इसके अलावा कुश्ती के 4, हॉकी के 8, तीरन्दाजी के 7, बास्केटबॉल के 15, वॉलीबॉल एवं कबड्डी के 7-7, फुटबॉल के 9, हैण्डबॉल के 8, जिम्नास्टिक एवं बॉक्सिंग के 3-3, भारोत्तोलन के 2, साईक्लिंग, क्रिकेट, टेनिस के 2-2, तैराकी के 5, बैडमिन्टन के 5, खो-खो के 5, शूटिंग के 10, टेबल टेनिस के 4, घुड़सवारी के 5, क्याकिंग एण्ड कैनोइंग के 3, वूशू, योगा और मलखम्भ के 2-2 प्रशिक्षको की नियुक्ति की जायेगी।

प्रशिक्षको की नियुक्ति लिखित परीक्षा और स्किल व फिटनेस टेस्ट के आधार पर की जायेगी। 100 अंको का जनरल नॉलेज का पेपर होगा, जिसमे जियोग्राफी, इतिहास, कल्चरल, करंट अफेयर्स आदि का पेपर होगा और दूसरा पेपर स्पोर्ट्स एजूकेशन का पेपर होगा। दोनो पेपर 100-100 नम्बर के होंगे। इसके बाद खेल परिषद् द्वारा प्रशिक्षको का स्किल व फिटनेस टेस्ट लिया जायेगा। यह फिटनेस टेस्ट भी 100 नम्बर का होगा, जबकि प्रशिक्षको की उपलब्धियो के आधार पर ही 50 नम्बर तय किये गये है। तद्पश्चात् ही वे प्रशिक्षक के पद पर चयन के पात्र होंगे। फिटनेस टेस्ट सेना और बाहर के अन्तर्राष्ट्रीय खिलाडियों द्वारा स्किल व फिटनेस टेस्ट लिया जायेगा।

डॉ. नीरज कुमार पवन ने बताया कि इनमें कुछ और भी खेलों को जोडा जाना सम्भव है। इस संबंध में बातचीत की जा रही है। फाईनल होना बाकी है। उन्होने बताया कि खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स-2025 की तैयारियों के संबंध में कहा कि शीघ्र ही खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ सवाई मानसिंह स्टेडियम व पूर्णमा यूनिवर्सिटी आदि स्थानों का दौरा करेगें और इन खेलों के लिए सुविधाओं का जायजा लेगें।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, खेल मंत्री, राजस्थान सरकार ने बताया भर्तियों में निष्पक्षता व पारदर्शिता को ध्यान में रखते हुए तृतीय श्रेणी प्रशिक्षकों की भर्ती को लेकर पहली बार इस भर्ती का आयोजन राजस्थान राज्य कर्मचारी चयन बोर्ड के माध्यम से करवाया जा रहा है। लिखित परीक्षा, खेल कौशल, खेल उपलब्धि व अनुभव को वरीयता प्रदान करते हुए योग्य प्रशिक्षकों की भर्ती हो, ऐसा सरकार का प्रयास है।

एआईएफएफ ने बनाया खालिद मजील को भारतीय टीम का मुख्य कोच

नई दिल्ली, 1 अगस्त। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की कार्यकारी समिति (ईसी) ने खालिद जमील को सीनियर पुरुष भारतीय राष्ट्रीय टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है।

महासंघ की तकनीकी समिति की सिफारिश पर आज बुलाई गई वर्चुअल बैठक में विस्तृत चर्चा के बाद खालिद जमील को सीनियर पुरुष भारतीय राष्ट्रीय टीम का मुख्य कोच बनाये जाने का फैसला लिया गया। बैठक में एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे, उपाध्यक्ष एनए हारिस, कोषाध्यक्ष किपा अजय, कार्यकारी और तकनीकी समितियों के सदस्यों, दोनों द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता कोच बिमल घोष और अरमांडो कोलासो और ध्यानचंद पुरस्कार विजेता शब्बीर अली की उपस्थिति में, एआईएफएफ के तकनीकी निदेशक सैयद साबिर पाशा और राष्ट्रीय टीम के निदेशक सुब्रत पॉल ने राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच के चयन के लिए खालिद जमील, स्टीफन कॉन्स्टेंटाइन और स्टीफन टारकोविच के नामों का प्रस्ताव रखा। इस दौरान हुई चर्चा में सदस्यों ने तीनों नामों पर विचार करने के बाद लगातार दो बार में एआईएफएफ के पुरुष कोच ऑफ द ईयर पुरस्कार से सम्मानित खालिद जमील को बहुमत के आधार पर कोच बनाया गया। भारत को इस महीने के आखिर में सीएएफए नेशंस कप 2025 में भाग लेना है, जिसके बाद अक्टूबर में सिंगापुर के खिलाफ लगातार दो एएफसी एशियन कप फाइनल राउंड क्वालीफायर मैच खेलने हैं।

खेल परिषद के क्रिकेट अकादमी में कंटीली झाड़ियों का अंबार, सुविधा के नाम पर जीरो

जयपुर, 1 अगस्त। सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद क्रिकेट मैदान की हालत बहुत ही ज्यादा खराब है कि इस बरसात के मौसम में भी क्रिकेट अकादमी में आने वाले क्रिकेट प्रेक्टिस करने वाले छोटे बच्चों को कंटीली झाड़ियों में से होकर गुजरना पड़ता है। पहले खिलाड़ियों को कहा जाता था कि "कम एंड प्ले" अब कहा जाता है "पे एंड प्ले"। इसके बावजूद राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद क्रिकेट मैदान को देखकर लगता ही नहीं है कि यह मैदान क्रिकेट प्रेक्टिस करने वाली अकादमी का है। मैदान के अंदर ओर मैदान के बाहर बढ़े हुए पेड़, हर तरफ़ कचरा बिखरा हुआ पड़ा हुआ है। मैदान में प्रेक्टिस करने आने वाले खिलाड़ियों के पैरों पर कंटीले झाड़ लगते हैं। अगर किसी खिलाड़ी द्वारा शॉट लगाया जाता है तो फील्डर को गेंद वापस लेकर आने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। एक तो गेंद झाड़ियों में दिखती नहीं है। न मैदान की घास कटी हुई है और ना ही बरसात का पानी निकालने का कोई इंतेज़ाम है साथ ही नेट फटे हुए हैं। पूरे अकादमी का हाल बेहाल पड़ा हुआ है। इन सभी परेशानियों को देखकर भी किसी अधिकारी, कर्मचारी, कोच ओर ग्राउंड स्टाफ ने ध्यान देने की जरूरत महसूस नहीं की।

हेनरी के कहर से न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे को पहले टेस्ट में नौ विकेट से पीटा

बुलावायो, 1 अगस्त। मैट हेनरी (कुल नौ विकेट) और मिचेल सैंटनर (चार विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन शुक्रवार को जिम्बाब्वे को नौ विकेट से हरा दिया। इसी के साथ न्यूजीलैंड ने दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली हैं। जिम्बाब्वे ने दूसरी पारी में कल के दो विकेट पर 31 रन से आगे खेलना शुरु किया। आज मैच के तीसरे दिन सुबह के सत्र में विलियम ओरूर्क ने निक वेल्च (चार) और विनसेंट मसेकेसा (दो) को आउटकर जिम्बाब्वे पर दबाव बनाने का प्रयास किया। लेकिन इसके शॉन विलियम्स और कप्तान क्रेग इरविन ने संभलकर खेलते हुए स्कोर को आगे बढ़ाया। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिए 57 रनों की साझेदारी हुई। मिचेल सैंटनर ने शॉन विलियम्स को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। शॉन विलियम्स ने 66 गेंदों में छह चौके लगाते हुए 49 रनों की पारी खेली। इसके बाद मैट हेनरी ने क्रेग इरविन (53 गेंदों में 22 रन) और सिकंदर रजा (पांच) को अपना शिकार बना लिया। न्यूमैन न्यामहुरी (एक), ब्लेसिंग मुजारबानी (19) और टी तिसगा (27) को आउटकर जिम्बाब्वे को 67.1 ओवर में 165 के स्कोर पर समेट दिया। न्यूजीलैंड को जीत के लिए आठ रनों का लक्ष्य मिला। न्यूजीलैंड के लिए मिचेल सैंटनर ने चार विकेट लिये।

मुंबई वानखेड़े स्टेडियम में विराट-धोनी और रोहित के साथ दिखेंगे लियोनेल मेसी

मुंबई, 1 अगस्त। फुटबॉल की दुनिया का बादशाह और अर्जेंटीना के वर्ल्ड चैंपियन कप्तान लियोनेल मेसी 14 साल लंबे अंतराल के बाद भारत दौरे पर आ रहे हैं। 13 से 15 दिसंबर के बीच अपने तीन दिन के भारत दौरे पर मेसी कोलकाता, दिल्ली और मुंबई का दौरा करेंगे।मेसी को कोलकाता के ईडन गार्डन्स मैदान पर सम्मानित किया जाएगा। अपनी यात्रा के दौरान मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मेसी भारत के स्टार क्रिकेट खिलाड़ियो के साथ वानखेड़े स्टेडियम में क्रिकेट खेलते नजर आएंगे। 14 दिसंबर को वानखेड़े स्टेडियम में खेले जाने वाले क्रिकेट मैच में मेसी के साथ सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, रोहित शर्मा और एम एस धोनी जैसे भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी खेलते नजर आएंगे। सात-साथ खिलाड़ियों वाली टीमों के बीच खेले जाने वाले मुकाबले में दर्शकों मेसी की ड्रिब्लिंग की जगह क्रिकेट का क्लास देखने का मौका मिलेगा। ये भारतीय क्रिकेट और फुटबॉल फैंस के लिए एक अनोखा नजारा होगा। एमसीएके एक अधिकारी ने बताया कि, मेसी 14 दिसंबर को वानखेड़े स्टेडियम में मौजूद रहेंगे। संभावना है कि व पूर्व और मौजूदा क्रिकेटरों के साथ एक क्रिकेट मैच भी खेलेंगे। आयोजक जल्द ही सभी औपचारिकताओं के फाइनल होने के बाद पूरा शेड्यूल जारी करेंगे। मेसी इससे पहले साल 2011 में भारत आए थे। उन्होंने कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में वेनेजुएला के खिलाफ फ्रेंडली मैच खेला था। 14 साल बाद मेसी भारत आ रहे हैं तो उनके फैंस बेसब्री से उनका इंतजार कर रहे हैं।

यूएई, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच टी-20 अंतर्राष्ट्रीय त्रिकोणीय श्रृंखला 29 से

कराची, 1 अगस्त। पाकिस्तान इस महीने के अंत में 29 अगस्त से शारजाह में शुरू होने वाली टी20 अंतरराष्ट्रीय त्रिकोणीय श्रृंखला में अफगानिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात से भिड़ेगा। यह टूर्नामेंट सितंबर में एशिया कप से पहले होगा, क्योंकि उपमहाद्वीप की टीमें अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी कर रही हैं। शुरुआती मुकाबले में पाकिस्तान का सामना पिछले साल के टी20 विश्व कप सेमीफाइनलिस्ट अफगानिस्तान से होगा। तीनों टीमें दो-दो बार आमने-सामने होंगी, और शीर्ष दो टीमें 7 सितंबर को होने वाले फाइनल में पहुंचेंगी। दोनों टीमें शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में पांच बार एक-दूसरे के खिलाफ खेल चुकी हैं, जिसमें पाकिस्तान ने अफगानिस्तान को तीन बार हराया है, जबकि अफगानिस्तान दो बार विजयी रहा है। पाकिस्तान इस समय वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेल रहा है। उसे पिछली सीरीज में बांग्लादेश से 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था। इस बीच, अफगानिस्तान ने आखिरी बार दिसंबर में टी20 अंतरराष्ट्रीय में हिस्सा लिया था, जब उसने जिम्बाब्वे को तीन मैचों की श्रृंखला में 2-1 से हराया था। आईसीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, यूएई भी मई में बांग्लादेश के खिलाफ यादगार टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला जीत के बाद इस टूर्नामेंट में शामिल हो रहा है।

राजस्थान राज्य सब जूनियर बालिका फुटबॉल चैम्पियनशिप

बीकानेर, झुंझुनूं, नागौर और जयपुर ने सेमीफाइनल में जगह बनाई

जयपुर, 1 अगस्त। आज राजस्थान फुटबाल संघ के तत्वाधान में जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम पर राजस्थान राज्य सब जूनियर गर्ल्स फुटबॉल प्रतियोगिता आरंभ हुई। संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि टूर्नामेंट में राजस्थान की नो टीमें भाग ले रही है आज खेले गए प्रीक्वार्टर मुकाबले में झुंझुनू ने जोधपुर को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। एकमात्र प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में झुंझुनूं ने जोधपुर को 11- 0 से पराजित किया मनीषा 2 गोल, दीपिका 1 गोल, अपर्णा 4 गोल, रिया ने 4 गोल, किये। पहला क्वार्टर: फाइनल मैच मुकाबला में बीकानेर ओर भीलवाड़ा मध्य मैच था पर भीलवाड़ा टीम नहीं आने से बीकानेर को वॉक ओवर मिला। दूसरा क्वार्टर: फाइनल मैच में झुंझुनू ने हनुमानगढ़ को 10-0 पराजित किया। झुंझुनूं की तरफ से रिया 6 गोल , अर्पणा 4 गोल, किए। तीसरे क्वार्टर : फाइनल मैच में नागौर ने अजमेर को 3 - 1 से पराजित किया राधिका, अनुराधा, रुचिका, ने एक एक गोल किए अजमेर की तरफ से कोमल ने एकमात्र गोल किया। आज सेमीफाइनल में बीकानेर का मुकाबला झुंझुनू से और नागौर का मुकाबला जयपुर से होगा। प्रतियोगिता के अंतिम दिन सुबह सेमीफाइनल और शाम को 4 बजे फाइनल मैच खेला जाएगा।

जयपुर ने गत विजेता श्रीगंगानगर को हराया

राजस्थान राज्य सब जूनियर गर्ल्स फुटबॉल प्रतियोगिता के आज खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में जयपुर की टक्कर गत विजेता श्रीगंगानगर से हुई। दोनों ही टीमों ने मैच के प्रारंभ होते ही एक दूसरे पर हमले करना शुरू कर दिया। जहां गंगानगर की टीम पावर गेम से खेल रही थी वहीं जयपुर की टीम ने स्किलफुल गेम खेला। फर्स्ट हॉफ में मैच के 30 वे मिनट में जयपुर ने गंगानगर की टीम पर जोरदार हमला किया और डी में गंगानगर की डिफेंडर के हाथ लगने से जयपुर को पेनल्टी मिली लेकिन इस अहम मौके पर जयपुर की फॉरवर्ड के शॉट को श्रीगंगानगर की गोलकीपर ने शानदार तरीके से रोक कर अपनी टीम पर जयपुर को बढ़त लेने से रोक लिया। मध्यांतर तक दोनों टीमों का स्कोर 0 - 0 रहा। मध्यांतर के बाद जयपुर ने और भी सधी फुटबॉल खेली और उनके खिलाड़ियों ने छोटे-छोटे पास बनाकर गंगानगर टीम पर दबाव बनाना शुरू किया जिसके फलस्वरूप मैच के 72 मिनट में जयपुर की फारवर्ड वेदांशी ने डी से बॉल अपने कब्जे में लेते हुए एकांकी प्रयास से शानदार मैदानी गोल मार कर अपना और टीम का पहला गोल किया। जवाब में श्रीगंगानगर की टीम ने कुछ अच्छे आक्रमण किये लेकिन जयपुर की मजबूत रक्षा पंक्ति जिसमें डिफेंडर कप्तान तनीषा और गोलकीपर पायल यादव ने अहम योगदान दिया और विपक्षी टीम को कोई गोल नहीं करने दिया। अंत में मैच जयपुर ने 1 - 0 के स्कोर से जीत लिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को प्रदेश के प्रमुख शहरों एवं जयपुर शहर की यातायात व्यवस्था को लेकर उच्च स्तरीय बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को वर्तमान ट्रैफिक स्थिति को सुगम एवं सुचारू बनाने के निर्देश दिए।

जयपुर के प्रमुख चौराहों को सिग्नल फ्री करने की योजना बनायें

मुख्यमंत्री भजनलाल ने राजधानी की ट्रैफिक व्यवस्था पर बैठक में निर्देश दिये

- **मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यापारियों व आमजन से सुझाव लेकर वन-वे ट्रैफिक व्यवस्था विकसित करें। मानसून के बाद हीरापुरा बस टर्मीनल से बसों का संचालन किया जाए।**

जयपुर, 1 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर शहर की वर्तमान ट्रैफिक व्यवस्था को तुरंत सुगम एवं सुचारू बनाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि यातायात संचालन हेतु भविष्य की आवश्यकताओं के दृष्टिगत दीर्घकालीन कार्ययोजना के लिए गृह एवं यातायात विभाग, जेडीए, शहरी विकास एवं आवासन व स्वायत्त शासन विभाग मिलकर सामूहिक जिम्मेदारी के साथ काम करें।

शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर प्रदेश के प्रमुख शहरों एवं जयपुर शहर की यातायात व्यवस्था को लेकर उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने पुलिस एवं यातायात के अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन को जागरूक करते हुए ट्रैफिक सेंस को बढ़ावा दिया जाए। मुख्यमंत्री ने बैठक में जयपुर शहर में वाहनों के सुगम संचालन और जाम से राहत के लिए व्यापारियों एवं आमजन से सुझाव लेकर व्यस्ततम मार्गों पर वन वे ट्रैफिक संचालन की व्यवस्था विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहर के चिन्हित ऑटो और बस स्टैण्ड के स्थानांतरण को शीघ्र लागू किया जाए। इसी क्रम में हीरापुरा बस टर्मिनल से मानसून के तुरंत बाद बसों का संचालन किया जाए। मुख्यमंत्री ने यातायात नियमों की सख्त पालना कराने और उल्लंघन पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही, कहा कि वाहनों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए भविष्य में प्रमुख चौराहों को चिन्हित कर सिग्नल फ्री ट्रैफिक संचालन की कार्ययोजना बनाएं। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित, संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बिहार की पूर्व मतदान सूची में 22 लाख मृत पाये गये

पटना, 01 अगस्त। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर बिहार में चलाये गये विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत आज मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशित किया गया, जिसके अनुसार पूर्व में सूची में जुड़े 22 लाख मतदाता मृत पाये गये।

निर्वाचन आयोग की ओर से जारी विज्ञप्ति में जानकारी दी गयी कि बीएलओ की सहायता से कराये गये सर्वेक्षण में 22 लाख, 34 हजार (2.83 प्रतिशत) मतदाता मृत पाये गये, 36 लाख, 28 हजार (4.59 प्रतिशत) मतदाता स्थानांतरित हो चुके थे, सात लाख, एक हजार (0.89 प्रतिशत) मतदाताओं के नाम अन्य स्थानों पर भी पंजीकृत पाये गये।

निर्वाचन आयोग के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, इस अभियान के तहत राज्य भर में बीएलओ के माध्यम से कुल सात करोड़, 89 लाख, 69 हजार, 844 गणना प्रपत्र मुद्रित करा कर संबंधित मतदाताओं के बीच वितरित किये गए थे। इनमें से 16 लाख से अधिक आवेदन ऑनलाइन माध्यम से किये गये।

ईडी ने अनिल अंबानी के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया

उन्हें 17000 करोड़ के लोन फ्रॉड व मनी लॉण्डरिंग के मामले में 5 अगस्त को पूछताछ के लिये बुलाया

- **लुकआउट नोटिस तब जारी किया जाता है, जब जांच एजेन्सी को लगता है कि आरोपी व्यक्ति देश छोड़कर भाग सकता है या जांच में सहयोग नहीं कर रहा है।**

नई दिल्ली, 1 अगस्त। अनिल अंबानी की मुश्किलें बढ़ ती दिख रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप (एडीएजी) के चेयरमैन के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया है। इसका सीधा मतलब है कि उन पर देश छोड़ने पर रोक लगा दी गई है।

ईडी ने उन्हें 17,000 करोड़ रुपये के लोन फ्रॉड और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 5 अगस्त को पूछताछ के लिए बुलाया था। यह कार्यवाही मुंबई और अन्य शहरों में एडीएजी की कंपनियों से जुड़े 35 से ज़्यादा ठिकानों पर ईडी की ओर से की गई छापेमारी के बाद हुई है। ईडी की जांच मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत शुरू की गई है। जांच वित्तीय अनियमितताओं और लोन के गलत इस्तेमाल के एक जटिल नेटवर्क पर केन्द्रित है।

17,000 करोड़ रुपये के कर्ज धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी करना और यात्रा प्रतिबंध लगाना, यह दर्शाता है कि जांच एजेंसी इस मामले को कितनी गंभीरता से ले रही है। अनिल अंबानी के खिलाफ एलओसी जारी करना सामान्य कदम नहीं है। यह तब किया जाता है, जब जांच एजेंसी को लगता है कि आरोपी व्यक्ति देश छोड़कर भाग सकता है या जांच में सहयोग नहीं कर रहा है।

इस कदम से सभी हवाई अड्डों और बंदरगाहों पर अलर्ट जारी हो गया है। इससे अनिल अंबानी की विदेश यात्राओं पर रोक लग गई है। यह एक साफ संकेत है कि ईडी इस मामले की तह तक जाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। वह अनिल अंबानी की उपस्थिति को सुनिश्चित करना चाहती है।

अधिकारियों का कहना है कि यह जांच सीबीआई की ओर से दर्ज एफआईआर और सेबी जैसे अन्य नियामक निकायों की रिपोर्ट पर आधारित है। ईडी की जांच में लोन के गलत इस्तेमाल के आरोपों पर ध्यान दिया जा रहा है। विशेष रूप से, 2017 और 2019 के बीच यस बैंक की ओर से अंबानी की ग्रुप कंपनियों को दिए गए 3,000 करोड़ रुपये के लोन पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

जांचकर्ताओं ने कई अनियमितताओं की बात कही है। इसमें बैकडेटेड क्रेडिट अप्रूवल, उचित जांच की कमी और विभिन्न ग्रुपों और शेल कंपनियों के फंड का गलत इस्तेमाल शामिल है।

शाहरुख खान, विक्रांत मैसी व रानी मुखर्जी को राष्ट्रीय पुरस्कार

दिल्ली में 71 वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार की घोषणा

- **शाहरुख खान को फिल्म ''जवान'' तथा मैसी को ''12 वीं फेल'' के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेता चुना गया है। रानी मुखर्जी को ''मिसेज़ चटर्जी वर्सेज़ नॉर्वे'' के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री चुना गया है।**

नयी दिल्ली , 01 अगस्त। किंग खान के नाम से मशहूर शाहरूख खान और अभिनेता विक्रांत मैसी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता तथा रानी मुखर्जी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा।

राजधानी दिल्ली के नेशनल मीडिया सेंटर में शुक्रवार को 71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स की घोषणा की गई। शाहरुख खान और विक्रांत मैसी को संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया है। शाहरुख को उनकी फिल्म जवान और विक्रांत को 12वीं फेल के लिए अवॉर्ड मिला है। रानी मुखर्जी को फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा। फिल्म 'कटहल' को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म के लिये चुना गया है।

करण जौहर की 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' को संपूर्ण मनोरंजन के लिए सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। विधु विनोद चोपड़ा निर्देशित '12वीं फेल' को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म चुना गया, जबकि 'द केरला स्टोरी' के लिए सुदीप्तो सेन ने सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का अवॉर्ड अपने नाम किया।

सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्यों को बढ़ ावा देने वाली सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार दिया गया। 'सैम बहादुर' को वेशभूषा और मेकअप के लिए भी सम्मानित किया गया। सर्वश्रेष्ठ कोरियोग्राफी का पुरस्कार रॉकी और रॉनी की प्रेम कहानी (हिंदी) के लिये कोरियोग्राफर वैभवी मर्चेंट को मिला।

फ्लॉवरिंग मैन को सर्वश्रेष्ठ गैर-फीचर फिल्म का पुरस्कार; गॉड वल्चर एंड ह्यूमन को सर्वश्रेष्ठ वृत्तिचत्र का पुरस्कार मिला । विजयराघवन और मुथुपेट्टई सोमू भास्कर ने सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता तथा उर्वशी और जानकी बोडीवाला ने सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का पुरस्कार जीता। हनु-मान को (एनिमेशन, विज़ुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक) में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार मिला। सर्वश्रेष्ठ लघु फिल्म का पुरस्कार गिद्ध द स्केवेंजर को मिला।

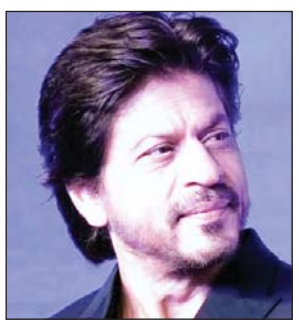

शाहरुख खान

विक्रांत मैसी

रानी मुखर्जी

ट्रंप को जवाब -भारत अमेरिका से एफ-35 लड़ाकू विमान नहीं खरीदेगा

वाइट हाउस में फरवरी 2025 में ट्रंप ने मोदी से ये विमान खरीदने की पेशकश की थी

- **रिपोर्ट के अनुसार भारत घरेलू स्तर पर रक्षा उपकरणों के संयुक्त डिज़ाइन और निर्माण पर केन्द्रित पार्टनरशिप में ज्यादा रुचि रखता है। भारत की ओर से अब तक ट्रंप की पेशकश का जवाब नहीं दिया गया।**

नई दिल्ली, 1 अगस्त। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर लगातार चर्चा जारी है। हालांकि, इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया है। हालांकि, इस बीच भारत की ओर से भी बड़ी खबर सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने अमेरिका के एफ-35 लड़ाकू विमान को खरीदने से इनकार कर दिया है।

ब्लूमबर्ग ने अधिकारियों के हवाले से जारी अपनी रिपोर्ट में कहा है कि अमेरिकी प्रोडक्ट्स की खरीद में तेजी लाने पर विचार करने के बावजूद, भारत सरकार द्वारा अमेरिका से एडिशनल डिफेंस प्रोडक्ट्स खरीदने की संभावना नहीं है। ब्लूमबर्ग की ओर से जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने अमेरिका को सूचित कर दिया है कि वह एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू विमान खरीदने का इच्छुक नहीं है।

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फरवरी 2025 में अमेरिका की यात्रा की थी और व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की थी।

इस दौरान ट्रंप ने भारत को एफ-35 लड़ाकू विमान बेचने की पेशकश की थी। रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारियों ने बताया है कि भारत सरकार घरेलू स्तर पर रक्षा उपकरणों के संयुक्त डिजाइन और निर्माण पर केंद्रित पार्टनरशिप में ज्यादा रुचि रखती है। भारत के रक्षा मंत्रालय ने अब तक इस बारे में जवाब नहीं दिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक अगस्त से भारत से आयातित उत्पादों पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की। ट्रंप ने रूस से आयात करने के लिए भारत पर दंडात्मक उपाय के तौर पर जुर्माना लगाने की भी घोषणा की, यह 25 प्रतिशत शुल्क से अलग होगा। ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका ने भारत के साथ अपेक्षाकृत 'कम व्यापार' किया है, क्योंकि उसके शुल्क बहुत ज्यादा हैं। ट्रंप ने आगे कहा- "भारत ने हमेशा अपने सैन्य उपकरणों का बड़ा हिस्सा रूस से खरीदा है, और चीन के साथ रूस के ऊर्जा के सबसे बड़े खरीदार हैं, जबकि हर कोई चाहता है कि रूस यूक्रेन में हत्याएं बंद करे।"

'दिल्ली में अब कोई झुग्गी नहीं हटेगी'

नयी दिल्ली, 01 अगस्त। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि राजधानी में अब कोई भी झुग्गियां नहीं हटायी जायेंगी और इसके लिए रेलवे तथा दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) सहित सभी सरकारी विभागों को निर्देश जारी किए गए हैं। गुप्ता ने कहा कि अगर विकास कार्य आदि को लेकर झुग्गी हटाई भी जाती है, तो उन्हें पहले वैकल्पिक आवास दिया जाएगा। राजधानी के बाहरी इलाकों में सालों पहले बने करीब 50 हजार मकानों को संवारकर उन्हें झुग्गी वालों को देने का निर्णय कर लिया गया है। उनका कहना है कि जरूरत पड़ी तो सरकार झुग्गी बस्तियों पर बनी नीति में बदलाव करेगी और झुग्गी वालों का आवास बचाने के लिए कोर्ट भी जाएगी। उन्होंने कहा , दिल्ली में बसी झुग्गियां देश की राजधानी का एक अनिवार्य अंग हैं। इनका दिल्ली में वर्षों से निवास हैं। विपक्षी पार्टी ने हमेशा से ही झुग्गी वालों को वोट बैंक की राजनिति में फंसाए रखा है, लेकिन हमारी सरकार उनको सही मायनों में दिल्ली का निवासी बनाने के लिए लगातार गंभीर प्रयास कर रही है।

कोर्ट ने पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को रेप का दोषी माना

बैंगलुरु की विशेष अदालत में शनिवार को सजा सुनाई जायेगी

- **प्रज्वल रेवन्ना जनतादल (सैक्यूलर) के नेता हैं तथा हासन लोकसभा क्षेत्र के पूर्व सांसद हैं। वे पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवगौड़ा के पौत्र तथा कर्नाटक के पूर्व मंत्री एच.डी. रेवन्ना के पुत्र हैं।**

मैसूरु, 1 अगस्त। बेंगलुरु की एक विशेष अदालत ने शुक्रवार को जनता दल (सेक्युलर) के नेता और पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को रेप के मामले में दोषी ठहराया गया है। यह मामला हासन जिले के होलेनरसिपुरा ग्रामीण पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ दर्ज पहला रेप केस था। प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ यह केस काफी चर्चा में रहा था। अब इस मामले में सजा का ऐलान शनिवार को होना है। बेंगलुरु की विशेष अदालत में इस मामले की सुनवाई हो रही है।

बेंगलुरु स्थित एमपी/एमएलए की विशेष अदालत ने 18 जुलाई को बलात्कार मामले की सुनवाई पूरी कर ली थी तथा अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। सजा का ऐलान अब शनिवार (2 अगस्त) को होना है। रेवन्ना पिछले साल दर्ज किए गए चार आपराधिक मामलों में मुख्य आरोपी हैं। जब 2,000 से अधिक अश्लील वीडियो क्लिप, जिनमें कथित तौर पर कई महिलाओं के यौन शोषण को दर्शाया गया था, सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं। रेवन्ना के खिलाफ पहली शिकायत अप्रैल 2024 में एक महिला ने दर्ज कराई थी, जो उनके परिवार के फार्महाउस में घरेलू सहायिका के रूप में काम करती थी। उसने रेवन्ना पर 2021 से बार-बार बलात्कार करने और किसी को भी घटना के बारे में बताने पर दुर्व्यवहार के वीडियो जारी करने की धमकी देने का आरोप लगाया था।

'चाहे आप रिटायर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिकारियों से निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से काम करना जारी रखने का आग्रह करता है। इन बयानों को नज़रअंदाज करना ही सबसे अच्छा है।"

मंत्री किरेन रिजिजू ने भी राहुल गांधी के खिलाफ प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि वे भारत विरोधी बयान दे रहे हैं, जो उन्हें विपक्ष के नेता के रूप में नहीं करना चाहिए।

राहुल गांधी अगले सप्ताह कर्नाटक के अपने दौरे पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करेंगे, जहाँ उनसे चुनाव आयोग द्वारा वोट चोरी के संबंध में कुछ विस्फोटक खुलासे की उम्मीद है। इस सब का निशाना है बिहार में मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण और वो तरीका, जिससे बिहार में सत्तारूढ़ एनडीए को लाभ पहुंचाने के लिए लाखों मतदाताओं को सूचियों से हटा दिया गया है।

विपक्ष एसआईआर के मुद्दे को इसी सत्र में समाप्त कर देना चाहता है, ताकि चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल जैसे अन्य चुनाव वाले राज्यों में भी ऐसा ही न करे।

लेकिन यह स्पष्ट है कि राहुल की स्पष्ट और सटीक बात, और नरेन्द्र मोदी की सत्तारूढ़ पार्टी के खिलाफ आक्रामकता, मोदी और उनकी टीम के लिए चिंता का विषय बनती जा रही है।

राज्यसभा में सीआईएसएफ कर्मियों की उपस्थिति का विरोध

नई दिल्ली, 1 अगस्त। विपक्ष ने राज्यसभा में विरोध प्रदर्शनों के दौरान सदन के बीचोंबीच केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के कर्मियों को भेजे जाने का आरोप लगाते हुए इसका कड़ा विरोध किया है और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने उप सभापति हरवंश को पत्र लिख कर यह मुद्दा उठाया है। खड़गे ने सभी विपक्षी दलों की ओर से लिखे पत्र में कहा है कि कल और आज सदन में सदस्य जब विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, उस दौरान दिखा कि सीआईएसएफ के कर्मी अंदर बीचोंबीच आ कर खड़े हो गये थे।

'एसटी वर्ग की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैं कि कोई भी ऐसा कानून नहीं बनाया जा सकता, जो महिलाओं के खिलाफ भेदभाव पैदा करता हो। अनुच्छेद 14 महिलाओं के लिए समानता की गारंटी देता है।

याचिका में अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा और अधिवक्ता लखन शर्मा ने बताया कि याचिकाकर्ता अपने पिता की इकलौती संतान है। उसने अपनी पैतृक संपत्ति में अपने अधिकारों की घोषणा के लिए उपखंड अधिकारी के समक्ष वाद दायर किया था। इस दौरान, प्रतिवादी ने हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, की धारा 2(2) के प्रावधानों के आधार पर सीपीसी के आदेश 7 नियम 11 के तहत अर्जी पेश कर वाद खारिज करने की मांग की। प्रतिवादी ने कहा कि यह अधिनियम एससी वर्ग के सदस्यों पर लागू नहीं होता। इस अर्जी को एसडीओ ने खारिज कर दिया। इसके खिलाफ प्रतिवादी ने राजस्व मंडल में याचिका पेश की, जिसे मंडल ने गत 9 जून को स्वीकार कर लिया। बोर्ड ने माना कि याचिकाकर्ता मीणा समुदाय की सदस्य है और उसे पैतृक संपत्ति में उत्तराधिकार का कोई अधिकार नहीं है। ऐसे में एसडीओ के सम्मुख लंबित वाद खारिज हो गया। इसे याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि एसटी वर्ग की बेटियों के खिलाफ भेदभाव करना संविधान के प्रावधानों के खिलाफ है और सुप्रीम कोर्ट भी इस संबंध में निर्देश दे चुका है।

1974 से चला आ रहा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है, राज्य सरकार उस क्षेत्र में हस्तक्षेप न करें। अतिरिक्त महाधिवक्ता ने कहा कि 1969 में राज्य सरकार ने उक्त भूमि को पूरी तरह अवाप्त कर सवाईचक करने की कार्यवाही पुन: शुरू कर दी थी और इस दौरान त्रिलोकीनाथ ने किसी अदालत में पूरी जमीन का सवाईचक होने पर आपत्ति नहीं जताई।

विज्ञान शाह ने अदालत को कहा कि वर्ष 1990 में कई तथ्यों को छूपाते हुए और 1979 में दी गई आंशिक राहत का लाभ लेते हुए, मूल पक्षकार त्रिलोकीनाथ ने सिविल जज से एक आदेश अपने पक्ष में कर लिया, जिसके तहत उसे प्रति बीघा 40,000 रुपये तथा 30 प्रतिशत क्षतिपूर्ति और 15 प्रतिशत की दर से ब्याज दिया जाए। विज्ञान शाह ने अदालत को कहा कि इस आदेश से पूर्व किसी भी भूमि अधिग्रहण अधिकारी ने त्रिलोकीनाथ को भूमि का मालिक नहीं माना था।

वहीं मूल पक्षकार त्रिलोकीनाथ के वंशजों की ओर से अदालत में बार बार कहा गया कि उनके पिता ने जमीन मूल जागीरदारों से खरीदी थी और जागीरदार ने ही उन्हें भूमि का स्वामित्व और पट्टा जारी किया था।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि टी. एन. साहनी केवल 1979 द्वारा दिये गये आंशिक अदालतीए राहत के बल पर उक्त जमीन पर मालिकाना हक का दावा कर रहे है। अदालत ने कहा कि 'राजस्थान टनेन्सी एक्ट, 1955' के लागू होने के बाद से मूल पक्षकार के द्वारा ऐसा कोई भी दस्तावेज नहीं दिखाया गया, जिससे उसे इस अधिनियम के तहत भूमि का कब्जादारी या कास्तकार होने का हक मिल सके। अदालत ने 1979 के आदेश में कही पर भी खातेदारी के अधिकार टी.एन. साहनी के पक्ष में नहीं दिए केवल आंशिक राहत देते हुए कहा था कि पक्षकार के कब्जे में जमीन पर राज्य सरकार कार्यवाही न करें।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि किसी भी भूमि अधिग्रहण अधिकारी के समक्ष त्रिलोकीनाथ ने उक्त भूमि पर अपना मालिकाना हक होने का दावा पेश नहीं किया और न ही किसी अदालत से उन्हें यह हक मिला। अदालत ने अपने आदेश पर कहा कि त्रिलोकीनाथ किसी भी तरह के मुआवजे के हकदार नहीं है और उन्होनें समय-समय पर धोखाधड़ी और तथ्य छुपाकर भूमि पर मालिकाना हक पाने की कोशिश करी है और जागीरदारी अधिनियम के हटने और राजस्थान टनेन्सी एक्ट के लागू होने से पूर्व एक नाबालिग जागीरदार की जमीन हथियाने की कोशिश करी है। उन्होंने कहा कि जो पट्टा उनके द्वारा पेश करा गया वह भी कानूनी तौर पर त्रुटियों से भरा हुआ है। अदालत ने अपने आदेश में यह भी कहा कि टी.एन. साहनी कभी भी यह साबित नहीं कर पाए कि उन्होने उक्त भूमि पर किसान बनकर हल चलाया। अदालत ने कहा कि 1990 में दिये गये आदेश से जाहिर होता है कि अदालत ने भी त्रिलोकीनाथ द्वारा दिये गये तथ्यों को 'फेस वैल्यू' पर ही सही मान लिया और कभी भी भूमि अधिग्रहण अधिकारी को अदालत में नहीं बुलाया जिससे यह स्पष्ट हो जाता है कि उक्त भूमि कभी भी त्रिलोकीनाथ की नहीं थी। इसके साथ ही अदालत ने त्रिलोकीनाथ के वंशजों द्वारा मुआवजे की करोड़ों की मांग को भी खारिज कर दिया।

छात्रसंघ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मांगा। इस पर अदालत ने राज्य सरकार को जवाब के लिए समय देते हुए प्रकरण की सुनवाई टाल दी।

याचिका में बताया कि विश्वविद्यालय के प्रत्येक छात्र को अपना प्रतिनिधि चुनने का संवैधानिक अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने भी केरल विश्वविद्यालय के मामले में इसे मूलभूत अधिकार माना है। इसके साथ ही, सुप्रीम कोर्ट कह चुका है कि मूलभूत अधिकार को किसी कानून या कोर्ट आदेश से छीना नहीं जा सकता। वहीं, लिंगदोह कमेटी की सिफारिशों के तहत, हर साल छात्रसंघ चुनाव कराए जाने चाहिए। कमेटी की सिफारिश के अनुसार सत्र शुरु होने के छह से आठ सप्ताह के भीतर छात्रसंघ चुनाव होने चाहिए।

'अन्य देशों को अब अमेरिका की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का असली असर धीरे-धीरे सामने आएगा।

कुछ चीजें, जिनकी कीमतों पर लोग ज्यादा ध्यान नहीं देते हैं, जैसे कि यूरोपीय वाइन, अब पहले से ज़्यादा महंगी हो जाएंगी, क्योंकि अमेरिका ने यूरोपीय वाइन को छूट वाली सूची में शामिल नहीं किया, जैसा कि फ्रांस, जर्मनी या इटली के बेहतरीन वाइन उत्पादक चाहते थे।

अमेरिका अपने उत्तरी पड़ोसी, कैनडा को सबसे अधिक सामान्य शुल्कों में से एक से दंडित करना चाहता है। अमेरिका ने कैनडा के निर्यात पर 35 प्रतिशत का शुल्क लगाया, क्योंकि कैनडा, अमेरिका की इच्छानुसार, एक समझौते को अंतिम रूप देने में विफल रहा।

मेक्सिको और चीन को फिलहाल इस मौजूदा दौर में छूट दी गई है, क्योंकि उन दोनों के साथ व्यापार वार्ता अभी चल रही है।

इसी तरह, सबसे प्रतिष्ठित वस्तुओं में से एक, स्विस घड़ियां, भी महंगी हो जाएंगी, क्योंकि स्विट्जरलैंड को सबसे अधिक शुल्क वाली श्रेणियों में रखा गया है। स्विस घड़ियों पर अमेरिका में प्रवेश के लिए 39 प्रतिशत का शुल्क लगेगा। एक ब्रिटिश-आधारित कंपनी, जो यूके और यूएसए में स्विस घड़ियों का यह व्यापार संभालती है, का कहना है कि इससे मांग में कमी आएगी।

भारत को अपेक्षाकृत उच्च शुल्क श्रेणी (25 प्रतिशत) में रखा गया है। तथापि, यदि रूसी कच्चे तेल की खरीद के लिए डॉनल्ड ट्रम्प के दंडात्मक शुल्क भी साथ-साथ शुरू होते हैं, तो भारत को अमेरिकी बाजारों से बाहर निकाला जा सकता है।

भारत से इलेक्ट्रॉनिक्स के निर्यात, (भारत इन वस्तुओं के सबसे बड़े सप्लायरों में एक है) पर अब 10 प्रतिशत के बजाय 25 प्रतिशत का शुल्क लगेगा। ताइवान, जो दूसरा प्रमुख निर्यातक है, पर थोड़ी कम दर, यानी 20 प्रतिशत का शुल्क लगेगा। भारत से कपड़ों, जूतों और एक्सेसरीज़ के निर्यात पर भी भारत के लिए निर्धारित 25 प्रतिशत का शुल्क लगेगा।

शुल्क के वास्तव में प्रभावी होने से पहले एक छोटी सी मोहलत अभी उपलब्ध है। अभी और अक्टूबर के बीच की गई सभी वर्तमान शिपमेंट को नए शुल्कों से छूट मिलेगी। हालांकि, यह एक छोटी सी मोहलत है, क्योंकि इन शिपमेंट को बहुत पहले से बुक किया जाता है, इसलिए इतनी कम अवधि में इनमें बहुत ज़्यादा इज़ाफा नहीं किया जा सकता।

कई देशों ने अब राहत और संतोष की भावना व्यक्त की है कि घोषित शुल्क कम से कम परेशानी वाले हैं। उदाहरण के लिए, बांग्लादेश पर 20 प्रतिशत का शुल्क लगाया जाएगा, जिसे वह एक जीत मानता है, क्योंकि पहले 41 प्रतिशत की कहीं अधिक दर घोषित की गई थी। शुल्क यह इस देश को इंडोनेशिया, पाकिस्तान या वियतनाम जैसे अन्य प्रतिस्पर्धी देशों के साथ एक सापेक्ष समानता पर रखता है।

शुल्क का अंतिम प्रभाव संतुलित होगा। क्योंकि अमेरिका एक बहुत बड़ा बाज़ार है तथा निर्यातक, मांग पर शुल्क के प्रभाव की भरपाई के लिए अपनी अंतिम कीमत कम करने का विकल्प चुन सकते हैं।

हालांकि इसकी स्पष्ट सीमाएं हैं, क्योंकि वर्तमान स्थिति में भी, लाभ इतना बड़ा नहीं है कि कोई देश बाजार में हिस्सेदारी बनाए रखने के लिए शुल्क की सीमा तक कीमतें कम कर सके।

बेशक, चीन जैसे कुछ देश हैं, जो कमाई के लिए निर्यात की कीमतों में भारी कमी करने का विकल्प चुन सकते हैं। लेकिन यह लंबी अवधि में मदद नहीं करता है, सिवाय इसके कि प्रतिस्पर्धियों की कीमत पर बाजार में हिस्सेदारी बनाए रखी जाए या बढ़ाई जाए।

सोमवार, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और कोर्ट के गलियारों में काफी भीड़ होती है। इसका मुख्य कारण यह है कि इन दिनों इन स्थानों पर बड़ी संख्या में इन्टर्न्स होते हैं और वरिष्ठ वकीलों और नियमित प्रैक्टिश्नरों को एक कोर्ट से दूसरे कोर्ट में जाने में बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा, कई मामलों में, इन्टर्न्स बार के सदस्यों द्वारा अनुरोध किए जाने पर भी अपनी सीटें खाली नहीं करते हैं, जिससे वकीलों को और असुविधा होती है।"

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908